नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 30

सोमवार, 28 अगस्त से 03 सितम्बर 2023

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

वीकेंड में तीन बार होगी फुल ड्रेस रिहर्सल, नई दिल्ली से बचकर चलें 03

नए संविधान की मांग आखिर क्यों? 08

बारिश की भेंट चढ़ा भारत-पाक मुकाबला... 10

आज की आवश्यकता सब्जी बगीचा 11

एक मिनट के एक करोड़ रुपए कमाती हैं उर्वशी रौटेला! 12

इस्माईल खान

एक नजर

मोदी छह-सात सितंबर को इंडोनिशिया की यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 06-07 सितंबर को दो दिवसीय इंडोनेशिया की यात्रा पर जाएंगे। आसियान के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर श्री मोदी जकार्ता जा रहे हैं और वह 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

वर्ष 2022 में भारत-आसियान संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझीदारी में बदलने के बाद यह पहला आसियान-भारत शिखर सम्मेलन होगा। शिखर सम्मेलन भारत-आसियान संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेगा और सहयोग की भविष्य की दिशा तय करेगा। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आसियान देशों के नेताओं और भारत सहित इसके आठ संवाद भागीदारों को क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

देश के तीन हाई कोर्ट में चार जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के तीन हाई कोर्ट में चार जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने केरल हाई कोर्ट, उड़ीसा हाई कोर्ट और गौहाटी हाई कोर्ट ने लिए जजों की नियुक्ति की है। आज जारी नोटिफिकेशन में इसकी घोषणा की गई। राष्ट्रपति ने केरल हाई कोर्ट के एडिशनल जज जस्टिस चंद्रशेखरन सुधा को स्थायी जज के रूप में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने बुदी हाबुंग को गौहाटी हाई कोर्ट का जज जबकि शिबशंकर मिश्रा और आनंदा चंद्र बेहरा को उड़ीसा हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया है।

सेना प्रमुख ने राजौरी के अग्रिम इलाकों का दौरा किया

जम्मू। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों का दौरा किया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि जनरल पांडे ने राजौरी सेक्टर में अग्रिम इलाकों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि श्री पांडे को कमांडरों ने परिचालन तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी। श्री पांडे परिचालन तत्परता और नियंत्रण रेखा पर प्रभावी प्रभुत्व की सराहना की।

राजस्थान के प्रतापगढ़ में भी मणिपुर जैसी घटना

महिला को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया, सभी आरोपित गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

जयपुर/प्रतापगढ़। राजस्थान में प्रतापगढ़ जिले के धरियावाद थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का खुलासा होने पर हड़कम्प मच गया। महिला के पति ने ही गांव वालों के सामने उसे एक किलोमीटर तक दौड़ाया।

यह वाकया 31 अगस्त का है। शुक्रवार को इसका वीडियो वायरल होने पर सरकार हरकत में आई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पति सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार किया, वहीं चार को डिटेन किया गया है, जिनमें से एक नाबालिग है। पुलिस के आला अधिकारियों के मौके पर पहुंचने के बाद शनिवार दोपहर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी धरियावद पहुंचे और उन्होंने पीड़िता को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। मामले में राज्य व राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी रिपोर्ट तलब की है। इस मामले को लेकर सियासी बवाल भी शुरू हो चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसे राजस्थान की कमजोर कानून-व्यवस्था का नतीजा बताया है, वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन स्तर की तीन सदस्यीय जांच कमेटी भी गठित की है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि महिला की शादी डेढ़ साल पहले गांव के युवक के साथ हुई थी। महिला को शादी के छह महीने बाद

पड़ोस के गांव ऊपला कोटा का युवक भगा ले गया था। महिला सालभर बाद 30 अगस्त को उस युवक के साथ वापस लौटी तो उसके ससुराल वाले उसे जबरन अपने गांव पहाड़ा ले आए। इसके बाद पति ने गांव वालों के सामने ही उसके कपड़े उतारे और निर्वस्त्र कर घुमाया। वायरल वीडियो में वह चीखते हुए छोड़ देने की गुहार लगा रही है। इस दौरान गांव के कई लोग मौजूद रहते हैं, लेकिन कोई उसे नहीं रोकता है। पीड़िता छह महीने की गर्भवती है। महिला ने एक सितंबर की देर रात धरियावाद थाने में शिकायत दी है। इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई है। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया कि शुक्रवार को महिला के पति और तीन आरोपितों को उनके गांव के पास जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया। शेष आरोपितों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित महिला और आरोपित आदिवासी हैं।

पीड़ित महिला से मिले मुख्यमंत्री, 10 लाख की सहायता व नौकरी का ऐलान

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रतापगढ़ के धरियावद पहुंचे। उन्होंने पीड़ित महिला एवं उसके परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अपराधियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी। गहलोत ने पीड़ित महिला को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि घटना के संज्ञान में आते ही एडीजी क्राइम को मौके पर जाकर इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए थे तथा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में सभी आरोपितों को हिरासत में लिया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने राज्य सरकार पर उठाये सवाल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान आने से पहले कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्रतापगढ़ का वीडियो चौंकाने वाला है, राजस्थान में शासन व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है। मुख्यमंत्री और मंत्री गुटीय झगड़ों को निपटाने में व्यस्त हैं और बचा हुआ समय दिल्ली में एक राजवंश को खुश करने में व्यतीत हो रहा है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। आए दिन महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न की कोई न कोई घटना सामने आती रहती है। राजस्थान की जनता राज्य सरकार को सबक सिखाएगी। इसी मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने तीन सदस्यीय समिति बनाई है, जो मौके पर पहुंच कर रिपोर्ट पेश करेगी। समिति में प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दीयाकुमारी, प्रदेश मंत्री कृष्णा कटारा और सोजत विधायक शोभा चौहान को शामिल किया गया है। स्थानीय विधायक नगराज मीणा ने कहा कि इस घटना की निंदा जितनी भी की जाए वह कम होगी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस घटना की निंदा की है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे इस वीडियो को शेयर या पोस्ट

आरोपित 12 घंटे में पकड़े गए–

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर थाना धरियावद में आईपीसी की संबंधित धाराओं, स्त्री अशिष्ट नियंत्रण अधिनियम व आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को नामजद कर जांच पडताल प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन, संभागीय आयुक्त धरियावद, आईजी बांसवाड़ा रेंज एस परिमला, कलेक्टर इंद्रजीत यादव, एसपी अमित कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। आरोपितों को नामजद कर इनकी गिरफ्तारी के लिए 30 टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने 12 घंटे के अंदर मुख्य आरोपित कान्हा पुत्र लालिया, नाथू पुत्र नगजी मीणा, वेणिया पुत्र भेरा निवासी पहाड़ा निचला कोटा व एक बाल अपचारी को डिटेन कर सात आरोपियों पिन्टू पुत्र भेरिया, खेतिया पुत्र लेम्बिया मीणा, मोती लाल पुत्र रामा मीणा, पुनिया पुत्र बाबरिया मीणा, केसरा पुत्र मानेंग मीणा, सूरज पुत्र केसरा एवं नेतिया पुत्र पांचिया निवासी पहाड़ा निचला कोटा थाना धरियावद को गिरफ्तार किया गया।

पांच सदस्यीय एसआईटी गठित

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसआईयूसीएडब्ल्यू प्रतापगढ़ ऋषिकेश मीणा, सीओ धरियावद धनफूल मीणा, सीओ मावली उदयपुर कैलाश कुंवर, एसएचओ धरियावद पेशावर खान और महिला कांस्टेबल साइबर थाना प्रतापगढ़ पूजा की पांच सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि आईजी बांसवाड़ा रेंज और एसपी प्रतापगढ़ के सुपरविजन में गठित एसआईटी घटना की समस्त पहलुओं की जांच कर रिपोर्ट राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय को सौंपेगी तथा तकनीकी व वैज्ञानिक रूप से साक्ष्य संकलन कर प्रकरण का समयबद्ध निस्तारण करेगी।

छत्तीसगढ़ से किए वायदे पूरे किए: राहुल

एनसीआर समाचार

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को नवा रायपुर के मेला ग्राउंड में आयोजित राजीव युवा मितान सम्मेलन में दावा किया कि हमने छत्तीसगढ़ में जो वायदे किये थे वो पूरे किए। किसानों को सही दाम दिए, कर्ज माफ किए, बिजली बिल हाफ कर दिया। छत्तीसगढ़ में किसानों को धान के लिए सही दाम दिया। जहां भी हम जाते हैं वायदा निभाते हैं। तीन लाख युवाओं को हमने क्लब में जोड़ा -उन्होंने कहा कि युवाओं की बड़ी जिम्मेदारी है, प्रदेश को चलाने में। इसलिए हमने राजीव युवा मितान क्लब आपके लिए बनाए हैं। हर क्लब को एक लाख रुपए मिल रहे हैं। तीन लाख युवाओं को हमने क्लब में जोड़ा है। हम आपके लिए राजनीति के दरवाजे खोलना चाहते हैं।

आदिवासी का मतलब ओरिजनल मालिक- आदिवासियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि आदिवासी देश के असली मालिक हैं। आदिवासी भाइयों के लिए हमने पेसा कानून लाया। आदिवासी का मतलब हिंदुस्तान के ओरिजनल मालिक है। हम चाहते हैं कि आदिवासी युवा जो

भी सपना देखना चाहते हैं देखे और उसे पूरा करे। हमारा काम जोड़ने का है। भारत जोड़ो यात्रा का हमारा यही लक्ष्य था। दुनिया को छत्तीसगढ़ से जोड़िये-उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हिंदुस्तान का सेंटर है। आपको देश का लाजिस्टिकल सेंटर बनना चाहिए। आप इंफ्रास्ट्रक्कर तैयार कीजिए, ताकि छत्तीसगढ़ हिंदुस्तान का लाजिस्टिक सेंटर बन पाये। आप दुनिया को छत्तीसगढ़ से जोड़िये। इससे छत्तीसगढ़ के प्रोडक्ट भारत ही नहीं, दुनिया में भी जाए। छत्तीसगढ़ की सरकार ने अच्छा काम किया है। राहुल ने कहा, हिंसा से देश की अर्थव्यवस्था नहीं बढ़ती।

आदित्य-एल1 उपग्रह पृथ्वी की निचली कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित

एनसीआर समाचार

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने देश के पहले सूर्य मिशन के तहत आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को शनिवार को पृथ्वी की कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया।

इसरो सूत्रों के मुताबिक 23 घंटे 40 मिनट की उल्टी गिनती समाप्त होने के साथ ही पूर्वाह्न 11.50 बजे पीएसएलवी-सी57 के जरिए शार रेंज से प्रक्षेपित आदित्य एल-1 को अब पृथ्वी की निचली कक्ष में स्थापित कर दिया गया है। इसी के साथ ही 125 दिनों की लंबे सफर में सूर्य के बाहरी वातावरण का अध्ययन करने का सिलसिला शुरू हो गया।

उन्होंने बताया कि मिशन नियंत्रण केंद्र के वैज्ञानिक पूरे अभियान पर नजर रखे हुए हैं। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित भारतीय मिशन है। सफल प्रक्षेपण के साथ ही सभी चार चरणों के प्रज्वलन और पृथक्करण के बाद रॉकेट को करीब 600 किलोमीटर की ऊंचाई पर निर्धारित कक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

उन्होंने कहा कि 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद अंतरिक्ष यान आदित्य-एल1 जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में सूर्य के क्षेत्र में प्रवेश करेगा। करीब 1,475 किलोग्राम वजनी अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज प्वाइंट-1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

श्री सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्ष में रखे जाने के बाद कक्ष को और अधिक अण्डाकार बनाया जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को ऑन-बोर्ड प्रोपल्शन थ्रस्टर्स का उपयोग करके लैग्रेंज बिंदु एल1 की ओर प्रक्षेपित किया जाएगा। जैसे ही अंतरिक्ष यान एल1 की ओर बढ़ेगा यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र (एसओआई) से बाहर निकल जाएगा। एसओआई से बाहर निकलने के बाद, क्रूज चरण शुरू हो जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को एल1 के चारों ओर एक बड़ी प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), बेंगलुरु में तैयार आदित्य-एल 1 अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल 1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है। भारत के पहले सौर्य मिशन ने अपने निर्धारित केंद्र एल-1 पॉइंट के लिए यात्रा शुरू कर दी है। आदित्य एल 1 15 लाख किलोमीटर की दूरी तय कर चार महीनों के बाद जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में सूर्य के क्षेत्र में प्रवेश करेगा।

इसरो द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसाद आदित्य -एल1 ने सौर पैनलों की मदद से बिजली बनाना शुरू कर दिया है । इसके बाद उपग्रह की कक्षा को बढ़ाने के लिए धरती से कल सुबह 11 बजकर 45 मिनट पर फायरिंग की जायेगी। इसरो के सबसे भरोसेमंद प्रक्षेपण यान पीएसएलवी का यह मिशन उसके सबसे लंबे मिशनों में से एक होने जा रहा है हालांकि पीएसएलवी का सबसे लंबा मिशन पीएसएलवी -सी 35 2016 में हुआ था जो उड़ान के दो घंटे 15 मिनट और 33 सेकेंड बाद समाप्त हुआ था।

आदित्य–एल1 के सफल लॉन्च पर मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को देश के पहले सौर मिशन आदित्य–एल1 को सफलतापूर्वक लॉन्च करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, चंद्रयान–3 की सफलता के बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा जारी रखी है। भारत के पहले सौर मिशन आदित्य–एल1 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। बेहतर विकास के लिए हमारे अथक वैज्ञानिक प्रयास जारी रहेंगे। उल्लेखनीय है कि आज इसरो ने 23 घंटे 40 मिनट की उलटी गिनती समाप्त होने के साथ ही पूर्वाह्न 11 बजर 50 मिनट पर पीएसएलवी–सी57 के जरिए शार रेंज से प्रक्षेपित आदित्य एल–1 को अब पृथ्वी की निचली कक्ष में स्थापित कर दिया गया है।

पंचायत से संसद तक के चुनाव साथ कराने की सिफारिश के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित

एनसीआर समाचार

नयी दिल्ली। सरकार ने पूरे देश में पंचायतों, नगर निकायों और राज्य विधानसभाओं से लेकर लोकसभा तक चुनाव एक साथ कराने की संभावनाओं की जांच और उस पर सिफारिश के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में शनिवार को आठ सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हैं।

यह समिति अपना काम तत्काल शुरू करेगी। समिति के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गयी है पर सरकार यह अपनी रिपोर्ट यथाशीघ्र प्रस्तुत करेगी।

समिति में अध्यक्ष श्री कोविंद के अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस दल के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्य सभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद, पंद्रहवें वित्त आयोग के चेयरमैन एन के सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव डॉ सुभाष सी कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और मुख्य सतर्कता आयुक्त

संजय कोठारी शामिल किए गए हैं।

विधि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल समिति की बैठकों में विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लेंगे, तथा विधि मंत्रालय के विधायी मामलों के विभाग के सचिव नितेन चन्द्र समिति के सचिव होंगे।

यह समिति इस संबंध में संविधान और अन्य संबंधित अधिनियमों और नियमों में संशोधन की सिफारिश करेगी।

केन्द्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग द्वारा आज जारी प्रस्ताव के अनुसार समिति संविधान के अंतर्गत चुनाव के संबंध में वर्तमान नियमों और व्यवस्थाओं तथा अन्य संबंधित सांविधिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा, नगर पालिका और पंचायत स्तर के चुनाव एक साथ कराने की संभावनाओं की जांच करेगी और इस संबंध में संविधान तथा 1950 तथा 1951 के जनप्रतिनिधित्व अधिनियमों में विशिष्ट संशोधनों की सिफारिश करेगी।

मंत्रालय ने कहा कि विधि आयोग और संसदीय समिति की सिफारिशों के मद्देनजर यह समिति गठित की गयी है और यह देश में पंचायत से लेकर लोकसभा तक के चुनाव एक साथ कराने के संबंध में संविधान और अधिनियमों में संशोधन के अलावा संबंधित नियमों और अन्य कानूनों में भी आवश्यक संशोधन की सिफारिश करेगी।

विधि मंत्रालय ने प्रस्ताव में कहा है, ह्लउच्च स्तरीय समिति अपने काम तत्काल शुरू करेगी और यथासंभव अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। इसका मुख्यालय दिल्ली में होगा और यह अपनी बैठकों तथा अन्य कार्यों की प्रक्रिया स्वंय तय करेगी। कोविंद समिति सदन में किसी दल या गठबंधन का स्पष्ट बहुमत न होने, अविश्वास प्रस्ताव स्वीकृत होने या दल-बदल और अन्य परिस्थितियों में एकसाथ चुनाव की स्थिति के लिए संभावित समाधानों का विश्लेषण और सिफारिश करेगी।समिति यह भी सिफारिश करेगी कि यदि प्रारंभ में ही सभी चुनावों को एकसाथ नहीं कराया जा सकता है तो उन्हें किस तरह चरणबद्ध तरीके से और कितने समय में एकसाथ कराया जा सकता है।

एक साथ चुनाव समिति में खडगे को नहीं रखना लोकतंत्र का अपमान–कांग्रेस

कांग्रेस ने देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे को शामिल न करने पर सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने में लगी है। श्री वेणुगोपाल ने कहा "हमारा मानना है कि एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर उच्च स्तरीय समिति का गठन भारत के संसदीय लोकतंत्र को खत्म करने के एक व्यवस्थित प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। इसमे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अपने चौंकाने वाले एक अन्य फैसले में संसद का अपमान कर राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के स्थान पर विपक्ष के एक पूर्व नेता को समिति में नियुक्त किया है।" उन्होंने कहा "इस तरह के कदम उठाकर उन्होंने अडानी मेगा घोटाले, बेरोजगारी, महंगाई और अन्य ज्वलंत मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की यह नौटंकी की है। मामला बदत्तर हो, इसके लिए वे फिर अपने उग्र विरोधियों को बाहर करके इस समिति के संतुलन को बिगाड़ने की कोशिश करते हैं।" कांग्रेस महासचिव ने कहा "श्री खडगे जी को बाहर करने के पीछे का कारण है।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में
विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत को असहयोग का सामना करना पड़ा

कर्मठ वैज्ञानिकों ने भारत की साख मजबूत की: राष्ट्रपति

बिलासपुर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि अन्तरिक्ष और परमाणु विज्ञान आदि क्षेत्रों में भारत को कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असहयोग का सामना करना पड़ा लेकिन तमाम चुनौतियों के बावजूद हमारे कर्मठ वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों ने भारत की साख मजबूत की है। बिलासपुर के गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा, भारत ने चंद्रयान 3 अभियान को सफलता-पूर्वक सम्पन्न किया और सभी देशवासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई। उस सफलता के पीछे वर्षों के परिश्रम से अर्जित योग्यता तथा लक्ष्य के प्रति निष्ठा तो थी ही, मार्ग में आने वाली रुकावटों और असफलताओं से हतोत्साहित हुए बिना आगे बढ़ते रहने की भावना भी थी।" उन्होंने कहा, व्यक्तिगत जीवन में आगे बढ़ने का भी यही मूल मंत्र है-निरंतर परिश्रम से अर्जित दक्षता, लक्ष्य के प्रति निष्ठा तथा तात्कालिक चुनौती या असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ते रहने का जज्बा। राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि का उदाहरण देकर मैं व्यक्तिगत जीवन में उसकी सार्थकता को रेखांकित करना चाहूंगी। आज भारत अपने वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों के अथक परिश्रम तथा प्रतिभा के बल पर विश्व के परमाणु क्लब तथा अंतरिक्ष क्लब का सम्मानित सदस्य है।"

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जो भी अंतरराष्ट्रीय निर्णय लिए जाएंगे उसमें भारत की भूमिका रहेगी। अंतरिक्ष और परमाणु विज्ञान के क्षेत्रों में भारत को कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असहयोग का सामना भी करना पड़ा, लेकिन तमाम चुनौतियों के बावजूद हमारे कर्मठ वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों ने भारत की साख मजबूत की है। दीक्षांत समारोह में सत्र 2021-22 की विभिन्न परीक्षाओं के स्नातक, स्नातकोत्तर आदि में उत्तीर्ण दो हजार नौ सौ 46 छात्र, छात्राओं को उपाधि दी गई। राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों तथा उनके माता पिता को बधाई देते हुए विद्यार्थियों की सफलता में योगदान देने के लिए प्राध्यापकों तथा विश्वविद्यालय टीम के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि आज स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 76 विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या 45 है, जो लगभग 60 प्रतिशत है।

यह प्रदर्शन इस दृष्टि से और भी अधिक प्रभावशाली है कि कुल विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या लगभग 43 प्रतिशत है।" राष्ट्रपति ने कहा कि छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन के पीछे उनकी अपनी प्रतिभा और लगन के साथ-साथ उनके परिजनों तथा इस विश्वविद्यालय की टीम का योगदान है और " मैं छात्राओं की स्वर्णिम सफलता के लिए उनको बधाई देती हूं।"

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के इस परिवर्तनकारी अभियान में सब का सहयोग और अधिक होना चाहिए ताकि छात्राओं की कुल संख्या भी छात्रों के बराबर हो सके।

उन्होंने कहा, आपके विश्वविद्यालय के आस-पास के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के लोगों की काफी बड़ी संख्या है। राज्य की लगभग एक-तिहाई आबादी जनजातीय समुदायों की है। जनजातीय समुदाय की समृद्ध संस्कृतियों से प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सामुदायिक जीवन में समानता का भाव तथा महिलाओं की भागीदारी जैसे जीवन-मूल्यों को सीखा जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक विश्व में जो व्यक्ति, संस्थान और देश, विज्ञान और तकनीक को अपनाने में तथा नवाचार में आगे रहेंगे वे अधिक प्रगति करेंगे। विज्ञान और तकनीक के विकास में समुचित सुविधाओं, वातावरण और प्रोत्साहन का योगदान होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय परम्पराओं से जुड़े रहकर युवाओं द्वारा 21वीं सदी की चुनौतियों के अनुरूप विश्व-स्तरीय दक्षता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।" मुर्मू ने कहा, हमारे देश की परम्पराएं अत्यंत समृद्ध हैं और उन्हें बचाए रखने में अनेक विभूतियों के संघर्षों और प्रयासों का अमूल्य योगदान रहा है। इस विश्वविद्यालय के नाम का महत्व इसलिए और भी अधिक बढ़ जाता है कि इसी क्षेत्र में अवतरण करने वाले गुरु घासीदास जी ने 'मनखे-मनखे एक समान' अर्थात 'सभी मनुष्य एक समान हैं' का अमर और जीवंत संदेश प्रवाहित किया था।"

उन्होंने कहा कि आज से लगभग 250 वर्ष पहले उन्होंने वंचितों, पिछड़ों और महिलाओं की समानता के लिए समाज सुधार का बीड़ा उठाया था। समानता और सामाजिक समरसता के उन आदर्शों पर चलकर ही आज के युवा संवेदनशीलता के साथ सबके हित के बारे में सोच सकते हैं और श्रेष्ठतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

बाइडन ने उम्मीद जताई कि शी चिनफिंग भारत में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि चीन के उनके समकक्ष शी चिनफिंग भारत की राजधानी में हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अगले सप्ताह नयी दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में बाइडन समेत विश्व के करीब दो दर्जन नेता भाग लेने वाले हैं जिसकी मेजबानी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। हाल में मीडिया में आई खबरों के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे।

बाइडन ने बृहस्पतिवार को सम्मेलन में राष्ट्रपति शी के हिस्सा लेने को लेकर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल पर कहा, मुझे उम्मीद है कि वह जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस बीच, 'एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट' (एएसपीआई) में 'साउथ एशिया इनिशिएटिव्स' की निदेशक फरवा आमेर ने कहा कि राष्ट्रपति शी के भारत में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग न लेने को इस बात के सबूत के रूप में देखा जा सकता है कि चीन इस समय भारत को केंद्र यानी नेतृत्व का स्थान सौंपने के लिए इच्छुक नहीं है। आमेर ने कहा, अब तक का सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो कुछ लोग कह सकते हैं कि अपेक्षित था वह राष्ट्रपति शी का भारत द्वारा आयोजित आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ना लेने का फैसला है। इस कदम के बहुत से अर्थ हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले यह अनुमान लगाया जा सकता है भारत को नेतृत्व की कमान सौंपने के लिए चीन इच्छुक नहीं है, विशेषतौर पर इस क्षेत्र में और व्यापक पड़ोस में। यह फैसला प्रमुख भूमिका और प्रभाव बनाए रखने के चीन के इरादे को रेखांकित करता है जो क्षेत्र में नाजुक शक्ति संतुलन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। आमेर ने बताया कि दूसरी बात यह है कि राष्ट्रपति शी की अनुपस्थिति एक अनुस्मारक के रूप में कार्य कर रही है कि सीमा पर तनाव कम करने के लिए निरंतर और जटिल राजनयिक प्रयासों की आवश्यकता होगी। दोनों देशों के बीच वार्ता की प्रक्रिया लंबी चलेगी जो हिमालय क्षेत्र के व्यापक भू-राजनीतिक परिदृश्य और कहीं न कहीं अमेरिका के साथ चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा से जुड़ी होगी। आमेर ने कहा आगे देखते हुए, यह स्पष्ट है कि चीन-भारत संबंध जटिल क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। सीमा संबंधी मुद्दे ऐतिहासिक विवादों, राष्ट्रीय गौरव और रणनीतिक हितों के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। चूंकि दोनों देश वैश्विक मंच पर प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, इसलिए उनकी बातचीत न केवल क्षेत्रीय गतिशीलता से बल्कि चीन और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धा से भी प्रभावित होगी।" उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष के बाद से चीन-भारत संबंधों में बढ़ते तनाव और अनसुलझे सीमा मुद्दों को देखा गया है। कई दौर की राजनयिक चचाओं और कोर कमांडरों की हालिया बैठक के बावजूद, सीमा विवादों का स्पष्ट और आसान समाधान सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, हाल में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच संभावित बैठक के संकेत थे लेकिन वास्तव में बातचीत एक संक्षिप्त आदान-प्रदान तक ही सीमित रही, जो संबंधों में गहरी जटिलताओं को दशार्ती है।

तरनतारन में हेरोइन बरामद

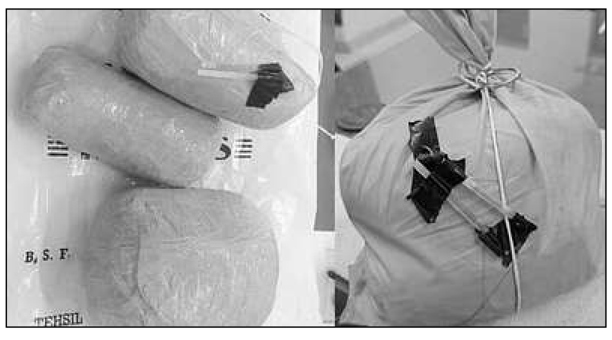

जालंधर, एजेंसी। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह तरनतारन के सीमांत गांव मेहदीपुर में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पौने तीन किलो हेरोइन बरामद की गई। बीएसएफ ने सफेद रंग के पैकेट से हेरोइन के तीन पैकेट पकड़े। इसके साथ लोहे के चार चमकीले स्ट्राइप्स भी पकड़े जिन्हें पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के जरिए अपने भारतीय तस्कर साथियों की मदद के लिए गिराया था।

बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ की टुकड़ी शुक्रवार सुबह तरनतारन के सीमांत गांव मेहदीपुर में गश्त कर रही थी। बीएसएफ यह गश्त पंजाब पुलिस की टुकड़ी के साथ मिल कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि गांव में ड्रोन के जरिए हेरोइन गिराई गई है। सुबह करीब 5.40 बजे बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने गांव में सर्च अभियान शुरू कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि सर्च के दौरान गांव के बाहरी क्षेत्र में स्थित एक खेत से एक सफेद रंग का पैकेट मिला। जिसके अंदर हेरोइन के तीन पैकेट बरामद किए गए, जिसका वजन करीब 2 किलो 752 ग्राम मिला।

बीएसएफ ने हेरोइन के सफेद रंग के पैकेट के साथ लोहे के 4 चमकीले स्ट्राइप्स भी बरामद किए, जो रात के अंधेरे में चमकते हैं और उनके पड़े होने का पता दूर से चल जाता है। अधिकारियों ने संदेह व्यक्त किया कि पाकिस्तानी के तस्करों की तरफ से ड्रोन की मदद से हेरोइन का यह पैकेट भारतीय क्षेत्र में गिराया गया है।

कांगो में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षाबलों की कार्रवाई

किंशासा (कांगो), एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में संयुक्त राष्ट्र के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 40 से ज्यादा व्यक्ति मारे गए। कांगो की सेना ने इसकी पुष्टि की है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेना ने शुरू में सात मौतों की जानकारी दी थी। कांगो सरकार ने बुधवार को पूर्वी कांगो के शहर गोमा में संयुक्त राष्ट्र विरोधी हिंसक प्रदर्शनों पर कार्रवाई की थी। इसमें 56 अन्य लोग घायल हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एक पुलिसकर्मी पर हमले का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांगो की सेना ने गोमा शहर में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और अन्य विदेशी संगठनों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन को सख्ती के साथ कुचल दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स में कांगो के अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि पुलिसकर्मी की पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद सेना ने यह कार्रवाई की। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि के वह प्रदर्शनकारियों की मौतों की जांच कर रहा है।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि प्रांतीय सेना के प्रवक्ता गुइलाउम एनडजिक ने कहा कि मरने वालों की संख्या सात है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कांगों सेना के अधिकारियों का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें दिखाई दे रहा है कि सेना दर्जनों शवों को एक ट्रॉली में घसीटते हुए भर रही है।

अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने एंग्लो-अबोर युद्ध स्मारक प्रतिमा का अनावरण किया

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने गुमनाम नायकों के ऐतिहासिक योगदान का सम्मान करने के लिए सियांग जिले के केकर मोनिंग केबांग गांव में एक स्मारक प्रतिमा का अनावरण किया। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को बताया कि प्रतिमा का अनावरण बृहस्पतिवार को किया गया। बयान में कहा गया है कि यह स्मारक केकर मोनिंग की लड़ाई की याद दिलाता है जिसने 1911-12 के एंग्लो-अबोर युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और यहीं से ब्रिटिश सेना के खिलाफ हुंकार भरी थी। उपराष्ट्रपति मीन ने राज्य के 220 से अधिक गुमनाम नायकों की कहानियों को लोगों के सामने लाने में राजीव गांधी विश्वविद्यालय (आरजीयू) के प्रोफेसरों के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एंग्लो-खामती, एंग्लो-वांचो और एंग्लो-अबो युद्धों की कहानियों पर हमारा ध्यान केंद्रित है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के गुमनाम नायकों के संरक्षण में शामिल कोर कमेटी के सदस्यों के साथ विस्तार पर चर्चा पहले से ही चल रही है।

मीन ने स्मारक के अनावरण पर आदि समुदाय को बधाई दी और आश्वस्त किया कि गुमनाम नायक समिति और अधिक कहानियां लोगों के सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अनावरण समारोह के दौरान सांसद फांगनोन कोन्याक, होरेन सिंह बे और तापिर गाओ, राज्य आरडब्ल्यूडी मंत्री होनचुन नादाम के साथ एंग्लो-अबोर युद्ध के गुमनाम नायकों और स्वतंत्रता सेनानियों के वंशज उपस्थित रहे।

सभी भारतीय हिंदू हैं और हिंदू सभी भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं: मोहन भागवत

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत एक 'हिंदू राष्ट्र' है और सभी भारतीय हिंदू हैं तथा हिंदू सभी भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने लोगों की अपेक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ को इस सबके बारे में सोचना चाहिए। आरएसएस प्रमुख यहां दैनिक तरुण भारत अखबार चलाने वाली कंपनी श्री नरकेसरी प्रकाशन लिमिटेड की नई इमारत मधुकर भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, "हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है और यह एक सच्चाई है। वैचारिक रूप से, सभी भारतीय हिंदू हैं और हिंदू का मतलब सभी भारतीय हैं। वे सभी जो आज भारत में हैं, वे हिंदू संस्कृति, हिंदू पूर्वजों और हिंदू भूमि से संबंधित हैं, इनके अलावा और कुछ नहीं।" भागवत ने कहा, "कुछ लोग इसे समझ गए हैं, जबकि कुछ अपनी आदतों और स्वार्थ के कारण समझने के बाद भी इस पर अमल नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, कुछ लोग या तो इसे अभी तक समझ नहीं पाए हैं या भूल गए हैं।" अखबार के कार्यालय में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रिपोर्टिंग में सभी को शामिल किया जाना चाहिए और अपनी विचारधारा को बरकरार रखते हुए इसे निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।

सिंगापुर में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान जारी

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री शणमुगारत्नम मैदान में

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में देश के नौवें राष्ट्रपति को चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान हो रहा है। त्रिकोणीय मुकाबले में पूर्व मंत्री भारतीय मूल के थरमन शणमुगारत्नम भी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान के पात्र मतदाता सुबह आठ बजे मतदान केंद्र के बाहर कतारबद्ध नजर आए। यहां 27 लाख से अधिक लोग मतदान के पात्र हैं। मतदान केंद्र रात्रि आठ बजे तक खुले रहेंगे। इसके बाद मतगणना आरंभ होगी और मध्यरात्रि तक नतीजे आ जाएंगे।

देश के नौवें राष्ट्रपति के लिए हो रहे मुकाबले में थरमन के अलावा दो अन्य उम्मीदवार भी हैं। इनमें पहले सिंगापुर सरकार इन्वेस्टमेंट कॉर्प (जीआईसी) के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी एन. कोक सोंग है और देश के स्वामित्व वाली बीमा समूह के एनटीयूसी इनकम के पूर्व प्रमुख टेन किन लियान हैं। मौजूदा राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह वर्ष का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

वह देश की आठवीं और पहली महिला राष्ट्रपति हैं। सिंगापुर में वर्ष 2017 का राष्ट्रपति चुनाव एक आरक्षित चुनाव था जिसमें केवल मलय समुदाय के सदस्यों को चुनाव लड़ने की अनुमति थी। उस दौरान हलीमा को राष्ट्रपति नामित किया गया था क्योंकि कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था।

सिंगापुर चुनाव विभाग (ईएलडी) ने शुक्रवार को सुबह एक बयान में कहा, मतदान रात्रि आठ बजे तक चलेगा अतः मतदाताओं को सलाह है कि मतदान केंद्र पर दिन में थोड़ा देर से आएं खासतौर पर दोपहर को आएं जब कतारें छोटी होती हैं।

एक नजर

इटली में तेज रफ़्तार ट्रेन की चपेट में आकर पांच रेलकर्मियों की मौत

रोम, एजेंसी। उत्तरी इटली के ब्रैंडिज्जो स्टेशन के बाहर एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से पांच रेल कर्मचारियों की मौत हो गई। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि देश के रेल नेटवर्क ऑपरेटर रेटे फेरोवेरिया इटालियाना (आरएफआई) ने बुधवार देर रात हुई घटना की पुष्टि की है।

आरएफआई के एक प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी को बताया कि कर्मचारी पटरियों पर नियमित रखरखाव का काम कर रहे थे, जब वे लगभग 160 किमी (100 मील) प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। स्थानीय प्रेस ने बताया कि ट्रेन में 12 डिब्बे थे, लेकिन उनमें सामान नहीं था। ट्यूरिन के अभियोजकों ने दुर्घटना की की जांच शुरू कर दी है। एक बयान में, इटली की प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने दुर्घटना पर दुख जताया।

यूक्रेन में दो सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, छह सैनिकों की मौत

कीव, एजेंसी। पूर्वी यूक्रेन में दो सैन्य हेलीकॉप्टरों के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह यूक्रेनी सैनिकों की मौत हो गई। राज्य जांच ब्यूरो (एसबीआई) ने इसकी पुष्टि की है। यह जानकारी विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़ाकू मिशन पर निकले एमआई-8 हेलीकॉप्टर 29 अगस्त को डोनेट्स्क क्षेत्र के क्रामाटोरस्क जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। इसके पहले 25 अगस्त को यूक्रेन के उत्तरी क्षेत्र जाइटॉमिर के आसमान में दो एल-39 सैन्य प्रशिक्षक जेट विमानों की टक्कर के बाद तीन पायलटों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में आतंकवादी हमले में नौ सैनिकों की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनवा में हुए हमले में नौ सैनिक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि प्रांत के बन्नू जिले के जानी खेल इलाके में गुरुवार की रात एक मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने सैन्य काफिले के पास खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। इसमें नौ सैनिक मारे गए। सुरक्षा बलों ने छिपे हुए, आतंकवादी को पकड़ने के लिए इलाके को घेर लिया है।

पाकिस्तानी सेना ने बताया कि सुरक्षा बल आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेना के मुताबिक, पिछले सप्ताह की शुरूआत में केपी प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में हुई, झड़प में छह सैनिक और चार आतंकवादी मारे गए थे।

कतर में कोरोना के नए वैरिएंट ईजी.5 का पहला मामला

दोहा, एजेंसी। कतर में कोरोना वायरस के नए संस्करण ईजी.5 का पहला मामला सामने आया है। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने संक्रमण की सही संख्या का खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि पहले मामले में मामूली लक्षण दिखाई दिए और उसे अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय ने कहा कि वह कोविड-19 के नए संस्करण की स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। मंत्रालय ने नागरिकों, विशेष रूप से गंभीर संक्रमण के उच्च जोखिम वाले लोगों, जैसे बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों से निवारक उपायों का पालन करने का आग्रह किया है। वहीं लोगों से मास्क पहनने, नियमित रूप से हाथ साफ करने और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर शारीरिक दूरी का पालन करने की सलाह दी गयी है। ईजी.5 ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.9.2 का एक उप-संस्करण है और ईजी.5 का पहला मामला फरवरी में सामने आया था। 09 अगस्त को, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे "वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट" के रूप में नामित किया था लेकिन इस बीच यह भी कहा गया कि यह संस्करण सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए कम खतरा उत्पन्न करता है।

वर्ष 2035 तक रेल से ज्यादा यात्री विमानों से करेंगे सफर : सिंधिया

ग्वालियर, एजेंसी। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज कहा कि जिस वार्षिक वृद्धि दर से भारत में नागर विमानन क्षेत्र बढ़ रहा है, कुछ सालों में भारतीय रेलवे के फर्स्ट और सेकंड एसी की तुलना में विमानों से ज्यादा यात्री सफर करेंगे। श्री सिंधिया यहां बी 20 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ऐयरोस्पेस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान श्री सिंधिया ने कहा कि आज जिस वार्षिक वृद्धि दर से भारत में नागर विमानन क्षेत्र बढ़ रहा है, वर्ष 2030-2035 तक भारतीय रेल के फर्स्ट एसी और सेकंड एसी की तुलना में विमानों से ज्यादा यात्री, सफर करेंगे। उन्होंने ग्वालियर हवाईअड्डे के संदर्भ में कहा कि ग्वालियर हवाईअड्डे के आगामी टर्मिनल भवन की आधारशिला अक्टूबर 2022 में रखी गई थी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ये टर्मिनल भवन 2023 के अंत तक, 15 महीने की अवधि में तैयार होकर भारत के इतिहास में सबसे कम समय में बनने वाले टर्मिनल भवन के रूप में स्थापित होगा।

एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार अच्छा, इससे खर्च में कमी आएगी : फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेन्द्र फडणवीस ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार की शुक्रवार को सराहना करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावनाएं तलाशने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि (लोकसभा और विधानसभाओं के) एक साथ चुनाव एक अच्छी अवधारणा है। उन्होंने कहा, "यह देश के हित में है।" महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा, सामान्य रूप से, आप देखेंगे कि पूरे 365 दिन (भारत के) किसी न किसी हिस्से में चुनाव होते रहते हैं। इससे व्यय में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से खर्च में कमी आएगी। फडणवीस ने कहा कि विभिन्न चुनावों के कारण सुधार भी प्रभावित होते हैं। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद इस बात की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे कि देश में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कैसे कराये जा सकते हैं। देश में 1967 तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव एकसाथ होते थे।

राजस्थान : डंपर और कार की भिडंत में थाना प्रभारी की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के चूरू जिले के भानीपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक डंपर और कार की भिड़ंत में थाना प्रभारी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

भानीपुरा के थाना प्रभारी गौरव खीरिया ने बताया कि साडासर गांव के पास एक डंपर और कार की भिड़ंत में सांडवा के थाना प्रभारी पुलिस उपनिरीक्षक रामभज (50) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कार थाना प्रभारी खुद चला रहे थे। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना पर उन्हें तुरंत राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वीकेंड में तीन बार होगी फुल ड्रेस रिहर्सल, नई दिल्ली से बचकर चलें

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। जी-20 की तैयारियों के बीच शनिवार और रविवार को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। शनिवार को होने वाली फुल ड्रेस रिहर्सल आगामी 9 सितंबर जैसी और रविवार को होने वाली रिहर्सल आगामी 10 सितंबर के कार्यक्रम की तरह होगी। दोनों दिन तीन-तीन बार काफिले दिल्ली की सड़कों पर रिहर्सल के लिए निकलेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वह शनिवार को नई दिल्ली से बचकर निकलें। इसके अलावा रविवार को नई दिल्ली के साथ राजघाट के आसपास भी यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, जी-20 की फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान शनिवार सुबह लगभग 8.30 बजे से विभिन्न होटलों से गाड़ियों के काफिले प्रगति मैदान स्थित सम्मेलन स्थल के लिए निकलेंगे। रिहर्सल के चलते नई दिल्ली के कई इलाके सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रभावित रहेंगे। प्रगति मैदान से शाम 4.30 बजे काफिले अपने-अपने होटलों के लिए निकलेंगे। इस दौरान शाम 4.30 बजे से 6 बजे तक नई दिल्ली सहित कुछ इलाकों में यातायात प्रभावित हो सकता है। इसके बाद शाम 7 बजे काफिले एक बार फिर होटल से प्रगति मैदान में गाला डिनर के लिए आएंगे और रात 10 बजे के बाद वापस होटलों के लिए निकलेंगे। इसकी वजह से शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक एक बार फिर यातायात प्रभावित रहने की संभावना है।

3 सितंबर को फुल ड्रेस रिहर्सल आगामी 10 सितंबर के कार्यक्रम की तरह होगी। इसमें सुबह 8 बजे विभिन्न होटलों से काफिले निकलकर राजघाट जाएंगे। वहां से काफिले 9.30 बजे प्रगति मैदान स्थित आयोजन स्थल जाएंगे। इसके चलते सुबह 8 बजे से लेकर 10.30 बजे तक नई दिल्ली के साथ मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में भी यातायात प्रभावित रहेगा। दोपहर 12.30 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक काफिले प्रगति मैदान से निकलकर होटल वापस लौटेंगे। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे काफिलों के निकलते समय नई दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में आने से बचें। इस दौरान उन्हें जाम का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को जाम से बचने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

सरदार पटेल मार्ग, पंचशील मार्ग, 11 मूर्ति चौक, कौटिल्य मार्ग, गोल मेथी, मानसिंह रोड, सीझहेक्सागन, मथुरा रोड, जाकिर हुसैन मार्ग, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, भैरो रोड-रिंग रोड, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, यशवंत प्लेस, सत्य मार्ग, शांतिपथ, विंडसर प्लेस जनपथ-कर्तव्यपथ, बाराखंभा रोड रेड लाइट, टॉलस्टॉय मार्ग, जनपथ, विवेकानंद मार्ग, मोती बाग फ्लाईओवर के नीचे, लोधी फ्लाईओवर के नीचे, प्रेस एन्क्लेव रोड-लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के नीचे, जोसेफ टीटो मार्ग, सिरी फोर्ट रोड, शेरशाह रोड, राजघाट, शांति वन चौक, सलीमगढ़ बाईपास।

उत्तर-दक्षिण आने-जाने के लिए रास्ता

रिंग रोड-आश्रम चौक-सराय काले खां-महात्मा गांधी मार्ग-आईपी फ्लाईओवर-महात्मा गांधी मार्ग-आईएसबीटी कश्मीरी गेट-रिंग रोड-मजनू का टीला

एम्स चौक से रिंग रोड- धौला कुआं-रिंग रोड-बरार स्कवॉयर- नारायणा फ्लाईओवर- राजौरी गार्डन जंक्शन- रिंग रोड- पंजाबी बाग जंक्शन- रिंग रोड-आजाद पुर चौक

पूर्व-पश्चिम आने-जाने का रास्ता

डीएनडी फ्लाईओवर-रिंग रोड-आश्रम चौक-मूलचंद अंडरपास-एम्स चौक-रिंग रोड-धौला कुआं-रिंग रोड-बरार स्कवॉयर-नारायणा फ्लाईओवर

युधिष्ठिर सेतु-बुलवर्ड रोड-रानी झांसी रोड-न्यू रोहतक रोड-पंजाबी बाग चौक-रिंग रोड

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जाने के लिए यात्री अपने निजी वाहनों के अलावा ऑटो-टैक्सी का उपयोग कर सकते हैं। सड़क यात्रा के दौरान उन्हें देरी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने की सलाह दी है।

एयरपोर्ट जाने के लिए यात्री निजी वाहनों और ऑटो-टैक्सी का इस्तेमाल कर सकते हैं। सड़क के रास्ते यात्रा के दौरान उन्हें कुछ जगहों पर अतिरिक्त समय लग सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों को इसे ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने की सलाह दी है। जाम से बचने के लिए यात्री एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो का इस्तेमाल कर सकते हैं।

तीर्थ यात्रियों की 75वीं ट्रेन जगन्नाथपुरी के लिए रवाना

राजस्व मंत्री आतिशी ने बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को टिकट और किट सौंपे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शुक्रवार को दिल्ली से 75वीं ट्रेन जगन्नाथपुरी उड़ीसा के लिए रवाना हुई। इस यात्रा में 780 बुजुर्ग तीर्थ यात्री शामिल हैं। राजस्व मंत्री आतिशी ने यात्रा से पहले त्यागराज स्टेडियम में भजन संध्या का आयोजन किया। इस दौरान बुजुर्ग यात्रियों को टिकट और किट बांटे गए। योजना के तहत अब तक 73 हजार से अधिक बुजुर्ग तीर्थ यात्रा कर चुके हैं।

इस मौके आतिशी ने कहा कि दिल्लीवासी बहुत भाग्यशाली हैं, उनके बेटे अरविंद केजरीवाल ने हर बुजुर्ग को तीर्थ यात्रा कराने की जिम्मेदारी ली है। अब तक दिल्ली से 74 ट्रेनों के माध्यम से लगभग 73 हजार बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा पर भेजा जा चुका है। बुजुर्गों से अपील है कि वे दर्शन के दौरान दिल्ली की तरक्की के लिए भी आशीर्वाद मांगें।

उड़ीसा जा रहा यह जत्था सात दिनों की यात्रा करेगा। इस दौरान तीर्थ यात्री जगन्नाथपुरी और कोणार्क के सूर्य मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का दर्शन करेंगे। सभी 780 यात्रियों के रहने, खाने और आने-जाने का खर्च सरकार वहन करेगी। इन जगहों पर तीर्थ यात्रा करा रही सरकार : रामेश्वरम्, द्वारकाधीश, सोमनाथ, नागेश्वरम्, जगन्नाथपुरी, बाबा महाकाल, शिरडी में तमकेश्वरम्, तिरुपति बालाजी, अयोध्या, माता वैष्णो देवी, पुष्कर, फतेहपुर सिकरी, अमृतसर में स्वर्ण मंदिर, करतारपुर साहिब, मथुरा-वृंदावन और हरिद्वार के दर्शन सरकार अपने खर्चे पर करवाती है।

लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट का प्रमुख सदस्य दिल्ली में गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट के प्रमुख सदस्य को दिल्ली के रोहिणी इलाके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी हत्या, हत्या के प्रयास सहित 16 जघन्य अपराधों में शामिल है। आरोपी अंजीत (37) गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और अनमोल बिश्नोई के संपर्क में था और उनके द्वारा दिए गए कई टारगेट्स के बारे में जानता था। पुलिस ने कहा कि उन्होंने उसके कब्जे से पांच गोलियों के साथ एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल भी बरामद की है।

विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) एचजीएस. धालीवाल ने कहा कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बराड़ और मोनू डागर के करीबी सहयोगी अंजीत की हेलीपोर्ट, रोहिणी के पास गतिविधि के बारे में विशेष जानकारी प्राप्त हुई थी। धालीवाल ने कहा, इनपुट पर तेजी से कार्रवाई करते हुए हेलीपोर्ट के पास जाल बिछाया गया और अंजीत को पॉइंट 32 बोर की एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ करने पर पता चला कि अंजीत 2016 में जब सोनीपत जेल में था, तब वह अनमोल बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के करीबी मोनू डागर के संपर्क में आया था। स्पेशल सीपी ने कहा, जल्द ही वे दोस्त बन गए। जेल से बाहर आने के बाद वह फेसबुक से मोनू डागर के संपर्क में रहा और मोनू के माध्यम से वह अनमोल बिश्नोई और गोल्डी बराड़ के संपर्क में आया।" इस साल जनवरी में उसे अनमोल बिश्नोई द्वारा जबरन वसूली के लिए करनाल में एक ट्रैवल एजेंट का अपहरण करने का काम सौंपा गया था, लेकिन योजना विफल हो गई, जब सह-आरोपियों को पुलिस ने पानीपत में पकड़ लिया। अधिकारी ने कहा, हालांकि वह भागने में सफल रहा। उन्होंने लॉरेंस गैंग के कई ठिकानों की टोह ली। उसे गोल्डी बरार द्वारा गुरुग्राम में एक व्यवसायी की रेकी करने का भी काम सौंपा गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने जामिया यूनिवर्सिटी से जुड़ी जमीन की बिक्री के खिलाफ याचिका पर नोटिस जारी किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया मिलिया इस्लामिया के एक पूर्व छात्र की याचिका पर नोटिस जारी किया है, जिसमें जकिया जहीर नामक तीसरे पक्ष को जमीन की बिक्री के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के फैसले को चुनौती दी गई है। इस जमीन पर विश्वविद्यालय को प्रथम दावा अधिकार प्राप्त है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने विश्वविद्यालय, केंद्र सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), जहीर और राष्ट्रपति द्वारा नामित तीन प्रोफेसरों, जो विश्वविद्यालय के विजिटर के रूप में कार्य करते हैं, से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता हरीसुल हक, जो वर्तमान में जामिया मिडिल स्कूल में शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं और जामिया स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के निवर्तमान सचिव हैं, का आरोप है कि विश्वविद्यालय उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भूमि की बिक्री के लिए एनओसी जारी करने का प्रयास कर रहा है।

उनका दावा है कि यह कार्रवाई मनमाने और अवैध तरीके से की जा रही है, जिससे कुछ तीसरे पक्षों को फायदा हो रहा है। याचिका के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ने एनओसी जारी करने पर विचार करने के लिए 4 अगस्त को एक बैठक बुलाई थी। हालाँकि, तीन नामांकित विजिटर्स ने यह कहते हुए असहमति जताई कि कार्रवाई अवैध थी।

इसके अलावा, हक का तर्क है कि जब बैठक के मसौदा मिनट प्रसारित किए गए, तो विजिटर्स ने विश्वविद्यालय के साथ संवाद किया, और प्रक्रिया में विभिन्न त्रुटियों और अवैधताओं की ओर इशारा किया।

उनकी असहमति के बावजूद विश्वविद्यालय ने यह दावा करते हुए एनओसी जारी करना जारी रखा कि इसे बैठक के मिनटों में अनुमोदित किया गया था, भले ही मिनटों पर हस्ताक्षर नहीं किए गए थे। याचिका में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि जामिया मिलिया इस्लामिया के संयुक्त अरब अमीरात एलुमनी ने जमीन की खरीद के लिए धन देने और इसे विश्वविद्यालय को वापस दान करने की पेशकश की थी। हालाँकि, विश्वविद्यालय ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और न ही विजिटर्स द्वारा उठाई गई आपत्तियों का समाधान किया है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि विश्वविद्यालय एनओसी जारी करने की दिशा में इस तरह से आगे बढ़ रहा है जो कानून के विपरीत है। याचिका में बैठक के विवरण को भी चुनौती दी गई है और संबंधित भूमि पर विश्वविद्यालय के अधिकारों के आत्मसमर्पण की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि विजिटर्स, जिन्हें तटस्थ पक्ष माना जाता है, ने जहीर को एनओसी देने का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि यह विश्वविद्यालय के हितों के खिलाफ है।

दिल्ली में 85 वर्षीया महिला के साथ रेप

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति ने 85 वर्षीय एक महिला के साथ बलात्कार किया और उस पर हमला किया। डीसीडब्ल्यू के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने उसके चेहरे पर मुक्का मारा, ब्लेड से उसके होंठ काट दिए और उसका गला घोंटने की कोशिश की। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि उन्हें दिल्ली के शकूरपुर इलाके की झुग्गी में रहने वाली 85 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार की सूचना मिली है। डीसीडब्ल्यू के एक अधिकारी ने कहा, पीड़िता ने बताया कि वह अपने पति की मृत्यु के बाद अपनी झुग्गी में अकेली रहती है। उसका आरोप है कि एक सितंबर को सुबह करीब 4 बजे एक शख्स उसकी झुग्गी में जबरन घुस आया और उसके साथ रेप किया। उसने यह भी कहा कि आरोपी ने उसके चेहरे पर मुक्का मारा, उसके होंठ ब्लेड से काट दिए और उसका गला घोंटने की कोशिश की। आयोग ने पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) को नोटिस जारी कर मामले में दर्ज एफआईआर की एक प्रति, गिरफ्तार आरोपियों का विवरण और महिला को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है। डीसीडब्ल्यू ने पुलिस से यह भी पूछा है कि क्या पुलिस क्षेत्राधिकार में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सूची बनाई गई है?

कुख्यात लुटेरे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की टीम ने एक कुख्यात लुटेरे नितिन उर्फ जुगनी को गिरफ्तार किया है। आरोपित कस्तूरबा नगर, शाहदरा, दिल्ली का रहने वाला है और थाना अशोक विहार के मामले सहित 13 मामलों में वांछित है। वह दिल्ली के विवेक विहार का हिस्ट्रीशीटर भी है। यह पहले से 70 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उप्र पुलिस भी इसे ढूंढ़ रही थी। उसके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल स्कूटी भी बरामद की गई है। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि लगभग 9 साल पहले सुबह की सैर के दौरान एक युवती से दो लड़के उसकी गोल्ड की चेन लूटकर फरार हो गए थे। इस संबंध में थाना अशोक विहार में केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान नितिन उर्फ जुगनी को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में जमानत मिलने के बाद जेल में सरेंडर नहीं करने पर पुलिस ने उसे वांछित की लिस्ट में डाल दिया। पूछताछ में नितिन ने खुलासा किया कि वह नशे का आदी है और नशे की लत को पूरा करने के लिए वह अपने साथियों के साथ मिलकर स्नैचिंग और लूट करता था।

लूटे गए गोल्ड को सुनारों के पास और मोबाइल को डीलरों को बेच देते थे। उसके दूसरे साथियों को उप्र पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

वह स्नैचिंग-लूट-चोरी आदि के 70 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। आरोपित नितिन लूट और स्नैचिंग के 13 मामलों में वांछित भी है।

आरोपित नितिन शाहदरा, दिल्ली का रहने वाला है और चौथी कक्षा तक पढ़ा है। गिरफ़्तारी से बचने के लिए वह बार बार अपने ठिकाने बदल रहा रहा था।

विधानसभा अधिकारियों को धमकाया जा रहा है : दिल्ली स्पीकर राम निवास गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को भाजपा पर विधानसभा समितियों और दिल्ली सचिवालय को पंगु बनाने के प्रयास करने के आरोप लगाए। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने आरोप लगाया कि विधानसभा के अधिकारियों को धमकाया जा रहा है। वह उन लोगों को बेनकाब करना चाहते हैं जो पर्दे के पीछे छिपकर काम कर रहे हैं। राम निवास गोयल ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष उपराज्यपाल के अधीन काम नहीं करते हैं। लेकिन, राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के सिलसिले में घाना की यात्रा से जुड़ी उनकी ही फाइल उपराज्यपाल ने रोक दी है। उन्होंने कहा कि यह वित्त विभाग की मंजूरी के लिए लंबित है और वित्त सचिव उनकी फाइलों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार के कुछ अधिकारी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि दिल्ली विधानसभा और उसकी समितियां काम न करें और पंगु हो जाएं। उन्होंने कहा कि डीएआरसी फेलोशिप कार्यक्रम को बंद करने और सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद, अब खुलेआम विधानसभा अधिकारियों को स्थानांतरण और अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी दी जा रही है।

उन्होंने कहा किआईएएस के विशेष सचिव (सतर्कता एवं सेवाएं) वाईवीवीयू राजशेखर के आदेश पर दिल्ली विधानसभा के अधिकारियों को सेवा विभाग में टेलीफोन करके बुलाया गया था। मुझे बताया गया कि राजशेखर और उप सचिव अमिताभ जोशी ने इन अधिकारियों से मुलाकात की और ओबीसी कल्याण समिति और विशेषाधिकार समिति के जरिए जांच की जा रही शिकायतों का विवरण जानना चाहा।

इसके बाद अधिकारियों को विधानसभा सचिवालय से स्थानांतरण के लिए लिखित में अनुरोध देने के लिए कहा गया।

एक नजर

पुलिस ने दो बदमाश पकड़े, छह मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलिस ने कृष्णा नगर और गांधी नगर थानाक्षेत्र से दो बदमाशों को पकड़ा है। आरोपियों से पुलिस ने छह मोबाइल बरामद किए हैं। कृष्णा नगर में पकड़े गए आरोपी ने 27 अगस्त को चोरी के दौरान विरोध होने पर एक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, कृष्णा नगर के शांति मोहल्ले में शान मोहम्मद की महिला के सूट बनाने की यूनिट से एक बदमाश मोबाइल चोरी कर भाग रहा था। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। इसी बीच पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी से पुलिस ने चोरी के पांच मोबाइल बरामद किए। पकड़ा गया आरोपी न्यू सीलमपुर का रहने वाला सलीम है। दूसरे मामले में पुलिस ने गांधीनगर थानाक्षेत्र में मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश को दबोचा है। आरोपी से मोबाइल भी बरामद हुआ है। पकड़ा गया आरोपी अरविंद नगर का रहने वाला नसीम है।

पुलिस ने दो फरार आरोपी गिरफ्तार किए

नई दिल्ली, एजेंसी। भजनपुरा में 29 अगस्त की रात अमेजन कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक हरप्रीत गिल की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो और फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, गोली लगने से घायल हुए हरप्रीत के मामा को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डीसीपी उत्तर-पूर्व जिला डॉ. जॉय टिर्की के मुताबिक, पुलिस ने बुराड़ी से हरप्रीत हत्याकांड में फरार चल रहे नूर ए इलाही निवासी आरोपी सोहेल उर्फ बावर्ची एवं मोहनपुरी निवासी जुबैर को गिरफ्तार किया है। हत्याकांड में पांचवां आरोपी अदनान उर्फ डान अभी फरार है। अदनान मुस्तफाबाद का रहने वाला है। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीम लगी हुई हैं। पुलिस दो हत्यारोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दूसरी ओर बदमाशों के हमले में घायल हुए हरप्रीत के मामा गोविंद को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। हरप्रीत के चाचा बॉबी गिल ने बताया कि गोविंद घर आ गए हैं। पकड़े गए बदमाशों की पुलिस ने गोविंद से शिनाख्त कराई है। गोविंद हादसे के बाद से ही सहमे हुए हैं। हरप्रीत के जाने के बाद पूरा परिवार बेहाल है। उनकी मांग है कि हरप्रीत के हत्यारों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

एयरोसिटी में क्लब के बाहर बाउंसरों ने युवक को पीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोसिटी स्थित एक क्लब के बाहर युवक को बाउंसरों द्वारा पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक का आरोप है कि क्लब के बाहर खड़े होने के चलते बाउंसरों ने उसकी पिटाई कर दी। पीड़ित की शिकायत पर आईजीआई एयरपोर्ट थाने की पुलिस मामला दर्ज करके आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित विशाल सहरावत ने बताया कि उसका दोस्त जतिन रात के समय एयरोसिटी स्थित एक क्लब में गया था। वह उसे लेने होटल के बाहर पहुंचा, जहां बाउसंरों ने उसके साथ बदसलूकी की और धक्का देकर भगा दिया। कुछ देर बाद जतिन ने उसे फोन कर क्लब के बाहर आने को कहा। वह अपने दोस्तों चिराग और अंकित के साथ होटल के बाहर पहुंचा। विशाल का आरोप है कि उसे देखते ही बाउंसर भड़क गया। उसने अपने साथियों को बुलाकर उसकी पिटाई कर दी। विशाल ने कॉल कर पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एमआरजी स्कूल में वार्षिक इंटरस्कूल महोत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। एमआरजी स्कूल रोहिणी ने कान्फलुएंस-2023 इंटरस्कूल फेस्ट का आयोजन किया। इस फेस्ट में 23 प्रतिष्ठित स्कूलों के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को रोल प्ले, संगीत प्रदर्शन, नृत्य प्रस्तुतियां, नुक्कड़ नाटक, संस्कृतिक प्रस्तुति, पेंटिंग और फिल्म शूटिंग सहित अन्य गतिविधियों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया।

इंटरस्कूल प्रभारी आयुषी जैन ने बताया कि हम इस वर्ष कान्फलुएंस के दौरान लोग, ग्रह और समृद्धि की थीम को अपनाने में सभी विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह और भागीदारी के लिए आभारी हैं। कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित उत्साह ने एक शानदार माहौल बनाने के साथ-साथ अन्य के लिए भी उदाहरण स्थापित किया है। एमआरजी स्कूल की प्रिंसिपल-अंशू मित्तल ने बताया कि हम कॉन्फ्लुएंस इंटरस्कूल फेस्टिवल में प्रयासों और प्रतिभाओं को देखकर रोमांचित हैं। इस कार्यक्रम ने विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान किया। अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर बेहद खुशी हो रही है। हम प्रतिभाग करने वाले सभी स्कूलों का आभार भी व्यक्त करते हैं।

गुमशुदा की तलाश

नाम= बजरंग ओझाइया
उम्र =49 वर्ष
पिता का नाम =प्रयागराज ओझाइया
गांव =कानोर
तहसील= सूरतगढ़
जिला= गंगानगर
28अगस्त 2023 को दोपहर 2 बजे के बाद सूरतगढ़ से लापता है
जिस किसी भाई को मिले नीचे लिखे मोबाइल नम्बर पर संपर्क करें-
6375282803
99824 35958
81075 01585

समाधान दिवस पर आम जनमानस के शिकायतों एवं समस्याओं को एक ही स्थान पर निदान होना सम्भव

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः गोण्डा जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त तहसीलो में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील सदर गोण्डा में मा० विधायक सदर गोण्डा, आयुक्त व डीएम ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया। तहसील सदर गोण्डा में कुल 132 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 05 प्रार्थना पत्र का मौके पर ही हुआ निस्तारण, शेष प्रार्थना पत्र को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान आयुक्त देवीपाटन मंडल ने उप जिलाधिकारी सदर गोंडा को निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाए, तथा टीम के द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थी रामउग्गर पुत्र धरखन निवासी ग्राम बिछुड़ी ने आयुक्त महोदय को अवगत कराया कि सीमांकन/किलाबंदी आदेश होने के बावजूद भी पिछले एक साल से हल्का लेखपाल सत्य प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है। लगातार उन्हें दौड़ाया जा रहा है।

जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आयुक्त महोदय ने जिलाधिकारी नेहा शर्मा को निर्देश दिये हैं कि संबंधित लेखपाल को तत्काल निलंबित किया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण के मामले में पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड, नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकताओं को मौके पर बुलाएं।

उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर माननीय विधायक सदर गोंडा प्रतीक भूषण सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी पंकज कुमार शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० रश्मि वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, उपजिलाधिकारी गोण्डा सदर विनोद कुमार सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी गोण्डा विनय कुमार सिंह, शिल्पा वर्मा, चकबंदी अधिकारी, उपनिदेशक कृषि प्रेम ठाकुर, परियोजना निदेशक डीआरडीए चंद्रशेखर, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे, जिला कृषि अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी, नलकूप विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग, बीडीओ इटियाथोक, एसएचओ रुपईडीह, मुजेहना, पण्डरीकृपाल, झंझरी, एसएचओ कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, एसओ कौड़िया, इटियाथोक, सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माध्यमिक केंद्रीय मंत्री ने उच्चीकरण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

सूरज मौरया

उत्तर प्रदेशः मिजार्पुर माध्यमिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ सीखड़ ब्लाक के ग्राम सभा सर्वेश्वर, पिपराही, धन्नोपुर, बजरडिहा, पसियाही, वीदापुर, डोमनपुर, भागीरथपुर, मझरा, रामगढ़, सड़क उच्चीकरण के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। माध्यमिक मंत्री ने कहा कि बाढ़ में चारों तरफ से सड़के डूब जाती हैं। उन्होंने कहा कि उसे इस तरीके से बनाया जाए कि बाढ़ के समय क्षेत्र यदि डूब भी जाए किंतु सड़कों को ऐसा बनाया जाए कि गांव का आवागमन प्रभावित न हो।

माध्यमिक मंत्री ने सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जो सड़के बाढ़ में डूब जाती है उन्हें इस तरीके से बनाया जाए की बाढ़ के समय में आवागमन प्रभावित न होने पाए। निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजभूषण सिंह, भाजपा महामंत्री हरि शंकर पटेल, जिला अध्यक्ष युवा मंच उदय पटेल, जिला महासचिव सुरेश पटेल, जोन अध्यक्ष सुखराज पटेल, जिला सचिव युवा मंच रविंद्र पटेल, सेक्टर अध्यक्ष रजनीश शुक्ला, सेक्टर अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल आदि लोग उपस्थित रहें।

कचहरी में अब जूनियर वकीलों और मुंशी के लिए ड्रेस कोड होगा लागू, जाने किस जिले में हुआ फैसला

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः मेरठ कचहरी परिसर में अब जूनियर वकीलों और मुंशी के लिए ड्रेस कोड लागू होगा।ऐसा कचहरी परिसर में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए किया गया है। उधर अश्लील वीडियो वायरल होने के मामले में एक महिला अधिवक्ता की सदस्यता समाप्त कर दी गयी।साथ ही बार एसोसिएशन ने फैसला किया कि बार के प्रति अभद्र टिप्पणी करने वालों को अब "कारण बताओ नोटिस " जारी किया जायेगा। शनिवार को हाईकोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति की ओर से हापुड़ लाठीचार्ज के विरोध में और हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

इसके बाद मेरठ बार एसोसिएशन और जिला बार एसोसिएशन की सयुंक्त बैठक हुई।बैठक में हापुड़ लाठीचार्ज को लेकर वकीलों ने आक्रोश जताया। अध्यक्ष कुंवर पाल शर्मा, शिव दत्त जोशी,महामंत्री विनोद चौधरी,विमल तोमर के अगुवाई में आमसभा में हापुड़ कांड में दोषी पुलिस वालों के खिलाफ कठोर करवाई किये जाने के विचार आये।साथ ही प्रत्येक चोटिल अधिवक्ता द्वारा दोषी पुलिस अधिकारीयों और कर्मचारियों के खिलाफ न्यायालयों में कम्प्लेन केस दायर कर सभी को तलब कराने के विचार आये।

अध्यक्ष व महामंत्री ने कहा कि रविवार को यूपी बार कौन्सिल द्वारा लिए गए निर्णय को पूरा करते हुए

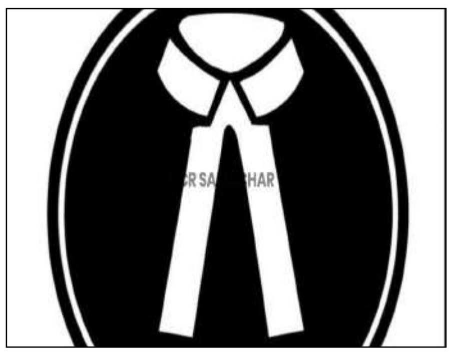

आगामी रणनीति बनाये जाने के लिए सोमवार को बैठक किये जाने का निर्णय लिया।मेरठ वार एसोसिएशन के महामंत्री विनोद कुमार चौधरी ने बैठक के फैसले को लेकर बताया कि कचहरी में जूनियर वकीलों को और मुंशी को लेकर ड्रेस कोड लागू करने का फैसला किया गया ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटनाओं से बचा जा सके।उन्होंने बताया कि इस संबंध में मेरठ वार के सभी सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वह इंट्रेनशिप में आने वालों की सूची मेरठ बार एसोसिएशन को उपलब्ध कराएं। जूनियर वकीलों को काले कोट पैंट एवं काली टाई और लिपिक अधिवक्ता (मुंशी) को स्काई नीला शर्ट अथवा स्काई नीले कुर्ते में आने को कहें।

उप्र में रक्षाबंधन पर 24.44 लाख महिलाओं ने रोडवेज बसों में की मुफ्त यात्रा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में रक्षाबंधन के पर्व पर इस बार कुल 24 लाख 44 हजार 970 महिलाओं ने योगी सरकार की फ्री यात्रा का लाभ उठाया। वहीं पिछले वर्ष 22 लाख 32 हजार 322 महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की थी। बहनों को फ्री यात्रा का लाभ देने से परिवहन निगम को इस वर्ष 18.98 करोड़ रुपये का वित्तीय व्यय आया है। प्रदेश सरकार की इस योजना की महिलाओं ने प्रशंसा की और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की बहनों को दो दिन की सुरक्षित एवं फ्री यात्रा करायी गयी। प्रदेश की इस फ्री यात्रा का लाभ उठाते हुए गरीब बहनें भी अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांध सकीं। उनको अपने भाइयों के पास तक पहुंचने के लिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी किराये की चिंता नहीं करनी पड़ी।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता का कहना है कि प्रदेश की योगी सरकार महिलाओं की सुरक्षित यात्रा के दृष्टिगत ही प्रतिवर्ष इस योजना का लाभ महिलाओं को दे रही है।

बहनें इस योजना का लाभ उठाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की डोर एवं रक्षाबंधन को अपने भाइयों की कलाई में बांधकर मुरादों को पूरा करती हैं।

उत्तर प्रदेश के आलू की विदेश में बढ़ रही मांग

वाराणसी, एजेंसी। आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। विदेश में इसकी डिमांड बढ़ गई है। अलीगढ़ का आलू पहली बार गुयाना गया है। किसान उद्यमी के साथ ही निर्यातक भी बन रहे है। अलीगढ़ का 29 मीट्रिक टन आलू किसानों के समूह एफपीओ के माध्यम से गुयाना के लिए एक्सपोर्ट हुआ है।

वाराणसी स्थित एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक डॉ सी.बी.सिंह ने बताया कि अलीगढ़ का आलू कमर्शियल तौर पर पहली बार दक्षिण अमेरिका के गुयाना गया है। 29 मीट्रिक टन आलू समुद्री मार्ग से भेजा गया है। इस खेप के लिए आलुओं की खरीद अलीगढ़ के स्थानीय एफपीओ से किया गया और अलीगढ़ स्थित कोल्ड स्टोरेज में पैक किया गया।

अलीगढ़ क्षेत्र में आलू उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए एपीडा आलू के लिए कृषि निर्यात केंद्र स्थापित करने की तैयारी में पहल कर रही है। इसके बाद अलीगढ़ और आसपास के अन्नदाताओं के साथ ही अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर खुलेंगे।

सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में किसानों के समूह एफपीओ को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रशिक्षण, क्षमता संवर्धन आदि कई कार्यक्रम समय समय पर आयोजित करती रह रही है। उत्तरप्रदेश में एपीडा के सार्थक पहल के बाद, कोमालिका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को सीधे निर्यात से जोड़ा गया है। क्षमता अवसंरचना बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों और एफपीओ को वित्तीय सहायता का प्रावधान भी किया गया है।

एपीडा देश-विशिष्ट निर्यात प्रोत्साहन कार्यक्रम के लिए रणनीति तैयार कर रहा है और नए बाजारों में निर्यात क्षमता का दोहन करने के लिए यूरोपीय संघ के देशों, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

बिजनौर में पुलिस की दबिश के दौरान छत से गिरकर एक शख्स की मौत

बिजनौर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम को पुलिस की छापेमारी के दौरान एक शख्स की छत से गिरकर मौत हो गई। पुलिसकर्मी घायल शख्स को छोड़कर मौके से भाग गए। जिसमें लापरवाही बरतने पर एक सब इंस्पेक्टर सहित चार पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी।

मृतक की पहचान शहजाद निवासी तिबड़ी गांव के रूप में हुई। बिजनौर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि, 28 अगस्त को धामपुर पुलिस स्टेशन में शबाना नाम की महिला की शिकायत पर धामपुर पुलिस ने शहजाद के खिलाफ प्राथमिक दर्ज की गई थी।

अभियोग के विवेचना के क्रम में धामपुर पुलिस की एक टीम गुरुवार शाम को करीब 6 बजे कोतवाली देहात क्षेत्र में गई, जहां शहजाद की एक मकान में होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देख आरोपी शहजाद छत के रास्ते भागने लगा। इस दौरान वह छत से गिर गया और उसकी मौत हो गई।

एसएसपी ने कहा कि मृतक के परिवार वालों शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। परिवार वालों का आरोप है। कि घटना के वक्त सलमान नाम का व्यक्ति भी मौके पर मौजूद था। जिसने शहजाद को ईंट मारी और वह छत से नीचे गिर गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई।

एसएसपी ने कहा कि इस घटना का एक वीडियोसंज्ञान में आया है। इसमें घायल शहजाद को मौके पर छोड़ के कुछ पुलिसकर्मी मौके से भागते नजर आ रहे हैं। पुलिसकर्मियों का कर्तव्य था कि घायलावस्था में शहजाद को अस्पताल ले जाते, जहां उसका इलाज हो सकता था। लेकिन उन्होंने ने ऐसा नहीं किया। इससे लापरवाही प्रदर्शित हो रही है। इसलिए सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल अंकित राणा, कांस्टेबल विजय तोमर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच एसपी ग्रामीण को दी गई है।

हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज का मामला-एसआईटी में न्यायिक अधिकारी को शामिल करने की मांग

प्रयागराज (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के राज्य विधिज्ञ परिषद ने 29 अगस्त को राज्य के हापुड़ जिले में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज की कार्रवाई की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) में उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को न्यायिक अधिकारी के तौर पर शामिल किए जाने की मांग की है। परिषद के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने कहा, "हापुड़ की घटना के बाद हमने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन देकर इस घटना की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिस कर्मियों एवं अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।" उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से हमें ज्ञात हुआ कि मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच के लिए एक एसआईटी गठित की है। लेकिन हम चाहते हैं कि इस एसआईटी में उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश को न्यायिक अधिकारी के तौर पर शामिल किया जाए और पुलिस अधिकारी के बजाय अन्य किसी को रखा जाए तभी मामले की निष्पक्ष जांच हो सकेगी। गौड़ ने कहा कि एसआईटी में शामिल पुलिस अधिकारी अपने महकमे के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ रिपोर्ट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा एसआईटी गठित करने की मांग मानने से राज्य विधिज्ञ परिषद की अगली बैठक एक सितंबर के बजाय अब तीन सितंबर को होगी जिसमें आगे की कार्रवाई पर चर्चा कर निर्णय किया जाएगा। हापुड़ जिला अदालत परिसर में मंगलवार को किसी बात को लेकर अधिवक्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद पुलिस ने अधिवक्ताओं पर कथित तौर पर लाठीचार्ज किया। इस घटना के विरोध में बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय समेत राज्य भर की जिला अदालतों के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से दूर रहे।

एक नजर

वकील को जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

बरेली, एजेंसी। शहर के एक वकील को जान से मारने तथा उसके घर को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक नगर राहुल भाटी ने शुक्रवार को बताया कि वकील जयपाल सिंह की हत्या करने तथा उनके घर को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में आरोपी गब्बर समेत चार लोगों के खिलाफ बरेली शहर के सीबीगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि जयपाल सिंह कई मुकदमों में गब्बर के खिलाफ पैरवी कर रहे हैं जिसकी वजह से वह जयपाल सिंह से चिढ़ता है। सीबीगंज के ठिरिया ठाकुरान निवासी जयपाल सिंह भाजपा सांसद धर्मेंद्र कश्यप के रिश्तेदार हैं।

भाटी ने बताया कि गब्बर उर्फ शिवकुमार क्षेत्र में रंगदारी वसूलता है। 15 अगस्त को जयपाल के छोटे भाई अजयपाल सिंह जब गांव के स्कूल में ध्वजारोहण कर रहे थे तब गब्बर और उसके साथियों ने उन पर हमला कर दिया था। इस घटना को लेकर गब्बर और उसके साथियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

जयपाल का आरोप है कि कुछ दिन पहले गब्बर और उसके साथियों ने उनकी कार पर गोलीबारी की थी और अब उनकी हत्या करने तथा उनके घर को बम से उड़ाने की धमकी दी। उनकी शिकायत पर सीबीगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

आईपीएस हरकेश्व हरिकिशोर राय ने सोनपुर हरिहरनाथ मंदिर में दर्शन किया

सोनपुर, एजेंसी। बाबा हरिहर नाथ मंदिर में वरिष्ठ आईपीएस हरिकिशोर राय अपने परिवार के साथ मंदिर मे मन्त्रोंउच्चारण के साथ पूजा अर्चना किया और बाबा हरिहरनाथ के चरणों मे कमल का फूल चढ़ा कर राज्य और देश मे खुशहाली की कामना की उसके बाद इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह द्वारा मंदिर परिषद मे अंग वस्त्र से स्वागत किया गया और उन्हें बधाई दिया तथा उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दिया। इस अवसर पर छपरा के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी के सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा की आईपीएस हरिकिशोर राय जी इससे पहले हमलोगो के जिला मे एसपी रह चुके है उनका कार्य काफी सराहनीय रहा है और इन्ही की तरह वर्तमान एएपीगौरव मंगला जी भी सराहनीय कार्य कर रहे है और उनका भी कार्य शैली काफी अच्छा है इस अवसर पर मंदिर सचिव विजय लाला, पुजारी सुशीलचंद्र शास्त्री, बमबम बाबा, पप्लू सिंह, मिथलेश सिंह, बबलू सिंह,भूटकून बाबा, मोनू सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे इस अवसर पर मंदिर कमिटी द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया।

इटावा सफारी में रेस्क्यू करके लाए गए तेंदुआ की मौत

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क में बिजनौर से रेस्क्यू कर लाये गये एक तेंदुये की बीती रात मौत हो गयी हालांकि सफारी प्रशासन ने यह जानकारी शुक्रवार शाम साझा की है।

सफारी पार्क की निदेशक दीक्षा भंडारी ने बताया कि तेंदुए को बिजनौर की नगीना रेंज के दयालपुर से 26/27 जुलाई को रेस्क्यू कर लाया गया था। उसकी गुरुवार देर रात मौत हो गयी है। इटावा सफारी में ले जाने के बाद सफारी प्रबंधन ने तेंदुए के पूरी तरह से स्वस्थ होने की जानकारी भी साझा की थी । तेंदुए की मौत की वजह जानने के लिए तेंदुए के शव के लिए आईवीआरआई बरेली भेजा गया है। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को बिजनौर से रेस्क्यू करके लाए गए तेंदुआ की गुरुवार की रात को मौत हो गई। सफारी प्रशासन का कहना है कि इस तेंदुआ को फिट्स दौरे आने लगे, जयपुर व कानपुर से आए डाक्टरों ने इसका इलाज किया लेकिन उसे बचाया नही जा सका।

फर्जी प्रमाणपत्र के मामले में आजम, अब्दुल्ला और तंजीम फातिमा को राहत

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में समाजवादी पार्टी(सपा) नेता आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान और आजम की पत्नी तंजीम फातिमा के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही रामपुर अदालत में चलेगी लेकिन वर्तमान याचिका के निर्णय तक निचली अदालत अंतिम आदेश नहीं सुनाएगी। न्यायमूर्ति राज बीर सिंह ने आजम खान, उनके बेटे और आजम की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए यह आदेश पारित किया।इन तीनों की ओर से अदालत से अनुरोध किया गया था कि रामपुर अदालत में फर्जी जन्मतिथि प्रमाण पत्र मामले में मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाई जाए और उन्हें कुछ और पेश करने की अनुमति दी जाए। मामले में आजम खान, उनके बेटे अब्दुल्ला और आजम की पत्नी तंजीम फातिमा के खिलाफ रामपुर जिला अदालत में मुकदमे की कार्यवाही चल रही है।

आरोप है कि अब्दुल्ला को रामपुर में विधानसभा चुनाव लड़ने के योग्य बनाने के लिए उन्होंने फर्जी जन्मतिथि हासिल की। आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 482 हाईकोर्ट की अंतर्निहित शक्तियों के तहत हाईकोर्ट में दायर वर्तमान याचिका में तीनों ने अदालत से अनुरोध किया था कि उन्हें ट्रायल कोर्ट के समक्ष साक्ष्य के रूप में एक पेन ड्राइव और वीडियो क्लिप पेश करने की अनुमति दी जाए। याचिका का विरोध करते हुए राज्य के वकीलों ने तर्क दिया कि यह आवेदकों की ओर से मुकदमे की कार्यवाही को विलंबित करने का एक प्रयास मात्र है।

बुलंदशहर:दुष्कर्म के दोषी को 10 साल सश्रम कैद और जुमार्ना

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने एक लड़की के साथ दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोपी युवक का दोषसिद्ध होने पर शुक्रवार को 10 वर्ष की सश्रम कैद और 62000 जुमार्ने की सजा सुनाई । सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ध्रुव वर्मा ने यह जानकारी देती हुए बताया कि 30 जुलाई 2020 को खानपुर थाना क्षेत्र में एक लड़की के साथ बंटी नाम के एक युवक ने दुष्कर्म किया और उसकी वीडियो बना ली जिसे बाद में वायरल कर दिया गया। इस मामले में तहरीर के आधार पर खानपुर थाने में आईपीसी की धारा 328 376 506 और आईटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज हुई पुलिस ने अभियुक्त बंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लड़की का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया । वायरल करने का दोषी करार दिया ,जिसके बाद सजा सुनायी गयी।

फिरोजाबाद: फरिहा से अपहृत बालिका पश्चिम बंगाल से बरामद

फिरोजाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के फरिहा पुलिस तथा सर्विलांस टीम ने नौ साल की अपहर्त बालिका को पश्चिम बंगाल से बरामद कर शुक्रवार को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। फरिहा के गांव तपस्या निवासी 9 वर्षीय बालिका 14 अगस्त को लापता हो गई थी। सीसीटीवी कैमरे में देखा गया तो फुटेज में श्याम बाबू उसे साइकिल पर हाथवन्त की तरफ ले जाता दिखाई दिया। बालिका के पिता ने 15 अगस्त को श्याम बाबू उर्फ सिंबोला के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

वह तपस्या का रहने वाला है।मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस श्याम बाबू की तलाश में जुट गई। उसको पकड़ने के लिए छः टीमें गठित की गई। वह अपना मोबाइल फोन घर पर छोड़ गया था। पुलिस ने अन्य फोन से उसकी लोकेशन ट्रेस की। उसकी लोकेशन आसनसोल पश्चिम बंगाल में ट्रेस हुई। पुलिस की टीम आसनसोल के लिए रवाना हुई। वहां पता चला श्याम बाबू बालिका को अपने भतीजे के यहां छोड़कर फरार हो गया।पुलिस ने बालिका को सकुशल बरामद कर लिया। उसे फरिहा लाकर शुक्रवार को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मुख्यमंत्री ने हवाई सेवा सुदृढ़ करने के लिए अधोसंरचना विकास पर बल दिया

युधिष्ठिर राणा

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार देर सायं यहां एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य में प्रति वर्ष पांच करोड़ पर्यटकों के आवागमन के लक्ष्य की पूर्ति के लिए हवाई सेवा की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। राज्य में हवाई सेवा को सुदृढ़ करने के लिए चरणबद्ध तरीके से सभी जिला मुख्यालयों और जनजातीय क्षेत्रों में 16 हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में जिला हमीरपुर के जसकोट, जिला कांगड़ा के रक्कड़ और पालमपुर, जिला चंबा के सुल्तानपुर, जिला कुल्लू के मनाली, जिला लाहौल-स्पीति के जिस्पा, सिस्सू और रंगरीक तथा जिला किन्नौर के शारबो में नौ हेलीपोर्ट विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर, रक्कड़, पालमपुर और जसकोट में हेलीपोर्ट निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्राप्त हो गई है, जबकि अन्य हेलीपोर्ट के लिए प्रक्रिया चल रही है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि दूसरे चरण में शेष 7 हेलीपोर्ट स्थापित किए जाएंगे। यह हेलीपोर्ट जिला चंबा के पांगी और होली, जिला बिलासपुर के औहर, जिला सिरमौर के धारकियारी, जिला शिमला के चांशल पास, जिला ऊना के जनकौर हार और जिला के जिला सोलन के गनालग में निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रक्कड़ हेलीपोर्ट की स्थापना के लिए एफसीए स्वीकृति प्राप्त हो गई है और जसकोट, मनाली, जिस्पा, सिस्सू, रंगरिक, पांगी और होली सहित 6 हेलीपोर्ट के एफसीए मामले पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई सेवा राज्य के पर्यटन क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी। बेहतर हवाई सेवा की सुविधा से पर्यटक कम समय में गंतव्यों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। पर्यटन स्थलों में आसान पहुंच से देश-विदेश के अधिक पर्यटक इन स्थानों में घूमने आएंगे जिससे स्थानीय पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख अंग है। यह क्षेत्र स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और पर्यटकों के लिए सुविधाओं में सुधार पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कांगड़ा को प्रदेश की पर्यटन राजधानी बनाने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत आगामी समय में कई नई परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी और राज्य सरकार पर्यटकों की यात्राओं को अधिक मनोरंजक, सुलभ एवं अविस्मरणीय बनाने के लिए क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए 3000 करोड़ रुपये व्यय करेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार भी किया जा रहा है।

बैठक के दौरान एक प्रस्तुतिकरण भी दिया गया।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान निजी सचिव विवेक भाटिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

नौवीं के छात्र ने अपने ही दोस्त की छुरा घोंपकर की हत्या

कुछ दिनों से चल रही थी अनबन

राजेश कुमार

श्रीनगर में नौवीं कक्षा के छात्र ने 10वीं के विद्यार्थी की छुरा घोंपकर हत्या की दी। दोनों अच्छे दोस्त थे और पड़ोस में ही रहते थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों में किसी बात को लेकर अनबन चल रहा थी। पुलिस ने आरोपित छात्र को हिरासत में ले लिया है। आरोपित के खिलाफ एफआईआर नम्बर 36-2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नौवीं के छात्र ने अपने ही दोस्त की छुरा घोंपकर की हत्या, कुछ दिनों से चल रही थी अनबन श्रीनगर में नौवीं कक्षा के छात्र ने 10वीं के विद्यार्थी की छुरा घोंपकर हत्या की दी। दोनों अच्छे दोस्त थे और पड़ोस में ही रहते थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों में किसी बात को लेकर अनबन चल रहा थी। पुलिस ने आरोपित छात्र को हिरासत में ले लिया है। आरोपित के खिलाफ एफआईआर नम्बर 36-2023 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नौवीं के छात्र ने अपने ही दोस्त की छुरा घोंपकर की हत्या (प्रतिकात्मक तस्वीर) श्रीनगर, श्रीनगर के चिनारबाग डलगेट इलाके में एक 14 वर्षीय किशोर ने अपने दोस्त की छुरा घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 15 वर्षीय बुरहान निसार पुत्र निसार अहमद निवासी कोहनाखन, डलगेट के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार घटना शाम 4:30 बजे उस समय घटी जब इलाके में स्थित चिनारबाग नामक एक स्थानीय पार्क में उक्त दोनों दोस्तों के बीच किसी बात पर झगड़ा हो गया। झगड़े में 14 वर्षीय किशोर ने बुरहान के पेट में छुरा घोंप दिया।

आसपास मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, पुलिस ने आरोपित किशोर को हिरासत में लिया और उसके कब्जे से छुरा बरामद किया। छुरा पार्क में छिपाया था पुलिस के अनुसार, आरोपित ने यह छुरा वारदात अंजाम देने के बाद पार्क में ही छिपाया था। पुलिस ने बताया कि अब उससे पूछताछ जारी है। बताया जाता है कि दोनों पड़ोसी थे और दोनों में काफी दोस्ती थी। मृतक दसवीं जबकि आरोपी 9 वें कक्षा में पढ़ता था।

दोनों अक्सर हर जगह इकट्ठे देखे जाते थे और एक ही स्कूल में पढ़ते थे। कुछ दिनों से चल रही थी अनबन मृतक के परिजनों के अनुसार, दोनों की बीते कुछ दिनों से अनबन चल रही थी। शुक्रवार शाम उसको आरोपित ने फोन पर धमकी भी दी थी। परिजनों ने बताया कि शनिवार शाम चार बजे उसे किसी ने फोन कर चिनारबाग बुलाया था।

कठुआ जिले में 1250 किलोग्राम लाहन को किया नष्ट

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीरः कठुआ जिले में अवैध देसी शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। वीरवार को विभाग की टीम ने जिले में तीन अलग-अलग गांवों में दबिश दी। इस दौरान विभाग की टीम ने देसी शराब बनाने के लिए छिपाकर रखी गई। 1250 किलोग्राम लाहन को बरामद किया और मौके पर ही नष्ट कर दिया गया है।

आबकारी आयुक्त पंकज कुमार शर्मा के निर्देशानुसार गठित टीम का नेतृत्व कर रहे एक्साइज इंस्पेक्टर रजी अहमद और अमित कुमार शर्मा की टीम ने डडोली, मीरपुर जग्गो और मुट्ठी जगीर क्षेत्र में कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने इस दौरान दर्जनों इलाकों के निर्जन स्थानों पर छानबीन करते हुए अलग-अलग स्थानों पर अवैध शराब का निर्माण करने के उद्देश्य से छिपाकर रखी गई 1250 किलोग्राम लाहन को बरामद किया। लाहन को टीम ने मौके पर ही नष्ट कर दिया।

मौसम पूर्वानुमान को सटीक बनाने के लिए उन्नत की जाएगी मेघदूत ऐपः हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री

युधिष्ठिर राणा

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने मौसम पूर्वानुमान एवं किसानों को खेतीबाड़ी के दृष्टिगत दिए जाने वाले परामर्श को और अधिक सटीक बनाने के उद्देश्य से मेघदूत ऐप्लीकेशन को उन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह महत्त्वपूर्ण निर्णय तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण लिया गया है क्योंकि यह कृषि और बागवानी क्षेत्रों के लिए खतरा बन कर उभर रहा है।

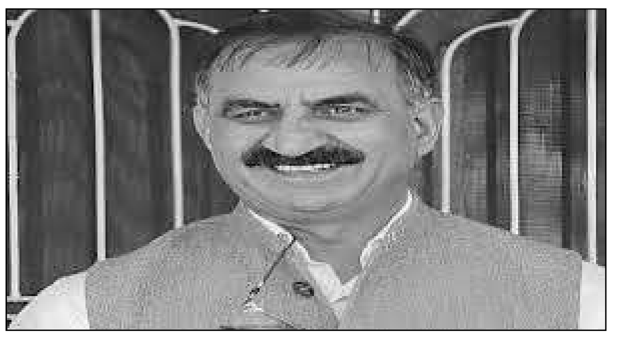

मुख्यमंत्री ने कहा इस वर्ष भारी बारिश के कारण हिमाचल में भारी क्षति और जान-माल को काफी नुकसान हुआ है, साथ ही कृषि और बागवानी क्षेत्रों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण प्रदेश भर में जगह-जगह पर खेत व बागीचे बह गए और करोड़ों रुपये की फसलें बर्बाद हो गईं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मेघदूत ऐप्लिकेशन मौसम की जानकारी और पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान प्रदान करता है, जिसमें ब्लाक स्तर तक बारिश, तापमान, आर्द्रता, हवा की गति और दिशा संबंधी डेटा शामिल है। ये कारक कृषि कार्यों, जैसे कि बुआई एवं कटाई से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण, विज्ञान प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन विभाग को प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों और बागवानों को ऐप से जोड़ने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि ऐप द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने के लिए रूपरेखा भी तैयार की गई है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मेघदूत ऐप में किए जाने वाले प्रमुख सुधारों में किसानों को प्रतिकूल मौसम के प्रति सचेत करने और ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, एप्लिकेशन फसलों की बुआई एवं कटाई आदि प्रक्रियाओं से संबंधित कृषि विशेषज्ञ जानकारी प्रदान करेगी।

इसके इस्तेमाल से किसान आसन्न चुनौतियों के प्रति उचित कदम उठाने में सशक्त होंगे। इसके अलावा, प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभ प्राप्त कर रहे राज्य के किसानों को मेघदूत ऐप्लिकेशन के साथ एकीकृत कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही की आपदाओं ने राज्य सरकार को कृषि क्षेत्र में चल रही मौजूदा नीतियों के पुनर्मूल्यांकन एवं पुनर्गठन के प्रति प्रेरित किया है। इसके अलावा प्रदेश सरकार भविष्य की चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने के लिए निर्माण गतिविधि नियमों में संभावित संशोधन पर भी गम्भीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषकों और बागवानों के लिए जलवायु संबंधी अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है जिससे उनकी आजीविका में आशातीत सुधार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य की लगभग 90 प्रतिशत आबादी कृषि संबंधी गतिविधियों से जुड़ी है और मेघदूत ऐप को उन्नत कर इसके इस्तेमाल को सुलभ बनाना किसानों के लिए वरदान साबित होगा।

एक नजर

आपदा राहत कोष के लिए अंशदान

युधिष्ठिर राणा, हिमाचल प्रदेशः गोल्डन लैंडलेस लूजर एंड हाउसलेस ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी चंडी, सोलन ने आज शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को आपदा राहत कोष के लिए 2 लाख 51 हजार रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी भी उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक ने आज शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को आपदा राहत कोष के लिए 27 लाख रुपये का चेक भेंट किया।

राजस्थानः किसान MSP अधिकार यात्रा 1 सितबंर को बारां शहर पहुंची

हरिकेश मीणा, राजस्थानः किसान MSP अधिकार यात्रा दिनांक 1 सितबंर को बारां शहर पहुंची जहाँ, किसान महापंचायत पदाधिकारियों ने जिला ध्यक्ष केष्टनरघुवीरसिंह, श्री गजेन्द्र सिंह गुलखेडी, जितेन्द्र नागर ,कातिचंदशर्मा, अमिताभ सिंह, ललित नागर समेत अन्य पदाधिकारियों ने किसान महापंचायत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामपाल जाट व सभी यात्रियों का भव्य स्वागत व सम्मान किया तथा बारां शहर में प्रदेश संयोजक सत्यनारायण सिंह की अगुवाई में प्रताप चौक पर पैदल रैली निकाल कर जोरदार नारेबाजी करके प्रदर्शन किया गया।

चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने किया महाकालेश्वर भगवान के दर्शन

सनोज सिंह चौहान, मध्य प्रदेशः उज्जैन चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान महाकालेश्वर मंदिर पहुच कर महाकालेश्वर भगवान का पूजन-अभिषेक किया। पूजन मंदिर समिति सदस्य महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी राम शर्मा ने संपन्न करवाया।

महाकालेश्वर मंदिर प्रबन्ध समिति की ओर से प्रशासक एवं अपर कलेक्टर संदीप सोनी ने चौहान का महाकालेश्वर भगवान का चित्र, उत्तरीय वस्त्र व प्रसाद भेट कर सम्मान किया गया।

सांसद के हस्तक्षेप से सड़क से हटकर लगाए जा रहे बिजली पोल

दीपक कौशल, उत्तर प्रदेशः दुर्जनपुर घाट विद्युत पोल से टकराने से युवक की हुई दर्दनाक मौत के बाद सांसद बृजभूषण सिंह के हस्तक्षेप पर विद्युत विभाग ने दुर्जनपुर बजार में सड़क से सटे विद्युत पोलो को उखाड़ कर दूरी पर लगाना शुरू कर दिया है। तरबगंज नवाबगंज हाईवे मार्ग पर दुर्जनपुर घाट स्थित बालेश्वर गंज जाने वाले मार्ग के तिराहे पर बीते दिनों फैजाबाद की तरफ से आ रहे हैं ग्राम सभा गौहानी के शिवनंदन पुरवा निवासी 26 वर्षीय रवि नंदन पुत्र नरेंद्र मिश्रा की सड़क से सटे बिजली पोल की टक्कर से मौत हो गई थी। बाजार वासियों ने बताया कि सड़क से सटे विद्युत पोल से दर्जनों लोग घायल हो चुके हैं। सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से सड़क से सटे विद्युत पोलों को दूर किए जाने व जर्जर लाइनों को ठीक कराए जाने के निर्देश दिए थे।

जन्माष्टमी पर गौशालाओं में होंगे पूजन के कार्यक्रम

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः लखनऊ के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वह अपने क्षेत्र में गौशालाओं में आयोजित होने वाले गौपूजन कार्यक्रम में शामिल होकर भारतीय संस्कृति का मान बढ़ाएं। साथ ही स्थानीय लोगों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर गाय को गुड़ केला खिलाकर गौपूजन किया जाएगा।

आम जनमानस तक गौ सेवा का संदेश पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की गौशालाओं और गो आश्रय स्थलों में इस बार भी जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का उद्देश्य इसके जरिये प्रदेश के लोगों में गौ सेवा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जगाना है।

उन्होंनें प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, महापौरों, नगर पालिका अध्यक्षों, जिला पंचायत अध्यक्षों से अपील की है कि गो-माता वैदिककाल से सनातन संस्कृति में पूज्यनीय रही हैं। वेदों में गाय को 'गावो विश्वस्य मातर' कहा गया है। गोमाता में 33 कोटि देवताओं का वास बताया गया है। जन्माष्टमी के पर्व पर गोशालाओं में पूरी श्रद्धा के साथ उनका पूजन किया जाएगा। पशुधन मंत्री विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कान्हा गोशाला एवं गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई एवं पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये।

शराब के नशे में दबंग युवक ने अधेड़ व्यक्ति को लाठी से जमकर मारा

भूपेन्द्र सिंह

उत्तर प्रदेशः शराब के नशे में दबंग युवक ने अधेड़ व्यक्ति को लाठी से जमकर मारा। मारपीट से बांए कंधे की पसलियों में गम्भीर चोटे आई है। 6 दिन बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नही की, इसके साथ ही घायल पीड़ित व्यक्ति का मेडिकल जाँच भी नहीं करवाया। कार्यवाही न होने से घायल पीड़ित व्यक्ति बार बार कोतवाली का चक्कर लगता रहा। पीड़ित व्यक्ति ने कोतवाली राठ में तहरीर देकर लगाई थी न्याय की गुहार, पीड़ित व्यक्ति ने दरोगा पर 5 हजार रुपए मांगने का लगाया आरोप। मामला राठ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औड़ेरा का है ।

विधायक केवल सिंह पठानिया, विनोद सुल्तानपुरी एवं अजय

युधिष्ठिर राणा

हिमाचल प्रदेशः विधायक केवल सिंह पठानिया, विनोद सुल्तानपुरी एवं अजय सोलंकी ने आज यहां जारी एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश इस वर्ष की भारी बरसात से उत्पन्न आपदा से एकजुट होकर उबर रहा है। प्रभावित परिवारों की मदद से लेकर आधारभूत संरचना की बहाली के लिए प्रदेश सरकार युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के समर्पित प्रयासों की प्रदेश व राज्य के बाहर समय-समय पर सराहना हुई है।

केवल सिंह पठानिया, विनोद सुल्तानपुरी एवं अजय सोलंकी ने कहा कि जनहित से जुड़े निर्णयों एवं सेवा भाव के लिए मुख्यमंत्री राष्ट्र स्तर पर खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। इसकी एक बानगी एक निजी चैनल पर प्रसारित ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम में हाल ही में देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि 'कौन बनेगा करोड़पति' के मंच पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन द्वारा ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने से संबंधित प्रश्न एक प्रतिभागी से पूछा गया। इस मंच पर मुख्यमंत्री के नाम की चर्चा उनकी लोकप्रियता को दर्शाती है।

तीनों विधायकों ने कहा कि जुलाई माह के आरम्भ में हुई मूसलाधार बारिश से बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण फंसे 75000 लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियान में मुख्यमंत्री ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त आपदा प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर उपस्थित रहते हुए उन्होंने पीड़ित परिवारों को संबल प्रदान करने के साथ ही राहत एवं पुनर्वास कार्यों में जुटे स्थानीय प्रशासन का उत्साहवर्द्धन भी किया। अगस्त माह की भीषण त्रासदी के उपरांत मुख्यमंत्री प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों का स्वयं जायजा लिया।

विधायकगणों ने कहा कि बहाली कार्यों में प्रदेश सरकार की तत्परता, प्रतिबद्धता एवं मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के संवेदनशील नेतृत्व की राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना की गई है। विश्व बैंक एवं नीति आयोग जैसी संस्थाओं ने हिमाचल को इस त्रासदी से उबारने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों एवं मुख्यमंत्री के आगे बढ़कर नेतृत्व करने की मुक्त कंठ से सराहना की है।

तीनों विधायकों ने कहा कि ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन की भावना से कार्य कर रही है। अगले चार वर्षों में प्रदेश को आर्थिक संकट से उबारने और एक दशक में देश के समृद्ध राज्यों में शुमार करने के मुख्यमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार और प्रत्येक हिमाचलवासी अपना योगदान देने के लिए कृतसंकल्प है। इस आपदा की घड़ी में भी मुख्यमंत्री की अपील पर समस्त प्रदेशवासी व देश के विभिन्न क्षेत्रों से आपदा प्रभावितों की मदद के लिए उदारतापूर्वक सहयोग प्राप्त हो रहा है।

दिल्ली के शुभम बादल ने 16 वर्ष की आयु में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हासिल की जीत

नमिता चौहान

भारत में ना तो खेल की कमी है और ना ही खेलने वालों की। एक से बढ़कर एक धुरंधर हमारे आसपास ही रहते हैं, जो भारत का नाम रोशन करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। दिल्ली के शुभम बादल की भी कुछ ऐसी ही कहानी है।

दिल्ली में रहने वाले शुभम बादल ने महज 16 वर्ष की आयु में कई पदक अपने नाम कर लिए हैं। दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले शुभम बादल ने 16 वर्ष की आयु में न केवल राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने दूसरा स्थान लाकर भारत को एक सिल्वर मेडल दिया है। शुभम बादल का कहना है कि, उनके पास अभी तक दो गोल्ड मेडल है। चार सिल्वर मेडल और ब्राउंस मेडल है। उन्होंने इंडो नेपाल चैंपियनशिप में भी भारत का नाम रोशन किया था और दूसरे स्थान पर आकर सिल्वर मेडल जीता था।

शुभम बादल ने बताया, खेल में उनकी रुचि शुरू से ही थी, लेकिन खेलना उन्होंने पिछले 1 साल से शुरू किया है। इससे पहले करीब 5 सालों से वह लगातार खेल में खुद को बेहतर साबित करने के लिए अभ्यास कर रहे हैं।

25 से 27 अगस्त 2023 को दिल्ली में नेशनल लेवल पर एक प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें शुभम बादल ने 10 किलोमीटर की दौड़ 40 मिनट में खत्म कर स्वर्ण पदक जीता।

उनकी इस खेल यात्रा में उनके पिता विजेंद्र बादल का बहुत समर्थन रहा है। शुभम बादल का कहना है कि, दिल्ली के ज्ञानगंज पब्लिक स्कूल और वहां के टीचर्स ने उन्हें बहुत सपोर्ट किया है।

शुभम बादल ने बताया कि, वह केवल दौड़ में ही नहीं बल्कि बॉडीबिल्डिंग कबड्डी जैसे अन्य खेलों में भी काफी माहिर है। जूडो और वॉलीबॉल में उन्होंने पदक भी जीते हैं, उनकी रुचि हर खेल में है।

शुभम यादव के पिता का कहना है कि, उन्हें बहुत खुशी होती है। जब उनका बच्चा पदक जीत कर घर आता है और उनके आसपास के लोग उनके बेटे का स्वागत करते हैं उनको सम्मान देते हैं।

शुभम बादल ने बताया कि, भारत में उन्होंने खुद को इस कदर झोंक दिया है कि, उनकी पढ़ाई पर भी इसका असर हो रहा है, लेकिन उन्हें इस बात की चिंता नहीं है, क्योंकि वह भारत का नाम रोशन करना चाहते हैं और उन्हें ऐसा लगता है कि, केवल खेल से ही वह ऐसा कर सकते हैं। अगर उन्हें मौका मिला तो वह खेल में अपनी रुचि को आगे बढ़ाएंगे और अगर ऐसा नहीं हो पाया तो वह फौज में शामिल होकर देश की रक्षा करना चाहेंगे।

राजस्थान के कोटा कोचिंग सेंटर में परीक्षा के बाद दो विद्यार्थियों ने की आत्महत्या

राजस्थान के कोटा कोचिंग सेंटर में दो विद्यार्थियों ने बीते रविवार को आत्महत्या कर ली। ये दोनों ही यहां रहकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे थे। कोटा में बीते 1 महीने में पांच विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है, जबकि इस पूरे साल में अब तक 23 विद्यार्थियों ने मौत को गले लगा लिया है।

बीते रविवार को पहले आत्महत्या महाराष्ट्र के एक 16 वर्ष से लड़के ने की पुलिस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया है कि, लड़के ने रविवार दोपहर को विज्ञान नगर इलाके में अपनी कोचिंग में टेस्ट दिया और उसके बाद कोचिंग संस्थान में ही अपनी जिंदगी को खत्म कर लिया।

इस घटना के करीब 6 घंटे बाद बिहार के एक 18 साल के विद्यार्थी ने कोटा के कुंडी क्षेत्र में आत्महत्या कर ली। पुलिस स्टेशन के शो गंगा सहाय शर्मा का कहना है कि, लड़का अपनी बहन और भाई के साथ कुंडी में एक किराए के अपार्टमेंट में रह रहा था। अचानक लड़के ने अंदर से कमरा बंद कर लिया। बार-बार आवाज लगाने पर भी जब उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो दरवाजा तोड़ा गया। इसके बाद लड़का मृत पाया गया।

इस घटना के बाद राजस्थान प्रशासन ने कोचिंग सेंटर्स को आदेश दिए हैं कि, वह अगले 2 महीने तक अपने संस्थान में कोई टेस्ट ना करवाए। रविवार देर रात कोटा के जिलाधिकारी ओमप्रकाश बुनकर ने बताया कि, उन्होंने एक आदेश जारी किया है। इसमें कोचिंग सेंटर अगले 2 महीने तक कोई भी परीक्षा नहीं लेगा। उनके मुताबिक, मृतक लड़कों को के साथ उनके परिवार के लोग रहते थे और दोनों के व्यवहार में कोई बदलाव दिखाई नहीं दिया। ऐसे मामले में प्रशासन ने आत्महत्या रोकना एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

गोण्डा में रोजाना लगने वाले जाम में आम जनता बेहाल

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः गोण्डा शहर के सर्कुलर रोड से होकर आफिस या घर से बाहर जाना है तो दोपहर से पहले ही निकल लें या फिर तीन बजे के बाद रोड पर आएं। वरना भीषण जाम का सामना करना पड़ सकता है। ये चेतावनी सिर्फ एक दिन के लिए नहीं बल्कि स्कूल की छुट्टी के समय रोज के लिए ही है। शनिवार को हालात कुछ यूं थे कि शहर का सर्कुलर रोड पर भीषण जाम लग गया। मनकापुर बस अड्डे से लेकर बडगांव चौराहे तक भीषण जाम की स्थिति रही। सड़क पर यातायात व्यवस्था ध्वस्त थी। भीड़ और वाहनों के दबाव से इस रूट पर पड़ने वाले सड़क और चौराहे जाम हो जाते हैं। हार्न के शोर के बीच रेंगते वाहनों में फंसे लोगों की सांस फूल जाती है। इस दौरान स्कूल से छुट्टी के बाद बाहर निकले बच्चे बेहाल हो जाते हैं। रोजाना की इस परेशानी से मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मी भी नहीं निपट पाते।

जन्माष्टमी पर भगवान को खीरा नहीं चढ़ाया तो पूजा रहेगी अधूरी

गर्भवती को अवश्य खिलाएं प्रसाद का खीरा

श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार इस साल 6 सितंबर को मनाया जाएगा। श्री कृष्ण जन्माष्टमी भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यता यह है कि, इस दिन भगवान विष्णु ने धरती पर जन्म लिया था। श्री कृष्ण भगवान विष्णु का आठवां अवतार है। हर साल श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान श्री कृष्ण का जन्म रात्रि में हुआ था इसलिए कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा रात में की जाती है। इस दिन सिंगर भोग के साथ बहुत सारे पकवान बनाए जाते हैं, जिसे पूजा में शामिल किया जाता है। इतना ही नहीं कृष्ण जन्माष्टमी पूजा में खीरे का उपयोग जरूरी होता है। कहा जाता है कि, खीरे के बिना भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव अधूरा माना जाता है।

जन्माष्टमी पर भगवान को चढ़ाएं खीरा

कृष्ण जन्माष्टमी में पूजा में लोग खीरा जरूर चढ़ाते हैं। इस दिन ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि मान्यता है कि, खीरे से श्री कृष्णा प्रसन्न होते और भक्तों के सारे दुख दर्द हर लेते हैं।

जन्माष्टमी की पूजा में खीरे के उपयोग के पीछे की कई मान्यता है। जब बच्चा पैदा होता है, तब उसकी मां से अलग करने के लिए नाल को काटा जाता है। ठीक उसी प्रकार जन्माष्टमी के दिन खीरे को उसके डंठल से काटकर अलग किया जाता है, जोकि भगवान श्री कृष्ण को मां देवकी से अलग करने का प्रतीक है। ऐसा करने के बाद ही विधि विधान से पूजा की जाती है।

जन्माष्टमी के अवसर पर खीरे को काटने की प्रक्रिया को नाल छेदन कहा जाता है। इस दिन पूजा के दौरान खीरे को भगवान श्री कृष्ण के पास रखना चाहिए। रात में जैसे 12:00 बजे यानि भगवान श्री कृष्ण का जन्म हो उसके बाद तुरंत एक सिक्के की मदद से खीरे और उसकी डंठल को बीच से काट देना चाहिए। पूजा के बाद खीरा प्रसाद के रूप में बांटना चाहिए। वहीं कुछ जगहों पर सी विवादित महिला या गर्भवती महिला को खिलाया जाता है। मान्यता है कि, नवविवाहित और गर्भवती को प्रसाद का यह खीरा खिलाने से भगवान श्री कृष्ण की तरह पुत्र की प्राप्ति होती है।

एक नजर

कोर्ट ने आतंकवादी सहयोगी को ठहराया दोषी

राजेश कुमार

श्रीनगरः कोर्ट ने एक आतंकवादी मददगार को दोषी ठहराया है। साथ ही एक लाख रुपये जुमार्ना किया गया। उसकी पहचान शालगाम बिजबिहाड़ा निवासी शाहिद फैयाज तर्रे के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 23 जुलाई 2019 को पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा को एक सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के कुछ आतंकवादी सहयोगी आतंकवादियों की मदद कर रहे हैं।

युवाओं को आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए गुमराह कर रहे हैं। जांच के दौरान, कुछ संदिग्ध कट्टर आतंकवादी सहयोगियों का पता लगाया गया और उनसे पूछताछ की गई। इसके बाद 6 अगस्त 2020 को दरिगुंड श्रीगुफवारा में एक नाका लगाया गया। इस दौरान शालगाम बिजबिहाड़ा निवासी शाहिद फैयाज तर्रे को हिरासत में लिया गया था।

निर्माण कार्यों पर 16 सितम्बर तक रोक के संबंध में आदेश

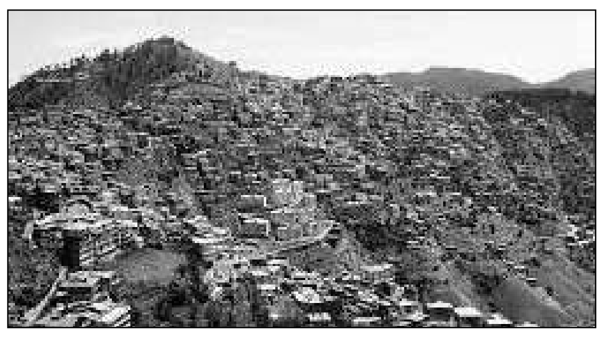

युधिष्ठिर राणा

हिमाचल प्रदेशः मुख्य सचिव एवं राज्य कार्यकारी समिति के अध्यक्ष प्रबोध सक्सेना ने आज यहां राज्य आपदा प्रबन्धन अधिनियम-2005 की धारा 24 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य में निर्माण गतिविधियों के संबंध में आदेश जारी किए हैं।

इन आदशों के अनुसार आपदा प्रभावित इमारतों और सड़कों के पुनर्निर्माण कार्यों को छोड़कर किसी भी प्रकार के निजी विकास और निर्माण गतिविधि के लिए पहाड़ियों के कटान पर पूरे राज्य में 16 सितंबर 2023 तक प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अतिरिक्त शिमला, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, सोलन और चंबा जिलों में वाणिज्यिक, पर्यटन इकाइयों के निर्माण के संबंध में 16 सितम्बर, 2023 तक नई योजना अनुमति एवं भवन अनुमति पर प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय प्रदेश में भारी बरसात के कारण आई प्राकृतिक आपदा के दृष्टिगत मानवीय जीवन, आधारभूत संरचना, पारिस्थितिकी की सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया है। यह आदेश जारी होने की तिथि से तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और इनकी अवहेलना पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

7502 बिजली उपभोक्ता बिल का 1925 करोड़ दबाए बैठे

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः लखनऊ में करीब एक लाख करोड़ के घाटे में चल रही बिजली कंपनियों के लिए 7502 उपभोक्ता सिरदर्द बने हुए हैं। इन उपभोक्ताओं में से प्रत्येक उपभोक्ता 10 लाख और उससे अधिक बिजली बिल का बकायेदार है। इन्होंने बिजली बिल का 1924.79 करोड़ रुपये दबा रखा है। इनके पास फंसे बकाये को निकालने की जिम्मेदारी अब खुद चेयरमैन और बिजली कंपनियों के एमडी ने अपने कंधे पर ली है।

प्रबंधन के ये शीर्ष अफसर ऐसे उपभोक्ताओं से बात करेंगे। पावर कारपोरेशन द्वारा सितंबर में बिजली बिल के बकायेदारों से वसूली के लिए 'फोन घुमाओ अभियान' शुक्रवार से शुरू किया। अभियान को शुरू करने से पूर्व कारपोरेशन ने सभी डिस्कामों से बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कराई है, जिसमें 10-50 हजार, 50 हजार से एक लाख, एक लाख से 10 लाख और दस लाख से अधिक के बकायेदार उपभोक्ताओं का ब्यौरा है। पावर कारपोरेशन के एमडी पंकज कुमार ने बकायेदार उपभोक्ताओं की डिस्कामवार संख्या के साथ सभी एमडी को पत्र भेजा है। जिसमें बताया गया है कि 30 दिन तक इन बकायेदार उपभोक्ताओं से बिजली का बिल जमा कराने के लिए फोन किया जाना है। पावर कारपोरेशन के चेयरमैन, एमडी, डिस्कामों के एमडी 10 लाख रुपये से अधिक के 10 बकायेदारों को प्रतिदिन फोन करेंगे। निदेशक स्तर के अधिकारी ऐसे 15 उपभोक्ताओं से प्रतिदिन बात करेंगे।

विवाह की तैयारी में है तो रहें सजग, फर्जी शादी के गिरोह का भंडाफोड़, ऐसे करते थे ठगी

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीरः बारामुला पुलिस ने बताया कि जिले कुन्जर इलाके में अंतर जिला फर्जी विवाह रैकेट का पदार्फाश किया गया है। आरोपी बिचौलिए के तौर पर व्यक्तियों को अपने जाल फंसा रहे थे। तेजी से बदल रही दुनिया में ठग भी अलग-अलग पैंतरों का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाने की कोशिश में जुटे रहते हैं। उत्तरी कश्मीर के बारामुला में शादी कराने वाले फर्जी रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। ये ठग अलग-अलग जिलों में शादी करने वाले युवकों के परिवार को निशाना बना रहे थे। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपी राजोरी के रहने वाले हैं तो बडगाम के। पुलिस ने

बताया कि बारामुला का कुन्जर इलाके में अंतर जिला फर्जी विवाह रैकेट का पदार्फाश किया गया है।

आरोपी बिचौलिए के तौर पर व्यक्तियों को अपने जाल फंसा रहे थे। वह शादी करने वाले युवकों व उनके परिजनों को व्हाट्सएप के माध्यम से विभिन्न युवतियों की तस्वीरें भेजते थे। वे बताते थे कि युवतियां शादी के लिए इच्छुक हैं। लड़के वालों की तरफ से शादी के प्रस्ताव पर सहमत होने पर आरोपी मेहर के पैसे तय करने और भुगतान करने के लिए उन्हें राजी कर लेते थे। आरोपी एकबार वित्तीय लेनदेन पूरा होने जाने पर फरार हो जाते थे।

पुलिस ने बताया कि धोखेबाजों के इस समूह ने जवान लड़कियों की सावधानीपूर्वक चुनी गई तस्वीरों के माध्यम से लक्षित पीड़ितों परिवारों को अपना निशाना बनाया। वह मेहर के तौर पर करीब 7,38,000 रुपये की रकम ऐंठने में कामयाब रहे। आरोपियों की पहचान लाल हुसैन, पुत्र मीर मोहम्मद, इरशादा बेगम, बेटी गुलजार अहमद गोगर के तौर पर हुई है। ये दोनों आरोपी जम्मू संभाग के जिला राजोरी के रहने वाले हैं। वहीं आरोपी रहमान राथर, पुत्र जीएच कादिर और खालिक डार, पुत्र अब रहीम डार मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में पुलिस की आगामी जांच जारी है।

दिल्ली आने जाने वाली 207 ट्रेने आस्थाई रूप से रद्द, जानें वजह

दीपक कौशल

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन का असर केवल सड़क यातायात पर ही नहीं रेलवे पर भी पड़ेगा। रेलवे की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, जी-20 शिखर सम्मेलन के चलते रेलवे यातायात भी प्रभावित रहेगा। सम्मेलन के चलते कुछ रेलगाड़ियों को अस्थाई और आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ रेल गाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन या उनके टर्मिनल में बदलाव किया गया है। जी20 शिखर सम्मेलन के चलते लिया गया फैसला रेलवे का कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले शिखर सम्मेलन को देखते हुए उक्त फैसला लिया गया है। ट्रेनों के संचालन में 9 और 10 सितंबर को रहेगा। कुल 207 रेल गाड़ियों को अस्थाई रूप से रद्द कर दिया गया है। इसमें ताज एक्सप्रेस, सिरसा एक्सप्रेस,न्यू दिल्ली जालंधर सिटी एक्सप्रेस, इंटरसिटी एक्सप्रेस,अमृतसर नई दिल्ली एक्सप्रेस, दिल्ली -पठानकोट एक्सप्रेस, समेत कई ट्रेन शामिल हैं।जबकि 15 ट्रेनों के टर्मिनल में बदलाव किया गया है। 6 ट्रेनों के बदले रूट

इसमें संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस,गोमती एक्सप्रेस,आगरा कैंट इंटरसिटी एक्सप्रेस, समेत कई ट्रेन शामिल हैं। 70 ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव बढ़ाया गया है। 6 ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है।

सिर्फ शिलान्यास ही नहीं, उद्घाटन भी करती है डबल इंजन की सरकार

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफ विकास और राष्ट्रवाद का अलख जाग रहा है तो दूसरी तरफ ऐसे लोग भी हैं जिन्हें गरीबों कमजोरों की तरक्की अच्छी नहीं लग रही है।उन लोगों को नौजवानों को मिल रहा रोजगार, किसानों की खुशहाली अच्छी नहीं लग रही। दंगा बाज और दगाबाज लोग पीएम मोदी की राह रोकने के लिए बैरियर लग रहे हैं। जनता को जागरुक होकर हर बैरियर हटाना है।

सीएम योगी शनिवार को महंथ दिग्विजय नाथ की स्मृति पार्क में 629 करोड रुपए की लागत वाली 195 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा की डबल इंजन की सरकार सिर्फ शिलान्यास ही नहीं करती लोकार्पण और उद्घाटन भी करती है।उन्होंने कहा

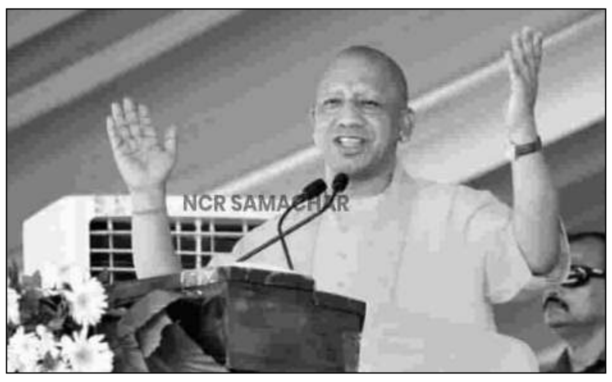

कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का सम्मान बड़ा है।योगी ने कहा कि देश की आबादी के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के लोगों के सामने 2017 से पूर्व पहचान का संकट था।

यह गंभीर संकट भाईवाद, भतीजावाद,परिवारवाद, जातिवाद, माफियावाद, भ्रष्टाचारवाद की राजनीति के चलते था। यूपी की जनता ने अब उन लोगों के सामने ही पहचान का संकट खड़ा कर दिया है। जिन्होंने यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था। आर.ओ.से भी शुद्ध पानी उपलब्ध करा रही सरकार मुख्यमंत्री ने हर घर नल से जल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक योजना ही नहीं है। हर घर नल से जल योजना में सरकार आर.ओ.से भी ज्यादा शुद्ध पानी उपलब्ध करा रही है। अब एक तरफ एन्सेफेलाइटिस का उन्मूलन अंतिम चरण में है तो वही हर घर नल सेजल का कार्यक्रम लगातार तेजी से बढ़ रहा है।

किसान जागरूकता एवं किसान गोष्ठी का आयोजन, नहीं लगा एक भी स्टाल

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः बेलसर में कृषि विभाग द्वारा आयोजित किसान जागरूकता एवं किसान गोष्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा विधायक तरबगंज प्रतिनिधि विनोद कुमार पांडेय, विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख बेलसर राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह रहे।

मेले में कोई भी स्टाल नहीं लगाया गया था। जिसपर अतिथियों ने नाराजगी जताई। मुख्य अतिथि विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि, भाजपा सरकार किसानों की आय में वृद्धि करके किसानों को खुशहाल देखना चाहती है।किसानों से कहा जब आप पशुपालक बनेंगे तभी अच्छे किसान बन पायेंगे। रसायनिक खाद, एवं कीटनाशक धरती को बंजर बना रही है। इससे किसानों को पशु पर आधारित जैविक खेती करनी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा किसान मेले एवम गोष्ठी का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किए जाए। मेला लगाने से पूर्व किसानों को शत प्रतिशत सूचना भेजी जाए तभी किसानों को फायदा मिल पाएगा। मेले में खाली पड़े पंडाल को देखकर नाराजगी जताते हुए कृषि विभाग के अधिकारी से कहा, अब इस तरह से दोबारा कार्यक्रम का आयोजन न किया जाए। उन्होंने कहा खाली पड़ा पंडाल यह दशार्ता है कि मेले की तैयारी ठीक से नही की गई है। इस दौरान अनुपम शुक्ल, जिला पंचायत सदस्य रविंद्र पांडेय सहित अन्य लोग रहे।

एक नजर

मिर्जापुर में थाना विंध्याचल के बाहर चौकीदार ने खुद को लगाई आग

सूरज मौर्या, उत्तर प्रदेश: मिर्जापुर में थाना विंध्याचल के अंतर्गत गैपुरा चौकी के बाहर चौकीदार सुरेश कुमार ने अपने आप को आग लगाई सुरेश कुमार ने पड़ोसी महिला को आय दिन विवाद और परेशान करता रहता था। पुलिस चौकी पर महिला ने एप्लीकेशन दिया था। चौकी प्रभारी दोनों पार्टी को बुलाकर समझौता करा कर भेज दिए थे उसके बाद चौकी बाहर जाकर सुरेश कुमार ने अपने आप को चौकी के बाहर आग लगाकर चौकी में घुस आया सुरेश कुमार को गैपुरा पुलिस चौकी के पूरे स्टाफ किसी तरह बचाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने बारामूला में एक संदिग्ध महिला को किया गिरफ्तार

श्रीनगर: पुलिस स्टेशन कुन्जर को कुन्जर के वासिफ हसन नाम के एक व्यक्ति से एक शिकायत मिली, जिसमें कहा गया था कि एक बस यात्रा के दौरान एक महिला ने उससे संपर्क किया, जिसने खुद को आशिया बताया, जो वर्तमान में सब-इंस्पेक्टर होने का दावा कर रही थी। पुलिस स्टेशन कुंजर में तैनात। उसने शिकायतकर्ता हसन को आश्वासन दिया कि उसके पास जम्मू-कश्मीर पुलिस में एक कांस्टेबल के रूप में उसके लिए एक पद सुरक्षित करने का अधिकार है। नौकरी के अवसर के वादे के लालच में, हसन ने उसे 10,000/- रुपये दिए प्रतिरूपण करने वाला पुलिस अधिकारी", जीएनएस को जारी एक बयान में कहा गया है।

"प्रतिरूपण अधिकारी (आशिया) ने 01/09/23 को श्री हसन से दोबारा संपर्क किया और उनके नियुक्ति आदेश की डिलीवरी में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की। उसने वादा किया कि यह प्रक्रिया 2 से 3 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। धोखे का संदेह करते हुए, हसन ने तुरंत पुलिस स्टेशन कुन्जर को मामले की सूचना दी। तदनुसार, एक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई", बयान में कहा गया है। "जांच के दौरान, पुलिस ने आशिया (नकली नाम) नामक आरोपी व्यक्ति को सफलतापूर्वक पकड़ लिया, जिसकी असली पहचान टप्पी खग निवासी मोहम्मद यूसुफ शेख की बेटी बिस्मा यूसुफ शेख के रूप में सामने आई है। जांच टीम ने उसकी गिरफ्तारी के अलावा, उसके पास से एक पुलिस की वर्दी और 10,000/- रुपये भी बरामद हुए जो धोखाधड़ी से हसन से प्राप्त किए गए थे", बयान में कहा गया है।

बयान में कहा गया है, "समुदाय के सदस्यों से अनुरोध है कि वे ऐसे धोखेबाज लोगों के हाथों में न फंसें और ऐसी जानकारी पुलिस के साथ साझा न करें। असामाजिक तत्वों के खिलाफ हमारी लगातार कार्रवाई समुदाय के सदस्यों को आश्वस्त करेगी कि पुलिस ने ऐसे शत्रु तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया है।"

राजेश खुल्लर को मुख्य प्रधान सचिव बनने पर रेखा शाक्य ने दी बधाई

हरियाणा: गत दिवस समाजसेविका रेखा शाक्य ने मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर आईएएस राजेश खुल्लर को मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी। रेखा शाक्य ने बताया कि, राजेश खुल्लर बहुत ही अनुभवी है और मुख्य प्रधान सचिव बनने से सरकार में विकास की गति तेज होगी। उन्होंने कहा कि खुल्लर मुख्यमंत्री से लेकर समस्त मंत्रिमंडल के विश्वासपात्र है तथा बहुत ही मिलनसार हैं। उन्होंने कहा कि, खुल्लर के मुख्य प्रधान सचिव बनने से शासन-प्रशासन व समस्त हरियाणा वासियों में खुशी हैं।

सप्ताह में तीन दिन करीमगंज और गुवाहाटी के बीच दौड़ेगी ट्रेन, विभिन्न इलाकों में खुशी की लहर

सचिन्द्र शर्मा

असम: रेल मंत्रालय ने दुल्लभछड़ा और गुवाहाटी के बीच सप्ताह में तीन दिन सीधी ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा, सिलचर के सांसद डॉ. राजदीप रॉय, राताबाड़ी के विधायक विजय मालाकार से बातचीत की है। 'ग्रेटर दुल्लभछड़ा प्रगतिशील नागरिक मंच' या जीडीपीसीएफ। रेलवे के महाप्रबंधक और लामडिंग रेलवे डिवीजन के डीआरएम ने इस संबंध में ईमेल और ट्वीट के माध्यम से एक ज्ञापन भेजा। जो पिछले दिनों बराक वैली के अखबार में प्रकाशित हुआ था। सिलचर सांसद डॉ. राजदीप रॉय ने इस संबंध में जीडीपीसीएफ की मांगों के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखित रूप में एक नोट सौंपा।

उन्होंने सिलचर में अपने आवास पर बैठकों के लिए जीडीपीसीएफ को भी बुलाया। करीमगंज जिले के दो विधायकों अर्थात राताबाड़ी विधायक विजय मालाकार और पाथारकांडी विधायक कृष्णेंदु पाल, सिलचर के सांसद डॉ. राजदीप रॉय ने भी मालिगाओं में एनएफ रेलवे के प्रधान कार्यालय में जीएम अंशुल गुप्ता के साथ बैठक की।

एनएफ रेलवे ने रेल मंत्रालय नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजा। आखिरकार रेल मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 12 कोच वाली ट्रेन 15617 प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 10.15 बजे गुवाहाटी से रवाना होगी और 8.45 बजे दुल्लभछड़ा पहुंचेगी। 12 डिब्बों वाली ट्रेन 15618 दुल्लभछड़ा से सुबह 9 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी।

हालांकि अभी तारीख तय नहीं है लेकिन उम्मीद है कि ट्रेन जल्द ही लॉन्च हो जाएगी क्योंकि यह दुर्गा पूजा का तोहफा होने की उम्मीद है। जीडीपीसीएफ के अध्यक्ष अंशुमान पाल, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज रॉय शर्मा और हेमचंद्र चाटार्जी, उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा और नीलतपल देब, संपादक सत्यजीत सिंह और कोषाध्यक्ष देबब्रत विश्वास, सदस्य अमित सिन्हा और अमित दास ने इस संबंध में सभी संबंधितों को हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी संबंधित लोगों से अनुरोध किया है कि ट्रेन का उद्घाटन गुवाहाटी और दुल्लभछड़ा दोनों स्थानों पर किया जाना चाहिए।

इसके अलावा उन्होंने ट्रेन के दरवाजे-खिड़कियां बंद करने के लिए कुली और नालियां साफ करने के लिए सफाईकर्मी उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन पर एसी की भी मांग की है ताकि भविष्य में ट्रेनों में एसी रूम जोड़े जा सकें। जीडीपीसीएफ के अध्यक्ष और अंशुमान पाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस खबर की जानकारी दी।

सरहद में शहीद हुआ शुजालपुर का लाल, सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बृजकुमार राठोर

मध्य प्रदेश: शुजालपुर पहुंचा अमर शहीद दीपक चौधरी का पार्थिव शरीर जहा भारतीय किसान संघ तहसील ईकाई सुजालपुर के द्वारा जेठडा जोड़ चौराहे पर अगवानी कर अमर शहीद को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी डीजे पर देश भक्ति गीत राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र भक्ति के नारों के साथ शुजालपुर नगर में अंतिम यात्रा निकाली गई। हजारों की संख्या मे क्षेत्र के राष्ट्र भक्तों ने यात्रा में भाग लिया सेना के जवानों द्वारा राष्ट्रीय सम्मान के साथ सलामी देकर अंतिम संस्कार किया।

नूंह में विश्व हिंदू परिषद द्वारा बुलाई गई ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा पर प्रसाशन ने लगाई रोक

मंदिर दर्शन के लिए आधार कार्ड जरुरी

हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद द्वारा बुलाई गई ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा नहीं होगी। पुलिस ने सोमवार को कहा यात्रा सुबह 11 बजे नल्हड़ मंदिर से शुरू होनी थी। पुलिस आधार कार्ड पर पते की जांच कर रही है, और केवल स्थानीय लोगों को ही मंदिर के अंदर जाने की अनुमति दे रही है। सोमवार सुबह मंदिर आए पुजारियों को बाहर निकाल दिया गया है।

नूंह में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है, प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि जिले के आसपास की सीमाओं को सील कर दिया गया है और क्षेत्र में स्थानीय लोगों के अलावा किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिले में 3-7 सितंबर तक होने वाली जी20 शेरपा समूह की बैठक को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने पहले यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। रविवार को, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि एहतियाती कदम के रूप में यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया है और उन्होंने भक्तों से राज्य के अन्य स्थानों पर जाने के बजाय स्थानीय मंदिरों में पूजा करने की अपील की है।

कलेक्टर अजय श्रीवास्तव पहुंचे दिव्यांग कृष्ण कुमार के घर, दिव्यांग के सहयोग के लिए बढ़ाया हाथ

प्रमोद कुमार बंसल

मध्य प्रदेश: मऊगंज जिला कलेक्टर अजय श्रीवास्तव दिव्यांग कृष्ण कुमार केवट के घर ग्राम पंचायत भाठी सेंगर के हर्रई मुड़हान बस्ती पहुंचे। मऊगंज कलेक्टर ने दिव्यांग कृष्ण कुमार केवट और उसके परिवार जनों से मुलाकात की। विदित हो कि दिव्यांग कृष्ण कुमार केवट के दोनों हाथ जन्म से ही नहीं है, लेकिन कृष्ण कुमार अपने पैरों से लिखकर पढ़ाई की। पैरों से वह खाना खाता है और पैरो से ही पानी पीता है।

इसकी जानकारी जब कलेक्टर अजय श्रीवास्तव को मिली तो आज उसके घर ग्राम पंचायत भाठी सेंगर के हर्रई मुड़हान बस्ती पहुंच गए, जहां उन्होंने अपनी आंखों से देखा की एक दिव्यांग जिसके दोनों हाथ नहीं है और वह इतना मेधावी है। उन्हें बड़ा आश्चर्य लगा। कृष्ण कुमार बारहवी में 82 परसेंट मार्क प्राप्त किया था। तब से वह सुर्खियों में आया, लेकिन शासन प्रशासन की उपेक्षा के बावजूद वह अपनी पढ़ाई निरंतर करता रहा। इस वर्ष वह स्नातक की परीक्षा पास किया है और पीजीडीसीए का भी कोर्स उसने किया है।

दिव्यांग कृष्ण कुमार ने कहा कि, वह आईएएस बनना चाहता है, लेकिन उसके पास पढ़ने के साधन नहीं है। कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने उसे अस्वस्थ किया कि, उसे अपने कार्यालय में कंप्यूटर का कार्य देंगे और घर में पढ़ने के लिए किताबों की भी व्यवस्था आदि करेंगे। कलेक्टर मऊगंज ने दिव्यांग कृष्ण कुमार को मोबाइल देने का भी वादा किया।

भारत सरकार द्वारा राजस्थान से एकमात्र सरपंच लोंगवाला सुनील क्रान्ति का हैदराबाद में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हेतु चयन

संदीप कुचारिया

राजस्थान: केंद्रीय पंचायतीराज विभाग भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज संस्थान (NIRDPR) द्वारा हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हेतु हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत लोंगवाला के सरपंच सुनील क्रान्ति का चयन किया गया हैं। भारत सरकार द्वारा कार्यशाला में चयनित सदस्यो हेतु निकटस्थ एयरपोर्ट से हवाई यात्रा और समस्त भत्ते और आवासीय व्यवस्था भी की जायेगी। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय कार्यशाला में ग्रामीण भारत को बदलने हेतु पंचायतो का रोडमैप तैयार किया जायेगा। इसके साथ ही पंचायत चुनाव मुद्दे ,ग्राम सभा, स्थायी समितियां, उनका सशक्तिकरण, पंचायतों का कामकाज, पंचायत वित, राजस्व का अपना स्त्रोत और पंचायतों में लैंगिक मुद्दों पर भी चर्चा होगी

-इस परामर्श कार्यशाला की सिफारिशों को एसओईपीआर के 9 नए केंद्रों द्वारा आगे बढ़ाया जाएगा और क्षमता निर्माण सलाहकारों और राज्य गुणवत्ता मॉनिटरों का कैडर राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों, एसआईआरडी के साथ मिलकर देश में पंचायतो के विकास हेतु कार्य करेंगे।

कानपुर देहात के नये डीएम बने आलोक सिंह

नूर आलम

उत्तर प्रदेश: कानपुर देहात के नये डीएम बने आलोक सिंह, उत्तर प्रदेश में कई अफसरों का तबादला किया गया। लखनऊ से चली तबादला एक्सप्रेस में कानपुर देहात डीएम आईएएस नेहा जैन का भी तबादला हो गया है। उनकी जगह पर 2013 बैच के आईएएस अधिकारी आलोक सिंह को कानपुर देहात के डीएम बनाया गया है। आईएएस आलोक सिंह इससे पहले ललितपुर के डीएम थे। जानिए कौन है आईएएस आलोक सिंह

बिहार से ताल्लुक रखने वाले 2013 बैच के कई अधिकारी आलोक सिंह का जन्म 1969 में हुआ था। कड़ी मेहनत और लगन के चलते आईएएस आलोक सिंह का प्रमोशन 31 मई 2019 को किया गया। प्रमोशन के बाद 2018 को पहली पोस्टिंग आईएएस आलोक सिंह को हापुड़ में दी गई। जहां पर उन्होंने वीसी, डेवलपमेंट अथॉरिटी का कार्यभार संभाला। लगभग 1 साल तक हापुड़ में रहे। जून 2019 को आईएएस आलोक सिंह का तबादला लखनऊ कर दिया गया। लखनऊ में उन्हें अतिरिक्त निदेशक, सूडा का कार्यभार दिया गया था। लखनऊ में लगभग 2 साल रहने के बाद आईएएस आलोक सिंह का तबादला अक्टूबर 2021 को ललितपुर किया गया। जहां पर उन्होंने डीएम पद का कार्यभार संभाला।

ललितपुर में भी लगभग 2 साल रहने के बाद आईएएस आलोक सिंह का तबादला शुक्रवार देर रात एक बार फिर कर दिया गया है।

राजस्थानः कोटपूतली में हुआ झगड़ा, झगड़े में चला चाकू

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थान: टेलीफोन ट्रॉमा सेंटर कोटपूतली से जानकारी मिली कि दो व्यक्ति लड़ाई झगड़ा कर चाकू से वार कर बीडीएम अस्पताल में भर्ती हुए है। मन हेड कांस्टेबल बाबूलाल 495 व भवानी सिंह कांस्टेबल 791 ट्रॉमा सेंटर बीडियम हॉस्पिटल कोटपूतली पहुंचे।

जहां पर उन्हें बताया गया कि सुखराम पुत्र पतराम जाति गुर्जर निवासी दलपतपुर थाना पाटन जिला सीकर राजस्थान ने बताया कि मैं टैक्सी गाड़ी ला रखी है। मैंने अपने रोजगार के लिए ला रखी है। कालू उस गाड़ी को काफी बार कहीं बाहर लेकर चले जाता है। आज कालू ने मेरे से गाड़ी मांगी तो मैंने मना कर दिया इस बात के लिए कालू मेरे से लड़ाई झगड़ा करने लग गया।

फिर मैं मेरे भाई संजय को बुला लिया उसके बाद कालू ने मेरे भाई संजय पुत्र पतराम जाति गुर्जर उम्र 24 साल निवासी दलपतपुरा थाना पाटन जिला सीकर राजस्थान के दाहिने पैर की जाघ व दाहिने हाथ की उंगली के पास चाकू से वार किया व मेरे भाई संजय ने भी कालू पुत्र बहादुरमल जाति गुर्जर उम्र 35 साल निवासी कल्याणपुरा कला थाना सारुंड जिला कोटपूतली बहरोड के बाएं पैर की जाघ व छाती पर चाकू से वार किया, जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को बीडीएम अस्पताल लाया गया वहीं कालू की गंभीर हालत होने पर उसको जयपुर रैफर कर दिया गया।

मनीष कुमार त्रिपाठी ने बढाया जनपद चित्रकूट का मान, बने के. वि. एस. के सबसे युवा प्रिंसिपल

अशोक कुमार खरे

उत्तर प्रदेश: जनपद चित्रकूट के मऊ कस्बा निवासी मनीष कुमार त्रिपाठी पुत्र रमेश चंद्र त्रिपाठी ने प्रयागराज स्थित केंद्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल मनौरी में सबसे युवा प्रिंसिपल नियुक्त होने का गौरव प्राप्त किया है। केंद्रीय विद्यालय संगठन के अब तक के इतिहास में 35 वर्ष की उम्र में सबसे युवा प्रिंसिपल बनकर मनीष कुमार त्रिपाठी ने जनपद चित्रकूट का मान बढ़ाया है। केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल मनौरी प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य डॉ. शालिनी दीक्षित के सहायक आयुक्त पद पर कार्यभार ग्रहण कर लेने के उपरांत रिक्त हुए प्राचार्य पद पर मनीष कुमार त्रिपाठी ने कार्यभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त के. वि. एस. वाराणसी संभाग डॉ शालिनी दीक्षित भी उपस्थित रहीं। प्राचार्य त्रिपाठी एवं सहायक आयुक्त का उप प्राचार्य प्रदीप कुमार मिश्र द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर भव्य स्वागत किया किया। इससे पूर्व त्रिपाठी केन्द्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय नई दिल्ली मे बतौर सहायक शिक्षा अधिकारी कार्यरत थे। आपने उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त किया था। आप डायमंड जुबली के अंतःवासी भी रहे।

राजस्थान की बेटी प्रियन बनी मिस अर्थ इंडिया 2023

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुआ था आयोजन

राजस्थान के सीकर की रहने वाली प्रियन ने देशभर में राजस्थान का नाम रोशन किया है। प्रियन ने मिस अर्थ इंडिया 2023 का खिताब जीता है। खिताब जीतने वाली राजस्थान की वह पहली लड़की है। इस कार्यक्रम का आयोजन डिवाइन ब्यूटी के दीपक अग्रवाल द्वारा दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया था।

प्रियन 16 फाइनलिस्ट में टॉपर राजस्थान की बेटी प्रियन ने 16 फाइनलिस्ट के बीच यह खिताब अपने नाम किया है। प्रियन के गुरु योगेश मिश्रा व निमिषा मिश्रा ने यह बताया कि, प्रियन मिस राजस्थान 2022 की फर्स्ट रनर अप रह चुकी हैं। फिलहाल वह मिस इंडिया की भी तैयारी कर रही हैं, साथ ही अपनी डॉक्टर की पढ़ाई गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कोटा से कर रही है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह जयपुर जाकर इवेंट में हिस्सा जरूर लेती हैं।

डिवाइन ब्यूटी मिस इंटरनेशनल इंडिया, मिस अर्थ यूनिवर्स का आयोजन करवाता है, जिसमें इंडिया की सभी लड़कियां इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर जाकर इंडिया को प्रेजेंट करती हैं। मिस अर्थ इवेंट का आयोजन दिसंबर में वियतनाम में किया जाएगा, जिसमें प्रियन सेन मिस अर्थ इंडिया 2023 के रूप में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी।

प्रियन ने बीते साल राजस्थान 2022 का खिताब भी अपने नाम किया था, जहां पर 28 लोगों में वह जीतने वाली लड़की थी।

विदेश भेजने के नाम पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले फर्जी ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

कालू राम

हरियाणा: सिरसा जिला में वर्ष 2019 से लेकर अब तक की अवधि के दौरान दर्ज हुए कबूतरबाजी के 17 मामलों के शीघ्र निपटान तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलवाने के लिए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कड़ा संज्ञान लिया है। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों के निर्देश दिए है कि कबूतरबाजी के मामलों में शिकायत लेकर आने वाले फरियादी की गंभीरता से सुनवाई कर उसे शीघ्र न्याय दिलवाने का प्रयास करें,तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करें।

उन्होंने इस अवसर पर कबूतरबाजी के दर्ज मामलों की जांच के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी ऐलनाबाद के डीएसपी विरेंद्र सिंह को भी जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि, शिक्षा, नौकरी तथा घूमने के लिए विदेश जाने के इच्छुक लोग जागरूकता के अभाव में अक्सर फर्जी ट्रैवल एजेंटों का शिकार बन कर अपनी मेहनत की लाखों रुपए की पूंजी गंवा बैठते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने आमजन को ऐसी फर्जी ट्रैवल एजेंटों से सावधान रहने की नसीहत देते हुए कहा है कि विदेश जाने के लिए वीजा लगवाने से पूर्व एजेंटो के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें,और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंटों से ही संपर्क करें। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि विदेश जाने के लिए वीजा लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी के बढ़ रहे मामलों के मद्देनजर लोगों को जागरूक करने करें।

संपादकीय

इंडिया में विवाद नहीं, मंशा सबकी !

यह सही है विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडियाह में प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर कोई विवाद नहीं है लेकिन यह भी सही है कि दावेदारी सबकी है। कम से कम पांच पार्टियों की ओर से अपने नेता को दावेदार के तौर पर पेश कर दिया गया है। हालांकि दावेदारी पेश करने के बाद सफाई देकर उसका खंडन भी कर दिया गया लेकिन आधिकारिक रूप से यह बात दर्ज हो गई कि अमुक नेता विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करना चाहता है या गठबंधन की जीतने पर प्रधानमंत्री बनना चाहता है। जिन पार्टियों की ओर से दावेदारी की गई है उनकी ओर से मजबूत तर्क भी दिए गए हैं। प्रधानमंत्री पद के दावेदारों में सबसे ताजा नाम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का है। उनसे पहले राहुल गांधी, नीतीश कुमार, उद्धव ठाकरे, शरद पवार और ममता बनर्जी दावेदार हैं, जबकि मल्लिकार्जुन खडगे उसके डार्क हॉर्स हैं।केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने मुंबई की बैठक से ठीक पहले कहा कि अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं क्योंकि उनके पास विकास का एक नजरिया है, जिसे वे पूरे देश में लागू कर सकते हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी विचारधारा की जगह गवर्नेंस को तरजीह देती है और उसके लिए गवर्नेंस का मतलब मुफ्त में पानी, बिजली उपलब्ध कराना है। हालांकि प्रियंका कक्कड़ के बयान के तुरंत बाद पार्टी के बड़े नेता सक्रिय हुए और इसका खंडन किया। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा के साथ साथ दिल्ली सरकार की नंबर दो मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी उनको पहले ही प्रधानमंत्री पद का दावेदार बता चुकी है। जदयू का कहना है कि नीतीश को इंडियाह का संयोजक बनाया जाए और उनके नाम पर चुनाव लड़ना चाहिए। जदयू का तर्क है कि नीतीश ने विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने का प्रयास शुरू किया और सफल रहे। इसके अलावा पार्टी का यह भी कहना है कि नीतीश ने जातीय गणना करा कर सामाजिक न्याय का एजेंडा फिर से चर्चा में ला दिया है। भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति की काट के तौर पर यह एकमात्र मुद्दा है, जिससे विपक्षी पार्टियां भाजपा को चुनौती दे सकती हैं। इसलिए अगर नीतीश चेहरा बनते हैं तो विपक्ष को पिछड़े, दलितों, वंचितों व अल्पसंख्यकों का वोट एकजुट करने में आसानी होगी।एनसीपी के नेता शरद पवार प्रधानमंत्री पद के सबसे पुराने और स्थायी दावेदार हैं। वे सबसे लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। उनकी पार्टी वरिष्ठता और सभी पार्टियों में संपर्कों की वजह से उनको दावेदार बता रही है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी का मानना है कि हिंदुत्व की अपनी राजनीति के दम पर उद्धव ज्यादा मजबूती से नरेंद्र मोदी को टक्कर दे सकते हैं। उनके नाम पर कट्टर हिंदू वोट भी हासिल किया जा सकता है।

नए संविधान की मांग आखिर क्यों?

> बहुलतावादी और समावेशी भारत के पैरोकारों के विपरीत, धार्मिक राष्ट्रवादियों ने इस संघर्ष से दूरी बनाए रखी और उन्होंने उन मूल्यों का भी विरोध किया जो इस संघर्ष से उपजे थे. सन 1949 के 30 नवम्बर को संविधान सभा ने संविधान को पारित किया. इसकी तीन दिन बाद, आरएसएस के मुखपत्र 'द आर्गेनाइजर' ने उसे खारिज करते हुए 'मनुस्मृति' को संविधान की तौर पर अपनाए जाने की वकालत करते हुए एक सम्पादकीय लिखा.

-राम पुनियानी-

डॉ बिबेक देबरॉय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद् के मुखिया है. जाहिर है कि वे सत्ता के केंद्र के बहुत नजदीक हैं - शाब्दिक और लाक्षणिक दोनों अर्थों में. हाल में (15 अगस्त, 2023), उनका लेख देश के एक शीर्ष समाचारपत्र में प्रकाशित हुआ. इसमें उन्होंने देश के वर्तमान संविधान के बने रहने पर प्रश्न उठाया. उनके अनुसार, आज का संविधान वह संविधान नहीं है जिसे हमने स्वाधीनता के समय अपनाया था क्योंकि उसमें अनेक संशोधन हो चुके है. उनका यह कहना है कि चूँकि कार्यपालिका संविधान के मूलभूत ढांचे में कोई बदलाव कर सकती और चूँकि संविधान अब बहुत पुराना हो गया है, इसलिए हमें नया संविधान बनाना चाहिए. वे यह भी कहते हैं कि यह संविधान औपनिवेशिक विरासत है और वे इसके कई प्रावधानों पर प्रश्न उठाते हैं जिनमें समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की स्थापना और संरक्षण से जुड़े प्रावधान शामिल हैं. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने देबरॉय की राय से आधिकारिक रूप से अपने को अलग कर लिया है परन्तु भारतीय संविधान की उपयोगिता को शंका के घेरे में डालने और उसका विरोध करने का उद्देश्य पूरा हो गया है.

इसके पहले से भी दक्षिणपंथी चिन्तक और नेता यह कहते आये हैं कि भारत का संविधान गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है, औपनिवेशिक विरासत है और भारतीय मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता. सच तो यह है कि दक्षिणपंथी हिन्दू राष्ट्रवादियों को यह संविधान कभी नहीं भाया. यह संविधान गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 की तर्ज पर नहीं बना है. यह संविधान की मसविदा समिति के अध्यक्ष डॉ बी.आर. अम्बेडकर ने नेतृत्व में करीब तीन वर्ष तक चली लम्बी बहसों और कठिन श्रम का नतीजा है. संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद और उसके अधिकांश सदस्य भारत के औपनिवेशिकता विरोधी संघर्ष में रचे-बसे थे. और इसी संघर्ष ने भारत के एक राष्ट्र बनने की प्रक्रिया के शुभारम्भ में महती भूमिका निभाई थी.

बहुलतावादी और समावेशी भारत के पैरोकारों के विपरीत, धार्मिक राष्ट्रवादियों ने इस संघर्ष से दूरी बनाए रखी और उन्होंने उन मूल्यों का भी विरोध किया जो इस संघर्ष से उपजे थे. सन 1949 के 30 नवम्बर को संविधान सभा ने संविधान को पारित किया. इसकी तीन दिन बाद, आरएसएस के मुखपत्र 'द आर्गेनाइजर' ने उसे खारिज करते हुए 'मनुस्मृति' को संविधान की तौर पर अपनाए जाने की वकालत करते हुए एक सम्पादकीय लिखा. इसमें कहा गया था, किन्तु हमारे संविधान में प्राचीन भारत में हुए अनूठे संवैधानिक विकास का कोई उल्लेख नहीं हैं. मनु द्वारा विरचित नियमों का रचनाकाल स्पार्टा और पर्शिया में रचे गए संविधानों से कहीं पहले का है. आज भी मनुस्मृति में प्रतिपादित नियम पूरे विश्व में प्रशंसा पा रहे हैं और इनका सहज अनुपालन किया जा रहा है. किंतु हमारे संवैधानिक पंडितों के लिए यह सब अर्थहीन है. हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ संविधान का विरोध बढ़ने लगा. अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार के 1998 में सत्ता में आने के बाद संविधान की 'समीक्षा' के लिए वैंकटचलैया आयोग का गठन किया गया. परंतु इस आयोग का इतना कड़ा विरोध हुआ कि सरकार को उसपर अमल करने का इरादा त्यागना पड़ा.

संविधान के प्रति विरोध अलग-अलग तरीकों और मंचों से किया जाता रहा है. के. सुदर्शन ने आरएसएस का मुखिया बनने के बाद घोषणा की कि भारतीय संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और इसके स्थान पर भारतीय पवित्र पुस्तकों, जिनमें मनुस्मृति भी शामिल है, पर आधारित संविधान बनाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा 'हमें नया संविधान बनाने में सकुचाना नहीं चाहिए क्योंकि हम इसे पहले ही सी से अधिक बार संशोधित कर चुके हैं'. उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस अपने संविधान का अब तक चार बार पुनर्लिखण कर चुका है. उन्होंने कहा कि संविधान कोई पवित्र ग्रंथ नहीं है बल्कि वह हमारे देश के समक्ष उपस्थित अधिकांश समस्याओं की जड़ है.

समय-समय पर भगवा ब्रिगेड के अलग-अलग सदस्य इसी तरह की बातें कहते रहे हैं. हाल में जब विपक्ष ने इंडिया नाम से एक गठबंधन बनाया तब इस समूह के कई नेताओं ने इस आधार पर इसका विरोध किया कि भारत को इंडिया का नाम अंग्रेजों ने दिया था. भाजपा के एक राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल ने तो संविधान में इस शब्द के उपयोग पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि यह शब्द भारत की गुलामी का प्रतीक है.

संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले का मानना है कि भारतीयों के दिलोदिमाग को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करना आवश्यक है. हमारे देश में यूरोपीय विचारों, प्रणालियों, आचरण और विश्वदृष्टि का कई दशकों से बोलबाला रहा है. स्वतंत्र भारत इनसे मुक्ति नहीं पा सका है.

देबराय और संघ परिवार संविधान के विरोध के मुद्दे पर एकमत हैं. जहां संघ परिवार संविधान के 'पश्चिमी चरित्र' पर प्रश्न उठाता रहा है वहीं देबराय इससे भी आगे बढ़कर स्वतंत्रता, समानता, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद आदि जैसे मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं. इससे यह साफ है कि संघ परिवार को असली परेशानी किससे है. भारतीय संविधान के औपनिवेशिक चरित्र की दुहाई देना ठीक वैसा ही है जैसे पश्चिम एशियाई देशों में मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी संस्थाएं स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों का इस आधार पर विरोध कर रही हैं कि वे पश्चिमी हैं. देबराय और उनके जैसे अन्य लोग इस बात से दुःखी हैं कि हमारा संविधान विभिन्न जातियों, धर्मों और दोनों लिंगों के लोगों को समानता देता है.

संघ परिवार मनुस्मृति के युग को भारत का स्वर्णकाल बताता है क्योंकि उस काल में लैंगिक और जातिगत पदक्रम को धार्मिक और सामाजिक स्वीकृति प्राप्त थी. इसमें कोई संदेह नहीं कि औपनिवेशिक शासन ने हमारे समाज के ढांचे में व्यापक परिवर्तन हुए और लैंगिक व जातिगत पदक्रम की समाज पर पकड़ कमजोर हुई. यही वह वक्त था जब श्रमिकों ने अपने संगठन बनाए (नारायण मेघाजी लोखंडे, कामरेड सिंगारवेल्लू). इसी दौर में भगतसिंह जैसे नेताओं ने शासक वर्ग द्वारा आम लोगों के शोषण के खिलाफ आवाज उठाई और यह साफ कर दिया कि इस शोषण को हमें खत्म करना होगा. औपनिवेशिक शासनकाल को हम केवल स्याह-सफेद के चश्मे से नहीं देख सकते. इससे देश का कुछ भला भी हुआ और कुछ बुरा भी. औपनिवेशिक ताकतों ने निःसंदेह देश को जमकर लूटा परंतु उन्होंने ऐसी संस्थाएं भी खोलीं जो महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार देतीं थीं. संघ परिवार और प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार वर्तमान संविधान के स्थान पर नए संविधान के निर्माण के पक्ष में भले ही अनेक तर्क दे रहे हों परंतु उन्हें सबसे अधिक परेशानी समानता के मूल्य से है जिसके पैरोकारों में भगतसिंह और अंबेडकर जैसी विभूतियां थीं और जो हमारे राष्ट्रीय आंदोलन के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक था.

सन 1990 तक भारत ने समानता की स्थापना के लिए संघर्ष किया. इस संघर्ष की धुरी था हमारा संविधान और इसमें मददगार थीं नेहरू की देश को आधुनिक बनाने की नीतियां. अब हम रिवर्स गेयर में चल रहे हैं. मंदिर और गाय राजनीति के केन्द्रक बन गए हैं और सभ्यतागत मूल्यों के नाम पर ब्राह्मणवादी मूल्यों को देश पर लादा जा रहा है. इससे हम वह सब खो बैठेंगे जो हमने दुनिया के सबसे बड़े जनांदोलन अर्थात भारत के स्वाधीनता आंदोलन से हासिल किया था.

संविधान का विरोध दरअसल देश को उस युग में वापिस ढकेलने की कवायद है जिसमें जाति, वर्ग और लिंग के आधार पर असमानता को धर्म की स्वीकृति हासिल थी.

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

संसद का विशेष सत्र... चुनावी चाल या देशहित...?

-ओम प्रकाश मेहता-

मोदी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल की अंतिम राजनीतिक लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रही है, इसलिए कभी रसोई गैस सिलेंडर के दाम घटाए जा रहे हैं, तो कभी जम्मू कश्मीर के पुरातन मसलों को हल करने की बात की जा रही है, देश के राजनीतिक चिंतकों का कहना है कि इसी माह संसद के विशेष सत्र का आयोजन भी इसी राजनीतिक हित को दृष्टिगत रखकर किया जा रहा है, जिसमें महिला आरक्षण के साथ देश में सभी चुनाव एक साथ करने की फिर से पहल की जाएगी, उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के बाद संसद यह देश की विधानसभाओं के चार चुनाव (1947 से 1967 तक) एक साथ ही कराए गए थे और उसके बाद यह परंपरा टूट गई थी, जिसे अब मोदी सरकार फिर करवाने की पहल कर रही है, इस पहल से देश को हजारों करोड़ों रुपए की बचत होगी। केंद्र सरकार द्वारा संसद के विशेष सत्र की अचानक घोषणा कर भारतीय राजनीति में खलबली मचा दी है, इसलिए इस सत्र के औचित्य पर हर कहीं बहस भी तेज हो गई है, कोई निर्धारित समय से पहले चुनाव कराने की बात कर रहा है, तो कोई इस आकस्मिक घोषणा को भाजपा के एजेंडे को सेट करने वाली बता रहा है, जो भी हो मोदी का यह दाव सभी को चौंकाने वाला तो अवश्य ही है, सत्तारूढ़ दल इस सत्र को अमृत काल में अमृत वर्षा वाला सत्र बता रहा है, तो प्रतिपक्ष मोदी सरकार के इस आकस्मिक कदम पर चिंतन में व्यस्त हो गया है। यह 17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 26वां सत्र होगा, विशेष सत्र की घोषणा अवश्य की गई, किंतु इसका एजेंडा अभी गोपनीय रखा गया है, इसी कारण सत्र को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है।

जो भी हो, किंतु यह तो कटु सत्य है कि यह मोदी जी के दूसरे शासनकाल का अंतिम विशेष सत्र होगा और इसके माध्यम से मोदी सरकार द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा के कई राजनीतिक हित साधने के प्रयास किए जायेंगे। चर्चा है कि चूंकि देश में यथाशीघ्र जी20 की बैठकें आयोजित की जा रही है, इसलिए सरकार अपने एजेंट के पत्ते सार्वजनिक नहीं करना चाहती जी20 की शिखर बैठक के तत्काल बाद एजेंडे का खुलासा कर दिया जाएगा। जी20 की विशेष बैठक देश की राजधानी में 9 और 10 सितंबर को आयोजित हो रही है, संसदीय कार्यमंत्री ने यह संकेत अवश्य दिए हैं कि इस पांच दिवसीय विशेष सत्र में कई अध्यादेशों (बिल) पर चर्चा करवा कर उन्हें संसद से पारित करवाने के प्रयास किए जाएंगे, साथ ही यदि एक देश-एक चुनाव का बिल प्रस्तुत किया जाता है तो पहले इससे संबंधित संविधान संशोधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, उसके बाद ही इस बिल को संसद में प्रस्तुत किया जाएगा। जो भी हो, किंतु यह तय है कि मोदी सरकार एक देश-एक चुनाव अर्थात पूरे देश में संसद व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की कानूनी अड़चन दूर करने का संकल्प ले चुकी है और वे मोदी सरकार अपना दूसरा कार्यकाल पूरा होने और देश के सामने चुनाव प्रस्तुत करने के पहले पूरा करना चाहती है, जिससे कि अन्य कथित देशहितैषी चुनावी मुद्दों के साथ यह मुद्दा भी जुड़ सके और देश की आर्थिक बचत की आड़ में अपना राजनीतिक हित साधा जा सके। संसद के इस विशेष सत्र को लेकर यह भी प्रमुख रूप से चर्चा है कि मोदी सरकार इस सत्र के दौरान अपनी एक दशक की सरकार की प्रमुख उपलब्धियों व जनहितैषी कदमों को भी देश के सामने रख सकती है, पिछला मानसून सत्र हंगामों और नारेबाजी में डूब गया था, इसलिए उसे सत्र में मोदी सरकार अपने इस उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर पाई थी, इसलिए अब यह पांच दिवसीय विशेष सत्र बुलाने को मजबूर होना पड़ा है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही विपक्ष की तरफ से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि मोदी सरकार इस बार निर्धारित समय से पूर्व आम चुनाव करा सकती है, प्रतिपक्ष इस विशेष सत्र को उसी चर्चा का साक्षात स्वरूप मान रही है। ममता बैनर्जी और नीतीश कुमार पहले ही इस संभावना को उजागर कर चुके हैं। इसी राजनीतिक परिदृश्य के चलते भाजपा की चुनावी तैयारियां भी दिन दूनी-रात चौगुनी गति पकड़ रही है। जबकि मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस की कोई विशेष सजकता दिखाई नहीं दे रही है, अब यह तो तय है कि सत्तारूढ़ भाजपा का चुनावी मुख्य शस्त्र 9 वर्षीय मोदी कार्यकाल की विशेष उपलब्धियां होगी तो प्रतिपक्षी कांग्रेस इन्हीं कथित उपलब्धियों की कथित असफलता को अपना चुनावी हथियार बनाएगा। जो भी हो, फिलहाल तो यही तय नहीं है कि देश की संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होंगे या अपने पूर्व निर्धारित समय पर, इसलिए प्रतिपक्षी दल अपनी रणनीति तय नहीं कर पा रहे हैं।

विपक्ष सोशल मीडिया से बचे, रियलिटी बूझे

-अजीत द्विवेदी-

विपक्षी पार्टियों की तीसरी बैठक में बहुत कुछ तय होने की संभावना है। मुंबई में दो दिन की बैठक में इंडियाह की पार्टियां समन्वय समिति बनाने वाली हैं, संयोजक का नाम तय करने वाली हैं, सीट बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है, चुनाव रणनीति बनने वाली है और लोगो व थीम सॉन्ग जारी होने की भी बता कही जा रही है। लेकिन उससे पहले तमाम विपक्षी पार्टियों को अपनी ताकत व कमजोरी का आकलन करना होगा, जमीनी हालात समझने होंगे और भाजपा की ताकत का अंदाजा लगाना होगा। सोशल मीडिया में जो नैरेटिव बन रहा है उसको आधार बना कर अगर विपक्षी पार्टियां कुछ भी तय करती हैं तो वह बहुत घातक हो सकता है। हालांकि विपक्ष की पार्टियों में ज्यादातर नेता मंजे हुए हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव वाले हैं लेकिन मुश्किल यह है कि सोशल मीडिया इन दिनों हर व्यक्ति के अंदर किसी न किसी तरह का भ्रम पैदा कर देता है। सोशल मीडिया में सक्रिय हर व्यक्ति टिटहरी की तरह उलटा लटका है और समझ रहा है कि आसमान उसने थाम रखा है। नेताओं के लाखों फॉलोवर हैं तो वे समझ रहे हैं कि यह उनका जनाधार है। अगर ऐसा नहीं होता तो कांग्रेस के नेता रोज ये आंकड़े नहीं पेश करते कि राहुल गांधी को सोशल मीडिया में ज्यादा पसंद किया जा रहा है और नरेंद्र मोदी को कम। इसी तरह पत्रकार और विचारक श्रेणी के लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख कर क्रांति करने का भ्रम पाले हुए हैं। ऐसे पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया देख कर लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की गाड़ी पटरी से उतर गई है। ऐसा भ्रम इसलिए होता है क्योंकि वे तकनीक को नहीं समझते हैं। सोशल मीडिया का अलगोरिदा हर व्यक्ति को वही दिखाता है, जो उसको पसंद आता है।

इससे सत्ता विरोधी लोग घर बैठे बदलाव की आहट सुनने लगते हैं। सो, मुंबई में जुट रही पार्टियों को इसका ध्यान रखना चाहिए कि वे किसी भ्रम का शिकार न हों और उनकी रणनीति वास्तविक स्थितियों को ध्यान में रख कर बने। वास्तविकता यह है कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट बढ़ा है और पिछले करीब 10 साल में शायद ही किसी राज्य में भाजपा का वोट कम हुआ है। राज्यों में वह हारी है तब भी उसका वोट बढ़ा है या पहले जितना बना रहा है। इस हकीकत को ध्यान में रख कर विपक्ष को अपनी रणनीति बनानी होगी। भाजपा से लड़ने के लिए विपक्षी पार्टियों ने मोटे तौर पर एक गठबंधन बना लिया है। इस गठबंधन की ज्यादातर पार्टियां पहले भी साथ रही हैं और कई पार्टियां अब भी साथ मिल कर चुनाव लड़ती हैं। सबकी विचारधारा मोटे तौर पर एक जैसी है और राज्यों में वोट आधार भी एक जैसा है। इसलिए उसमें थोड़ी बहुत ऊंच-नीच का ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद विपक्ष को केमिस्ट्री, कैपेन और नैरेटिव की जरूरत है। उसके बाद कैंडिडेट की बारी आएगी। इन चार चीजों के बाद सबसे अंत में चेहरे की जरूरत है, वह नहीं भी हो तो ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला है। विपक्ष के नेताओं को इस हकीकत को स्वीकार करना चाहिए कि उनके पास नरेंद्र मोदी से मुकाबला का कोई चेहरा नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राहुल गांधी की एक विशिष्ट छवि गढ़ी गई है और उसके बाद देश-विदेश की विस्तारित यात्राओं से वे इस छवि को और मजबूत कर रहे हैं। लेकिन मोदी 13 साल मुख्यमंत्री रहे हैं और साढ़े नौ साल से प्रधानमंत्री हैं। गुजरात से ही उनकी हिंदू हृदय सम्राट की छवि है। मजबूत व निर्णायक नेता के तौर पर उनकी पहचान पिछले कुछ सालों में और मजबूत हुई है। वे राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और मजबूत नेतृत्व तीनों का प्रतीक हैं। इसलिए उनके मुकाबले कोई चेहरा पेश करने की बजाय विपक्ष अगर नैरेटिव पर ध्यान दे तो वह बेहतर होगा। विपक्ष को मुख्य रूप से नरेंद्र मोदी के दो कार्यकाल के कामकाज पर फोकस करना चाहिए। उनके वादे लोगों को याद दिलाने चाहिए। लोगों से पूछना चाहिए कि अच्छे दिन आए या नहीं? पेट्रोल-डीजल की मार कम हुई या नहीं? महंगाई की मार कम हुई या नहीं? डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत कहां तक पहुंची? कितने लोगों को रोजगार मिला? किसानों की आय दोगुनी करने का क्या हुआ? स्मार्ट सिटी कहां हैं? भाजपा ने 2014 के चुनाव में जितने भी नारे गढ़े थे उन्हें फिर से सामने लाना होगा और लोगों को उसके बरक्स उनकी वास्तविक स्थिति दिखानी होगी। ध्यान रहे यह केंद्र की मोदी सरकार की सबसे कमजोर नस है और इसे प्रधानमंत्री भी समझ रहे हैं। तभी उनकी सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर की कीमत दो सौ रुपए घटा कर महंगाई की दिशा मोड़ने का काम शुरू कर दिया है। अब अगले आठ-नौ महीने सरकार का काम लोगों को राहत देना होगा। नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं, ईंधन के दाम घटाए जा रहे हैं, अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर दिखाई जा रही है, जी-20 से भारत के वैश्विक नेतृत्व की पताका फहराई जा रही है और अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन की तैयारी चल रही है। विपक्ष को इसके बरक्स अपना नैरेटिव गढ़ना होगा। सत्ता विरोध की लहर तैयार करने से लेकर मुफ्त की रेवड़ी बांटने और जाति का गणित बैठाने जैसे कई उपाय हैं, जिन्हें विपक्ष आजमा सकता है। नैरेटिव के बाद सबसे जरूरी चीज केमिस्ट्री है। यानी पार्टियों के बीच ऐसा रसायन दिखना चाहिए, जिसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक व सकारात्मक हो। ध्यान रहे राजनीति में सबसे जरूरी चीज रसायन है। अगर वह नहीं बना तो बड़ी से बड़ी पार्टियों का गठबंधन धराशायी हो जाएगा। अभी तक भाजपा की ओर से यह प्रचार किया जा रहा है कि विपक्ष की पार्टियों में कोई केमिस्ट्री नहीं है। उनके बारे में कहा जा रहा है कि वे मोदी विरोध के नाम पर इकट्ठा हुए हैं या भ्रष्टाचार के खिलाफ हो रही कार्रवाई से बचने के लिए इकट्ठा हुए हैं या सत्ता के लालच में एकजुट हो रहे हैं।

ममता सरकार और अदालती फैसले

-योगेंद्र योगी-

कानून-व्यवस्था से खिलवाड़, भ्रष्टाचार और वोट बैंक के लिए सरेआम तुष्टिकरण जैसी नीतियों के कारण पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से जितनी लताड़ खाई है, उतनी देश के किसी अन्य राज्यों की सरकारों ने शायद ही कभी खाई हो। आश्चर्य की बात यह है कि अदालतों से मिली मुकदमों में हार और फटकार के बावजूद ममता सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा। ममता सरकार का रवैया संविधान के कायदे-कानूनों का उल्लंघन करना रहा है। विपक्षी दलों ने ममता सरकार की इस प्रवृत्ति पर कभी पुरजोर तरीके से विरोध नहीं किया। सत्ता में होने का बेजा फायदा उठाने की लगातार बढ़ती प्रवृत्ति पर अदालतों ने अंकुश लगाया है। ममता सरकार का रवैया ऐसा रहा है जैसे पश्चिमी बंगाल भारत के संवैधानिक दायरे से अलग कोई देश हो। नया मामला पश्चिम बंगाल में स्थानीय निकायों में भर्ती घोटाले से जुड़ा है। पश्चिम बंगाल सरकार को अन्य मामलों की तरह इसमें भी एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है।

कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में स्थानीय निकाय मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि स्थानीय निकाय भर्ती और शिक्षक भर्ती घोटाले में लिंक है। इन दोनों मामले में वो सीबीआई और ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली तीन जजों की पीठ ने कथित घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की अर्जी पर राहत देने से इनकार कर दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने इस दलील को मान लिया कि ये सब बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। सीबीआई जांच काफी आगे पहुंच गई है। अब इसमें दखल देते हुए रोकना उचित नहीं है। इससे पहले भी ममता सरकार को भ्रष्टाचार सहित कई दूसरे महत्वपूर्ण मामलों में सुप्रीम कोर्ट से हार का सामना करना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट से मिली लताड़ और हार के बावजूद ममता सरकार के रवैये में कोई विशेष सुधार नहीं आया। सरकार की न तो कार्यशैली बदली और न ही तृणमूल कांग्रेस में कोई तब्दीली नजर आई। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की बिना यूपीएससी के दखल के पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति की अनुमति देने की याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी के मामले में कहा था कि हमारे पिछले आदेश में बदलाव की कोई जरूरत नहीं है। कोर्ट ने बार-बार इस तरह की याचिका दाखिल करने के लिए, पश्चिम बंगाल सरकार पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा था कि इस तरह के आवेदन कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट एक पुराने आदेश में कह चुका है कि हर राज्य को डीजीपी की नियुक्ति से पहले यूपीएससी से योग्य अधिकारियों की लिस्ट लेनी होगी। उसी लिस्ट में से चयन करना होगा। पश्चिम बंगाल सरकार का कहना था कि यह व्यवस्था गलत है।

राज्य सरकार को चयन का पूर्ण अधिकार मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस व्यवस्था को लेकर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों की राज्यों सरकारों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। इन मामलों की तरह ही इस साल पश्चिम बंगाल में रामनवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा मामले में ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा था। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी को जांच सौंपने का आदेश दिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा ने साफ कहा कि हम विशेष अनुमति याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने एनआईए को जांच ट्रांसफर करने के हाई कोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए कहा था कि किसी भी विस्फोटक का इस्तेमाल नहीं किया गया था और यह निर्देश राजनीतिक रूप से पारित किया गया था। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की तरफ से याचिका डाली गई थी। 27 अप्रैल को हाई कोर्ट ने रामनवमी समारोह के दौरान और उसके बाद हावड़ा के शिबपुर और हुगली जिलों के रिशरा में हिंसा की घटनाओं की एनआईए से जांच कराने का आदेश दिया था।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

देश में नौकरियों पर छाया संकट

साल भर में 15,000 तकनीकी पेशेवरों ने कनाडा को बनाया ठिकाना

नई दिल्ली। देश में नौकरियों के संकट के बीच एक साल में 15 हजार तकनीकी पेशेवर कनाडा चले गए हैं। खालसा वॉक्स के अनुसार, अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक यानी कुल 12 महीनों में 15,000 से अधिक भारतीय तकनीकी पेशेवर कर्मचारी कनाडा चले गए हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि देश में एक तरफ तकनीकी उद्योग में नौकरियों की कमी है, तो दूसरी तरफ कनाडा में तकनीकी पेशवर के लिए अवसरों की भरमार है। द टेक्नोलॉजी काउंसिल्स ऑफ नॉर्थ अमेरिका और कनाडा के टेक नेटवर्क की हालिया संयुक्त रिपोर्ट में बताया गया है कि माइग्रेशन के आंकड़ों में आया यह उछाल कनाडा के विस्तारित तकनीकी कार्यबल में भारत का सबसे बड़ा योगदान है।

तकनीकी उद्योग का नया आकर्षण बन रहा है कनाड़ा

रिपोर्ट में कहा गया है कि 32,000 से अधिक तकनीकी पेशेवरों में से 15,097 ने कनाडा को अपने नए घर के रूप में चुना है। यह देश तकनीकी उद्योग का नया आकर्षण बन रहा है। माइग्रेशन कर कनाडा में आए तकनीकी पेशेवरों के आंकड़े में भारत के बाद नाइजीरिया का स्थान है। इस अवधि में वहां से 1808 कर्मचारी कनाडा आकर बसे हैं। खालसा वॉक्स के अनुसार, विशेषज्ञ इसकी वजह कनाडा की इमिग्रेशन फ्रेंडली पॉलिसी और लेबर कॉस्ट को बता रहे हैं। खालसा वॉक्स एक ऑनलाइन डाइजेस्ट है जो पंजाब की राजनीति, इतिहास, संस्कृति, विरासत और बहुत कुछ के बारे में नवीनतम जानकारी लाता है।

मिसिसॉगा में करीब 1000 से भी अधिक आईटी फर्म

मिसिसॉगा और मॉन्ट्रियल दो कनाडाई शहर हैं जहां सबसे ज्यादा तकनीकी पेशेवर दुनियाभर के देशों से माइग्रेट कर बसते हैं। मिसिसॉगा में करीब 1,000 से अधिक आईटी फर्म हैं जहां 300,000 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों का प्रभावशाली कार्यबल मौजूद है। मॉन्ट्रियल ने वर्ष 2015 से 2020 के बीच अपने तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में 31 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। भारत और नाइजीरिया के बाद ब्राजील के भी तनीकी पेशेवरों की बड़ी तादाद कनाडा में है।

मार्च 2023 तक दुनिया भर से 1,900 तकनीकी पेशेवर आए

रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक मिसिसॉगा में दुनिया भर से 1,900 तकनीकी पेशेवर आए, जबकि मॉन्ट्रियल में उस अवधि के दौरान 959 तकनीकी विशेषज्ञों का आगमन हुआ। टेक वर्कफोर्स ट्रेंड्स द माइग्रेशन ऑफ टेक वर्कर्स एंड टेक जॉब्स सिंस द पैनडेमिक शीर्षक वाली रिपोर्ट, टेक माइग्रेशन में इस उछाल के महत्व पर प्रकाश डालती है।

रसना हो सकती हैं दिवालिया, 71 लाख रुपए के मामले में एनसीएलटी में होगी सुनवाई

दिवालिया याचिका लॉजिस्टिक्स कंपनी भारत रोड कैरियर प्राइवेट लिमिटेड ने दायर की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिलचिलाती गर्मी में ठंडक पहुंचाने वाली इंस्ट्रैंट ड्रिंक मिक्स रसना अब दिवालिया होने की कगार पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नैशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एन.सी.एल.टी.) में इसके खिलाफ एक दिवालिया याचिका दायर हुई है। यह याचिका 71 लाख रुपए की बकाया रकम से जुड़ी हुई है। इस दिवालिया याचिका को लॉजिस्टिक्स कंपनी भारत रोड कैरियर प्राइवेट लिमिटेड ने दायर किया था। इस मामले में ट्रिब्यूनल ने रविंद्र कुमार को अंतरिम रिजॉल्यूशनल प्रोफैशनल के तौर पर नियुक्त कर दिया है। लॉजिस्टिक्स कंपनी के मुताबिक इसने रसना को कई सामान भेजे थे जिसकी इनवॉइस अप्रैल 2017 से अगस्त 2018 के बीच बनी थी यानी यह मामला कोरोना महामारी से काफी पहले का है।

रसना का कहना है कि उसने नवम्बर 2018 में अहमदाबाद के कमर्शियल कोर्ट में भारत रोड कैरियर के खिलाफ 1.25 करोड़ रुपए के नुक्सान का मामला दायर किया था। मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा गया था लेकिन रसना के मुताबिक लॉजिस्टिक्स फर्म मीडिएटर यानी मध्यस्थ के सामने पेश नहीं हुई और मध्यस्थता फेल हो गई। रसना का आरोप है कि कमर्शियल कोर्ट ने 30 अप्रैल 2019 को नोटिस जारी किया लेकिन जवाब दाखिल करने की तारीख तक भी यह कोर्ट के सामने पेश नहीं हुई।

इंस्टैंट ड्रिंक कंपनी का कहना है कि दिवालिया याचिका के खिलाफ 2 मुद्दे हैं जिसमें पहला तो यह है कि भारत कैरियर ने तथ्यों को दबाया है और दूसरा यह कि दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा है। हालांकि ट्रिब्यूनल ने पाया कि भारत कैरियर ने जिस मामले में याचिका दायर की है, उसे लेकर विवाद नहीं है और रसना ने भारत कैरियर की सर्विसेज का फायदा उठाया था। रसना के खिलाफ जिस टाइम पीरियड के लिए दिवालिया याचिका दायर हुई है, वह कोरोना महामारी से पहले का है। ऐसे में ट्रिब्यूनल का कहना है कि इसे इनसॉल्वैंसी एंड बैंकरप्सी कोड के सैक्शन 10ए के तहत राहत नहीं मिल सकती है। इस सैक्शन के तहत यह प्रावधान है कि कोरोना महामारी के दौरान अगर कोई कंपनी किसी बकाए को लेकर डिफॉल्ट होती है तो उसके खिलाफ दिवालिया याचिका नहीं शुरू की जाएगी। रसना के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया को एन.सी.एल.टी. ने मंजूरी दे दी है और मोरेटोरियम पीरियड भी शुरू हो गया है। यह पीरियड दिवालिया प्रक्रिया पूरी होने तक या फैसला लेने वाली अथॉरिटी रिजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी नहीं दे देती है, तब तक रहेगा।

एक नजर

अगस्त में यूपीआई से 10.58 अरब रुपये का लेन-देन

मुंबई, एजेंसी। इस बार अगस्त माह में मोबाइल ऐप यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) के माध्यम से

साढ़े 10 अरब रुपये से भी अधिक लेन-देन किए गये जो एक साल पहले इसी माह की तुलना में 61 प्रतिशत अधिक है। यह देश में डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया नेटवर्क एक्स पर लिखा,

अगस्त23 में 10 अरब से अधिक लेनदेन! आप अपने मोबाइल से यूपीआई के साथ तत्काल निर्बाध भुगतान करें।

एनपीसीआई ने बताया कि अगस्त 2023 में यूपीआई से 10.58 अरब की संख्या में भुगतान किए गए जिनका मूल्य 15.76 लाख करोड़ रुपये रहा।

भुगतान राशि के हिसाब से यूपीआई भुगतान में एक साल पहले की तुलना में 47 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

यूपीआई ऐप से जुलाई, 23 में कुल 15.34 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 9.96 अरब भुगतान किए गए थे। जून में सौदों का आंकड़ा 9.34 अरब और भुगतान राशि 14.75 लाख करोड़ रुपये थी।

वर्ल्डलाइन इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, हेड-स्ट्रेटेजी, इनोवेशन एंड एनालिटिक्स सुनील रोंगला ने कहा, यूपीआई डेटा डेटा से पता चलता है कि यूपीआई पर पी2एम लेनदेन साल-दर-साल आधार पर 100 प्रतिशत से अधिक की गति से बढ़ रहा है और पी2पी लेनदेन की तुलना में इसकी हिस्सेदारी अधिक है। समय के साथ, पी2एम लेनदेन से यूपीआई लेनदेन में वृद्धि होगी और यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी , अगर 18-24 महीनों में यूपीआई लेनदेन प्रति माह 20 अरब तक पहुंच जाए।

दो हजार के 93 प्रतिशत नोट वापस आये

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दो हजार रुपये के नोट के चलन से वापस लिये लाने के बाद अब तक 93 प्रतिशत नोट लोगों ने जमा करा दिये हैं

जबकि सात प्रतिशत नोट अभी भी जाम कराये जाने हैं।

केन्द्रीय बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा गया है कि 31 अगस्त, 2023 तक प्रचलन से 2000 रुपये के 93 प्रतिशत बैंक नोट अर्थात 3.32 लाख करोड़ रुपये वापस आये जबकि 0.24 लाख करोड़ रुपये के बैंक नोट प्रचलन में अभी भी है। 19 मई 2023 तक 3.56 लाख करोड़ रुपये के नोट प्रचलन में थे।

रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा की थी। प्रचलन में 2000 के बैंक नोटों का कुल मूल्य, जो 31 मार्च को 3.62 लाख करोड़ था। 19 मई, 2023 को कारोबार की समाप्ति पर 2023 घटकर 3.56 लाख करोड़ रह गया था।

प्रमुख बैंकों से एकत्र किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि प्रचलन से वापस प्राप्त 2000 रुपये मूल्यवर्ग के कुल बैंकनोटों में से लगभग 87 प्रतिशत जमा के रूप में हैं और शेष लगभग 13 प्रतिशत को अन्य मूल्यवर्ग के बैंकनोटों में बदल दिया गया है।

केन्द्रीय बैंक ने लोगों ने मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने के लिए 30 सितंबर, 2023 तक की शेष अवधि का उपयोग करने की अपील की है।

एयर इंडिया में टाटा एसआईए एयरलाइंस के विलय को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एयर इंडिया में टाटा एसआईए एयरलाइंस के विलय और सिंगापुर एयरलाइंस द्वारा एयर इंडिया की कुछ शेयरधारिता का अधिग्रहण किए जाने को मंजूरी दे दी है। हांलाकि, इसके लिए संबंधित पक्षों द्वारा प्रस्तावित स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं का अनुपालन करना आवश्यक होगा।

प्रस्तावित विलय में टाटा एसआईए एयरलाइंस लिमिटेड (टीएसएएल/विस्तारा) का एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल/एयर इंडिया) में विलय करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें एआईएल का अस्तित्व बरकरार रहेगा होगी और इस विलय को ध्यान में रखते हुए सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड (एसआईए) और टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड (टीएसपीएल) द्वारा विलय उपरांत इकाई के शेयरों का अधिग्रहण किया जाएगा और विलय उपरांत इकाई में अतिरिक्त शेयरों का अधिग्रहण तरजीही आवंटन के अनुसार एसआईए द्वारा किया जाएगा। टीएसपीएल एक निवेश होल्डिंग कंपनी है, जो भारतीय रिजर्व बैंक में कोर निवेश कंपनी के रूप में पंजीकृत है और जिसे प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा लेने वाली कोर निवेश कंपनी के रूप में वगीर्कृत किया गया है। टीएसपीएल (टैलेस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से) ने 27 जनवरी 2022 को एआईएल का अधिग्रहण पूरा कर लिया। टीएसएएल दरअसल टीएसपीएल और एसआईए के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसकी कुल शेयरधारिता में टीएसपीएल और एसआईए की क्रमशः 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टीएसएएल ह्यविस्ताराह्न ब्रांड नाम के तहत अपना संचालन करती है। टीएसएएल घरेलू हवाई यात्री परिवहन सेवा, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री परिवहन सेवा, हवाई कार्गो परिवहन सेवाएं और चार्टर उड़ान सेवाएं (घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय) सेवायें प्रदान करती है।

वुमलुनमंग वुअलनाम नागरिक उड्डयन मंत्रालय के नये सचिव

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी वुमलुनमंग वुअलनाम ने शुक्रवार को यहां केंद्र में नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) के सचिव का पदभार ग्रहण किया।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री वुअलनाम ने श्री राजीव बंसल का स्थान लिया है जो 31 अगस्त, 2023 को सेवानिवृत्त हुए।

श्री वुलनाम मणिपुर कैडर से 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय में अपर सचिव, गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और वित्त एवं कंपनी कार्य मंत्रालय के उप-सचिव सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

वह मणिपुर सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में आयुक्त और परिवहन निदेशक सहित कई प्रमुख पदों पर भी कार्य कर चुके हैं और कुछ समय तक विश्वबैंक में कार्यकारी निदेशक के सलाहकार का पदभार भी संभाला है।

चालान प्रोत्साहन योजना मेरा बिल मेरा अधिकार शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों के सहयोग से सभी खरीद के लिए ग्राहकों में बिल मांगने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'मेरा बिल मेरा अधिकार' नाम से 'चालान प्रोत्साहन योजना' आज से शुरू की गयी जिसके तहत ग्राहकों को बिल अपलोड करने पर तिमाही आधार पर एक करोड़ रुपये के बंपर पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा।

वित्त मंत्रालय ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि गुरूग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के अध्यक्ष संजय अग्रवाल की मौजूदगी में इस योजना का शुभारंभ किया।

इस मौके पर बताया गया कि अब तक डेढ़ लाख लोग मेरा बिल मेरा अधिकार ऐप डाउनलोड कर चुके हैं।

योजना का उद्देश्य आम जनता में 'बिल मांगो' को उनके अधिकार और अधिकार के रूप में व्यवहारिक परिवर्तन लाना है। योजना अभी पायलट तौर पर असम, गुजरात और हरियाणा के साथ ही केंद्र शासित प्रदेशों पुड्डुचेरी, दादरा नगर हवेली तथा दमन और दीव में पायलट के रूप में शुरू की गयी है।

जीएसटी पंजीकृत आपूर्तिकताओं (असम, गुजरात और हरियाणा , पुड्डुचेरी, दादरा नगर हवेली और दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेशों में पंजीकृत) द्वारा उपभोक्ताओं को जारी किए गए सभी बी2सी चालान योजना के लिए पात्र होंगे। लकी ड्रा के लिए विचार किए जाने वाले चालान का न्यूनतम मूल्य 200 रुपये रखा गया है। चालान आईओएस और एंड्रॉइड के साथ-साथ वेब पोर्टल पर उपलब्ध मोबाइल एप्लिकेशन 'मेरा बिल मेरा अधिकार' पर अपलोड किए जा सकते हैं।

भारत के सभी निवासी इस योजना में भाग लेने के पात्र होंगे। लकी ड्रा के लिए विचार किए जाने के लिए एक व्यक्ति द्वारा एक महीने में अधिकतम 25 चालान ऐप/वेब पोर्टल पर अपलोड किए जा सकते हैं। प्रत्येक अपलोड किए गए चालान के लिए एक पावती संदर्भ संख्या (एआरएन) जारी की जाएगी जिसका उपयोग पुरस्कार निकालने के लिए किया जाएगा।

विजेता चालान नियमित अंतराल (मासिक/त्रैमासिक) पर लॉटरी द्वारा चुने जाएंगे।

इस योजना के तहत हर महीन 800 उपभोक्ताओं को दस दस हजार रुपये और 10 उपभोक्ताओं को दस दस लाख रुपये के पुरस्कार मिलेंगे। तिमाही आधार पर बंपर पुरस्कार निकाला जायेगा जिसमें दो उपभोक्ता को एक एक करोड रुपये के पुरस्कार दिये जायेंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्रष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कमी होने से 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर कम होकर 594.9

अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.3 अरब डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 53.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 527.3 अरब डॉलर पर आ गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 53 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 1.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्रष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.2 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई।

फरवरी ,24 में दिल्ली में लगेगी विश्व स्तरीय कपड़ा प्रदर्शनी : गोयल

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा, वाणिज्य एवं उद्योग और उपभोक्ता मामले तथा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि अगले वर्ष फरवरी में नयी दिल्ली में एक वैश्विक कपड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसमें दुनिया भर से इस उद्योग के लोग भाग लेंगे।

श्री गोयल बीकेसी, मुंबई में हिंदुस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कपड़ा व्यापार मेला- एशियाटेक्स-2023 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वह इस आयोजन में मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने दिल्ली में वैश्विक कपड़ा प्रदर्शनी के आयोजन की जानकारी देने के साथ कहा कि भारतीय कपड़ा उद्योग में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

उन्होंने कपड़ा उद्योग के हितधारकों से महिलाओं को अधिक अवसर प्रदान करने और युवा पीढ़ी को उद्योग से जोड़ने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं पीएम के 5एफ की सोच को आगे बढ़ा सकती हैं और इसे बेहतर तरीके से लागू कर सकती हैं। 5एफ फॉमूर्ला में - फार्म से फाइबर, कारखाने के लिए फाइबर, फैक्टरी से फैशन तक, फैशन से लेकर विदेश तक, एकीकृत दृष्टिकोण अपना कर अर्थव्यवस्था में कपड़ा क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने में मदद करने का विचार है।

ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम , कॉर्निंग इंटरनेशनल का कवर-ग्लास-पार्ट्स का संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार, प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण क्षेत्रों में करीब तीन दशक से अधिक समय से काम कर रही भारतीय कंपनी ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम लिमिटेड ने कॉर्निंग इंटरनेशनल कॉरपोरेशन के साथ देश में एक साझा उद्यम शुरू करने की शुक्रवार को घोषणा की । दोनों मिल कर मोबाइल इलेक्ट्रानिक उपकरणों के लिए कवर-ग्लास के हिस्से-पुर्जे बनाएंगी। आप्टिमस ग्रुप की ओर से शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा है कि उपभोक्ताओं मोबाइल कंज्यूमर - इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए ग्लास एवं ग्लास सेरामिक सामग्री बनाने वाली विश्व की अग्रणी कंपनी कॉर्निक इंटरनेशनल के साथ उसका यह संयुक्त उद्यम व्यक्तिगत मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स

उपकरण बनाने वाली इकाइयों उद्योग के लिए उच्च गुणवत्ता के तैयार कवर ग्लास पार्ट्स का निर्माण करेगा। कंपनी का कहना है कि उनकी इस भागीदारी से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारितंत्र का विस्तार करने में मदद करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार इस संयुक्त उद्यम के तहत इन कंपनियों का रणनीतिक लक्ष्य भारत में एक विश्वस्तरीय विनिर्माण इकाई स्थापित करना है जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं से लैस होगी। इस गठबंधन से मोबाइल कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य कवर ग्लास एप्लीकेशंस में उपयोग के लिए तैयार कवर ग्लास पार्ट्स का देश में ही विनिर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा जिससे अगली पीढ़ी के मोबाइल कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जरूरतें पूरी की जा सकेंगी। ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम लिमिटेड के चेयरमैन अशोक कुमार गुप्ता ने कहा, ह्न इस देश में बढ़ते विनिर्माण पारितंत्र में सक्रियता के साथ योगदान करना हमारे लिए गर्व का विषय है। इस संयुक्त उद्यम मेक इन इंडिया कार्यक्रम और आत्मनिर्भर भारत के सरकार सपने के अनुरूप है, हम वैश्विक और स्थानीय ब्रांडों के लिए विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता के उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध हैं। ह्व

जूपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल का आईपीओ 6 सितंबर को खुलेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुंबई महानगर क्षेत्र और पश्चिम भारत में अस्पतालों के नेटवर्क का संचालन करने वाली कंपनी जूपिटर लाइफ लाइन हॉस्पिटल्स लिमिटेड का पूंजी बाजार से 500 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाने के उद्देश्य से लाया जा रहा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) छह सितंबर को खुलेगा। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अजय पी ठक्कर ने आज वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुये कहा कि आठ सितंबर को बंद होने वाले आईपीओ का मूल्य दायरा 695 रुपये से लेकर 735 रुपये तय किया गया है। इसका अंकित मूल्य 10 रुपये है। न्यूनतम 20 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा और इसी गुणांक में आगे भी शेयर जारी किये जायेंगे।

बारिश की भेंट चढ़ा भारत-पाक मुकाबला, दोनों टीमों को मिले एक-एक अंक, पाकिस्तान की सुपर-4 में इंट्री

दूसरी पारी में बिना कोई गेंद फेंके मैच हुआ रद्द, अब 4 सितंबर को नेपाल से भिड़ेंगी टीम इंडिया

पल्लेकेले,(एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को खेला गया बहुप्रतीक्षित एशिया कप ग्रुप-ए मुकाबला बारिश में धुलने के बाद पाकिस्तान ने सुपर-चार चरण में प्रवेश कर लिया।

ग्रुप-बी मुकाबले में भारत टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 266 रन पर ढेर हो गया। भारत की पारी के खत्म होने के तुरंत बारिश ने दस्तक दी। जिसके बाद पाकिस्तान की पारी की एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बादलों के लगातार बरसते रहने के कारण अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार रात नौ बजकर 52 मिनट पर मैच रद्द करने का फैसला किया और दोनों टीमों ने एक-एक अंक बांटा। पहले मुकाबले में नेपाल को 238 रन से रौंदने वाला पाकिस्तान सुपर-चार चरण में पहुंच गया, जबकि भारत अब चार सितंबर को नेपाल से भिड़ेगा। इससे पहले भारतीय पारी के दौरान बारिश के कारण दो बार रुकावट आई, जिसके कारण भारत को नुकसान हुआ और पाकिस्तान विकेट लेने में कामयाब रहा। बारिश से पहले शाहीन अफरीदी (35/4) की अगुआई में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजी पर कहर बरपाया, जबकि भारत की ओर से हार्दिक पांड्या और ईशान किशन विपरीत परिस्थितियों में चमके। इन दोनों के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा नहीं छू सका।

भारतीय शीर्षक्रम फेल

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन बादलों से घिरे हुए पल्लेकेले स्टेडियम पर पाकिस्तानी गेंदबाजों ने शुरुआती स्विंग का भरपूर फायदा उठाया। बारिश के कारण चौथे ओवर में खेल रुका और मैदान पर वापसी के फौरन बाद शाहीन अफरीदी ने कप्तान रोहित शर्मा (11) को दर्शनीय इन-स्विंगर पर बोल्ड किया। विराट कोहली ने चौके के साथ खाता खोला लेकिन वह भी शाहीन की गेंद पर बोल्ड हो गए। श्रेयस अय्यर रऊफ की छोटी गेंद पर फखर जमान को कैच दे बैठे, जबकि खाता खोलने के लिए लंबा समय लेने वाले शुभमन गिल 32 गेंद पर 10 रन बनाकर बोल्ड हुए।

शुभमन गिल ने खेली एशिया कप की सबसे धीमी पारी

शुभमन गिल ने एशिया कप वनडे इतिहास की सबसे धीमी पारी खेली। गिल ने पाकिस्तान के 32 गेंदों में मात्र 10 रन बनाए। इसी के साथ गिल ने की सहवाग के शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। वीरेंद्र सहवाग ने एशिया कप 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ 32 गेंदों पर 11 रन की पारी खेली थी। अब एशिया कप (वनडे) के इतिहास में शुभमन गिल, सहवाग के साथ सबसे स्लो पारी खेलने वाले भारतीय ओपनर बल्लेबाज बने।

66 रन पर चार विकेट गिरने के बाद इशान-हार्दिक ने संभाला

भारत के 66 रन पर ऊपरी क्रम के चार बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद किशन ने पारी को संभाला। केएल राहुल के फिट न होने के कारण टीम में आए किशन आग उगलती पाकिस्तानी गेंदबाजी पर आक्रमण करने से बिल्कुल नहीं हिचकिचाए। उन्होंने हारिस रऊफ की एक छोटी गेंद पर डीप बैकवर्ड पॉइंट पर छक्का जड़कर रफ्तार पकड़ी और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। किशन ने 54 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा करके भारत को 30वें ओवर में भारत को 150 रन के पार पहुंचाया। उप-कप्तान पांड्या के साथ हुई उनकी 138 रन की साझेदारी ने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया। भारत आसानी से 300 रन की ओर बढ़ रहा था कि तभी तेज गेंदबाजों ने मैच में पाकिस्तान की वापसी करवाई। रऊफ ने किशन को शतक से 18 रन पहले आउट कर भारत की एकमात्र सफल साझेदारी तोड़ी। पांड्या ने रऊफ को तीन चौके जड़कर रफ्तार बढ़ानी चाही लेकिन अफरीदी ने उन्हें और रवींद्र जडेजा (14) को 44वें ओवर में आउट कर एक बार फिर पाकिस्तान का पलड़ा भारी कर दिया। शार्दुल ठाकुर नसीम शाह का पहला शिकार बनने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना सके, हालांकि जसप्रीत बुमराह ने नसीम का शिकार होने से पहले 14 गेंद पर तीन चौकों की मदद से बहुमूल्य 16 रन रन बनाकर भारत को 266 रन तक पहुंचा दिया।

पहली बार तेज गेंदबाजों ने लिए सभी 10 विकेट

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने भारत के सभी 10 विकेट चटकाए। एशिया कप के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब तेज गेंदबाजों ने किसी टीम के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट किया। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी ने 10 ओवर में 35 रन देकर चार विकेट जबकि नसीम शाह (8.5 ओवर, 36 रन) और हारिस रऊफ (नौ ओवर, 58 रन) ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

विराट कोहली और रोहित शर्मा को बोल्ड करने वाले दुनिया के इकलौते गेंदबाज बने शाहीन

पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को शाहीन अफीरीद ने अपना शिकार बनाया। शाहीन ने इस मैच में कोहली और रोहित शर्मा को आउट करके एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना दिया। शाहीन अफीरीदी की गेंद पर इस मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों बोल्ड हुए और अब वनडे क्रिकेट में इन दोनों बल्लेबाजों को बोल्ड करने वाले दुनिया के इकलौते गेंदबाज शाहीन अफरीदी हैं। शाहीन अफीरीद ने रोहित शर्मा को 11 रन पर क्लीन बोल्ड किया था जिन्होंने 22 गेंदों का सामना किया था तो वहीं विराट कोहली भी उनकी एक बाहर जाती गेंद को छेड़ते हुए कॉट एंड बोल्ड हो गए। विराट कोहली ने इस मैच में सिर्फ 4 रन बनाए थे।

आठवीं बार एशिया कप खेलने उतरे रोहित शर्मा, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सर्वाधिक एशिया कप टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उतरते यह कीर्तिमान अपने नाम किया। रोहित शर्मा आठवीं बार एशिया कप टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। रोहित के बाद इस सूची में जडेजा (7) दूसरे पायदान पर है। विराट कोहली मर्तबा टूर्नामेंट में खेल रहे है। वहीं, सचिन तेंदुलकर भी 6 बार इस टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और मोहम्मद अजहरुद्दीन पांच-पांच मर्तबा टूर्नामेंट में हिस्सा लिया हैं।

कुछ इस तरह से शाहीन ने मनाया कोहली के विराट विकेट का जश्न।

हार्दिक-इशान की जोड़ी ने तोड़ा द्रविड़- युवराज का रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और इशान किशन की जोड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ 138 रन की साझेदारी की, जो एशिया कप इतिहास में पांचवें विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप साबित हुई। इससे पहले एशिया कप में पांचवें विकेट के लिए भारत की तरफ से सबसे बड़ी साझेदारी करने का रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ और युवराज सिंह के नाम पर दर्ज था। जिन्होंने 2004 में श्रीलंका के खिलाफ पांचवें विकेट के लिए 133 रन जोड़ें थे।

एशिया कप में पांचवें विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी साझेदारी

138 रन	इशान किशन-हार्दिक पांड्या V/s पाकिस्तान	2023
133 रन	राहुल द्रविड़ और युवराज सिंह V/s श्रीलंका	2004
112 रन	एमएस धोनी और रोहित शर्मा V/s पाकिस्तान	2008

इशान किशन ने लगाई रिकॉर्ड की झड़ी

- भारतीय बल्लेबाज इशान किशन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर के 1500 रन पूरे किए।
- इशान किशन ने वनडे में लगातार चौथा अर्धशतक लगाकर पूर्व भारतीय विकेटकीपर एमएस धोनी की बराबरी की। एमएस धोनी भारत की तरफ से बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज लगातार वनडे में चार अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी थे। अब इशान किशन ने उनकी बराबरी कर ली है। धोनी ने यह कारनामा साल 2011 में किया था।
- इशान किशन 82 रन बनाकर खेलकर एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड एमएस धोनी के नाम पर दर्ज था जिन्होंने पाक खिलाफ एशिया कप में 2008 में 76 रन की पारी खेली थी।

लगातार चौथा अर्धशतक ठोका इशान किशन ने

टीम	रन	गेंद
विंडीज	52	46
विंडीज	55	55
विंडीज	77	66
पाक	82	81

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा बो. शाहीन	11	22	2/0
शुभमन गिल बो. रउफ	10	32	1/0
विराट कोहली बो. शाहीन	04	07	1/0
श्रेयस अय्यर कै. जमान बो. रउफ	14	09	2/0
इशान किशन कै. आजम बो. रउफ	82	81	9/2
हार्दिक पंड्या कै. सलमान बो. शाहीन	87	90	7/1
रवींद्र जाडेजा कै. रिजवान बो. शाहीन	14	22	1/0
शार्दुल ठाकुर कै. शादाब बो. नसीम	03	03	0/0
कुलदीप कै. रिजवान बो. नसीम	04	13	0/0
बुमराह कै. सलमान बो. नसीम	16	14	3/0
मोहम्मद सिराज नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 20, **कुल:** 48.5 ओवर में 266 रन पर ऑल आउट, **विकेट पतन:** 1-15 , 2-27 , 3-48, 4-66, 5-204, 6-239, 7-242, 8-242, 9-261, 10-266 **गेंदबाजी:** शाहीन शाह अफरीदी 10-2-35-4, नसीम शाह 8.5-0-36-3, हारिस रउफ 9-0-58- 3, शादाब खान 9-0-57-0, मोहम्मद नवाज 8-0-55-0, आगा सलमान 4-0-21-0.

भारतीयों को अब टेस्ट क्रिकेट में कोई दिलचस्पी नहीं है : सर्वे

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। न केवल भारत और उसके पश्चिमी पड़ोसी, बल्कि पूरी दुनिया के खेल प्रेमी शनिवार (2 सितंबर) को एशिया कप टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। भारत भर में खेल प्रेमियों के लिए सीवोटर द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में, 45-54 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग 49.4% उत्तरदाताओं की राय है कि रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग के लिए शुभमन गिल सबसे उपयुक्त खिलाड़ी हैं।

गिल के बाद विराट कोहली रहे, 20.1% उत्तरदाताओं का मानना है कि उन्हें रोहित के साथ शुरुआती बल्लेबाज होना चाहिए। श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा सबसे कम पसंदीदा रहे।

लगभग 32.6% उत्तरदाताओं की राय है कि विराट कोहली चौथे स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए सबसे उपयुक्त खिलाड़ी हैं। कोहली के बाद सूर्यकुमार यादव और इशान किशन थे। लगभग 28.8% खेल प्रेमियों का मानना है कि यादव को नंबर 4 पर खेलना चाहिए। उनके पसंदीदा क्रिकेट प्रारूप के बारे में पूछने पर, टी-20 क्रिकेट प्रारूप भारतीय खेल प्रेमियों के बीच सबसे लोकप्रिय बना हुआ है, क्योंकि लगभग 45.1% लोग टी-20 को अपना पसंदीदा प्रारूप मानते हैं, जबकि पांच दिवसीय टेस्ट मैच प्रारूप सबसे कम लोकप्रिय है।

सीवोटर द्वारा पूरे भारत में खेल प्रेमियों को लक्षित एक सर्वेक्षण में, 18-24 वर्ष के आयु वर्ग के लगभग 54.2% उत्तरदाताओं की राय है कि इंडियन प्रीमियर लीग या आईपीएल भारतीय क्रिकेटरों की चोटों के पीछे प्रमुख कारण है। उन्होंने इस बात पर भी सहमति जताई कि इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंटों में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। भारत के जेवलिन सुपरस्टार नीरज चोपड़ा के बारे में पूछे जाने पर, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले अधिकांश उत्तरदाता (69.6%) उनसे अत्यधिक परिचित हैं।

सर्वेक्षण से पता चलता है कि खेल प्रेमी होने के बावजूद, अधिकांश उत्तरदाता पारुल चौधरी के बारे में अनजान हैं, जो हाल ही में हंगरी के बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन और अपने नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के लिए खबरों में थीं।

हमवतन जेरे को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को पिछड़कर वापसी करते हुए अपने हमवतन लासलो जेरे को 3-2 से मात दी। जोकोविच ने तीन घंटे 45 मिनट तक चले पांच सेट के मुकाबले में जेरे को 4-6, 4-6, 6-1, 6-1, 6-3 से हराया।

जोकोविच ने इस कठिन जीत के बाद कहा, अविश्वसनीय। लगभग दो बज चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग रुके हैं। मुझे उम्मीद है कि (प्रशंसकों) ने मैच का आनंद लिया, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे लिये उतना आनंददायक नहीं था, खासकर पहले दो सेटों में। यह कई वर्षों में यहां खेले गये मेरे सबसे

कठिन मैचों में से एक था। बेहतरीन टेनिस खेलने के लिये लासलो को बहुत श्रेय जाता है।

मैच के शुरुआती 90 मिनटों में जेरे ने लंबी रैलियों में बढ़त बनाए रखी। उन्होंने बेसलाइन से निडर और तेज़तर्रार हिटिंग करते हुए अक्सर जोकोविच के पीछे धकेलकर उनका संतुलन बिगाड़ा। अपना चौथा अमेरिकी ओपन खिताब तलाश रहे जोकोविच ने तीसरे सेट में तेजी से अपना स्तर बढ़ाया और जेरे के फोरहैंड से गलतियां करवाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया।

मैच का रुख तब बदला जब जोकोविच ने तीसरे सेट में 26 शॉट की रोमांचक रैली जीतकर पहली बार 1-0 से सर्विस तोड़ी। इसके बाद सर्बियाई दिग्गज ने अपने हाथ हवा में उठाकर न्यूयॉर्क की भीड़ से समर्थन मांगा और अगले दो सेट सिर्फ दो गेम गंवाकर जीते। आखिरी सेट में जोकोविच ने जेरे के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद शानदार डिफेंस दिखाया और अपनी सर्विस पर मुकाबला जीत लिया।

जोकोविच ने कहा, अगर वह थक भी रहा था तो इससे उसके खेल पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

इंग्लैंड के बाद भारत में होगा दिव्यांगजन क्रिकेट विश्व कप

भिवानी, एजेंसी। दिव्यांगजन क्रिकेट विश्व कप इंग्लैंड के बाद अब भारत में आयोजित किया जाएगा जिसके तहत पांच टी20 और दो एक दिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे।

डिसेबलिटी एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) और फिजिकली चैलेंजड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीसीसीएआई) के पदाधिकारियों ने शनिवार को यहां आयोजित एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया और डीसीसीआई सदस्य एवं पीसीसीएआई के राष्ट्रीय महासचिव रवि चौहान ने बताया प्रतियोगिता के लिये मास्टर प्लान तैयार कर ली गई है।

बीसीसीआई द्वारा गठित नव नियुक्त डीसीसीआई बोर्ड के पदाधिकारी एवं पीसीसीएआई के राष्ट्रीय महासचिव रवि चौहान ने कहा कि क्रिकेट के सीजन में एक तरफ जहां इंग्लैंड की नार्मल टीम जनवरी माह में भारत में खेलने के लिए आ रही है, तो वही इसी खेल सीजन में डिसेबल टीम भी भारत में जनवरी माह में पहुंचेगी। जिनके भारत में पांच टी20 मुकाबले और दो दिवसीय मुकाबले कराए जाएंगे। अनेक राज्यों की दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन इंग्लैंड की टीम की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सितम्बर माह में दिव्यांग जगत की क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू होगी। उन्होंने कहा कि 10 से 14 सितंबर तक ग्वालियर में 10 राज्यों की टीम के बीच में मेयर कप को लेकर मुकाबला रहेगा। इसके उपरांत 28 सितम्बर से आठ अक्टूबर तक राजस्थान के उदयपुर में 24 टीमों के बीच मुकाबले होंगे जिसमें भारत के सभी राज्यों से खिलाड़ी शामिल होंगे। जिनकी ट्रायल ली जा चुकी है और ट्रायल के हिसाब से 20 टीम अलग से तैयार की गई है तथा चार टीमें भी भाग लेंगी। उदयपुर टूनामेंट के बाद देश में दिव्यांग क्रिकेट का यह बड़ा आयोजन होगा। इसमें इंग्लैंड की टीम भी भाग लेगी।

132वें डूरंड कप के फाइनल में मोहन बागान का मुकाबला ईस्ट बंगाल से

कोलकाता, 2 सितंबर (एजेंसियां)। देश के दो सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब, मोहन बागान सुपर जाइंट और ईस्ट बंगाल रविवार को यहां विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में 132वें डूरंड कप के स्वप्निल फाइनल में भिड़ेंगे। भारतीय फुटबॉल के प्रशंसकों के लिए, इससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता क्योंकि मोहन बागान सुपर जाइंट (एमबीएसजी) और इमामी ईस्ट बंगाल (ईईबी) तीन प्रतिष्ठित और चमचमाती डूरंड ट्रॉफियों पर अपना हाथ रखने का अधिकार हासिल करने के लिए आमने-सामने हैं।

इस संस्करण के ग्रुप चरण में दो स्थानीय टीमों के बीच पहली भिड़ंत का परिणाम ईईबी के लिए अनुकूल रहा क्योंकि नंदकुमार शेखर की स्ट्राइक ने अंतर पैदा कर दिया। वे फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं, इससे पता चलता है कि वे इस टूर्नामेंट में कितने मजबूत रहे हैं। ईईबी को रविवार के ब्लॉकबस्टर में आसान समूह में शामिल किया गया था, जबकि मोहन बागान को नॉकआउट में मुंबई सिटी और एफसी गोवा से आगे निकलना था। लेकिन गोकुलम केरल और उभरती हुई नॉर्थईस्ट यूनाइटेड भारतीय फुटबॉल में किसी भी टीम के लिए आसान मैच नहीं हैं और ईस्ट बंगाल को ग्रैंड फिनाले तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा। दोनों टीमें अच्छी फॉर्म में हैं और ईईबी के मुख्य कोच कार्ल्स कुआड्राट निश्चित रूप से प्री-मैच प्रेसर में स्पष्टता और आत्मविश्वास से भरे हुए थे।

कुआड्राट ने शनिवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, बांग्लादेश सेना टीम के साथ ड्रा के बाद, हमने टीम के बीच बात की। हमारे सत्रों में सुधार हुआ। फिर हमने मोहन बागान को

हराया और डर्बी जीता। फिर मैच दर मैच हमने सुधार किया और अब हम फाइनल में हैं। पिछली बार ईस्ट बंगाल ने 2016 में मोहन बागान को लगातार दो मैचों में हराया था। इसलिए काफी समय हो गया है। इसलिए इस बार हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे।

एमबीएसजी मैनेजर जुआन फेरांडो, बहुत अधिक भावनाओं को धोखा देने वालों में से नहीं हैं, उन्होंने भी कहा कि यह बहुत अच्छा होगा यदि वे ट्रॉफी जीत सके।

उन्होंने कहा, मैं अपने अब तक के प्रदर्शन से खुश हूं। हमने मुंबई और एफसी गोवा जैसी कुछ अच्छी टीमों से खेला है। और हम फाइनल में एक और अच्छी टीम से भिड़ने जा रहे हैं। इसलिए, अगर हम ट्रॉफी जीत सकें तो यह बहुत अच्छा होगा। हम प्रीसीजन में हैं और हम जिस तरह से प्रगति कर रहे हैं उससे मैं खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरे लिए, अतीत अतीत है, हर मैच अलग है, ईमानदारी से कहूं तो पिछले डर्बी में मेरा ध्यान एएफसी कप मैच पर ज्यादा था लेकिन अब मुझे खुशी है कि मेरे खिलाड़ी ग्रुप स्टेज पास कर चुके हैं। और कल हमारे पास एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलने का मौका है। यह हमारे लिए एक अच्छा लक्ष्य और अच्छी चुनौती है। हम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे।

आयोजकों को रविवार को वीवाईबीके में 50,000 से 60,000 प्रशंसकों के जुटने की उम्मीद है और दोनों कोचों द्वारा ट्रॉफी की महत्वाकांक्षा व्यक्त करने के साथ, एक मनोवैज्ञानिक और सामरिक लड़ाई भी होने वाली है।

स्पैनिश डीप डिफेंडर हेक्टर युस्टे एमबीएसजी डिफेंस के केंद्र में उस सामरिक लड़ाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे और वह पहले डर्बी से चूक जाने के कारण वहां से बाहर निकलने के लिए बहुत उत्सुक दिखे।

मुझे कोई आपत्ति नहीं है. मुझे सिर्फ फुटबॉल खेलना पसंद है, मैं कीपर की भूमिका भी निभाऊंगा, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फाइनल में तीन सदस्यीय या चार सदस्यीय डिफेंस को प्राथमिकता देंगे तो उन्होंने चुटकी ली। हेक्टर ने आगे कहा, मैं रविवार सुबह पहुंचा। और मैंने खेला. इसलिए, मैं एएफसी कप में अगले दौर के लिए क्वालीफाई करके खुश हूं। हाँ, निश्चित रूप से मैंने डर्बी के बारे में सुना है। कई लोगों ने मुझे बताया, यह कठिन होने वाला है क्योंकि शारीरिक रूप से हम 100 प्रतिशत तैयार नहीं हैं। लेकिन हमें उस दबाव का आनंद लेना होगा।% और हमें फाइनल में अपना सब कुछ झोंकना होगा।

आज की आवश्यकता सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थो का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्बक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है । दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्न + थायरम 50त्न के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग –

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग –

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे= पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्न की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे = पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

एक मिनट के एक करोड़ रुपए कमाती हैं उर्वशी रौटेला !

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौटेला अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आई उर्वशी ने 2013 में फिल्म ' 'सिंह साब द ग्रेट' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। उर्वशी भले ही फिल्मों में कम नजर आती हो लेकिन सोशल मीडिया पर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों की वजह से छाई रहती हैं।

उर्वशी इन दिनों अपने एक वीडियो की वजह से ट्रोल्र्स के निशाने पर आ गई है। दरअसल, इस वीडियो में उर्वशी उन दावों की पुष्टि कर रही है कि वह बॉलीवुड की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस हैं। उर्वशी का कहना है कि वह 1 मिनट परफॉर्म करने के 1 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में एक रिपोर्टर उर्वशी से पूछता है कि कैसा लगता है सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस बनकर क्योंकि आप 1 मिनट का 1 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं। इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्वशी कहती हैं, मुझे लगता है कि हर एक सेल्फ मेड एक्टर या एक्ट्रेस को अपने करियर में ये उपलब्धि देखनी चाहिए।

इस वीडियो के सामने आने के बाद यूजर्स उर्वशी को जमकर ट्रोल कर रहे है। एक यूजर ने लिखा, 'देवी उर्वशी नए पीआर स्टंट के साथ वापस आ गई हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'दीदी 1 घंटे में 60 करोड़ कमाती हैं!! एक दिन में 1440 करोड़!! वाह। दीदी तुम मंगल पर जाके रहो यहां जरूरत नहीं है।' एक और यूजर ने लिखश, '50 रुपए काटो ओवर एक्टिंग का।' '

बीते दिनों खबर सामने आई थी कि उर्वशी ने राम पोथिनेनी की अपकमिंग फिल्म के एक गाने में 3 मिनट परफॉर्म करने के लिए 3 करोड़ रुपए फीस की मांग की थी। हालांकि इस बारे में फिल्म के मेकर्स ने कभी कोई कमेंट नहीं किया।

अरमान ने गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ के साथ की सगाई

बॉलीवुड सिंगर अरमान मलिक ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ साथ सगाई कर ली है। अरमान ने सोशल मीडिया पर अपने खूबसूरत मोमेंट भी शेयर की है। फोटो में वह फिल्मी अंदाज में आशना को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। अरमान ने अपनी सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- और हमारी हमेशा के लिए अभी-अभी शुरुआत हुई है। पहली तस्वीर में सिंगर ऑफ-व्हाइट सूट पहने घुटनों के बल बैठकर आशना की उंगली में अंगूठी डालते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनकी लेडी लव बेहद खुश नजर आ रही हैं। वह सफेद और लाल रंग की फ्लोरल प्रिंट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। ये तस्वीरें सामने आने के बाद लोग कपल को खूब बधाइयां दे रहे हैं। गायिका नीति मोहन ने कमेंट करते हुए लिखा-, ओएमजी बधाई हो दोस्तों। कितना प्यारा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने लिखा- बधाई हो! इस नई शुरुआत के साथ आप दोनों को खुशी, स्वास्थ्य और समृद्धि की शुभकामनाएं!

अरमान मलिक एक संगीतकार परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अनु मलिक के भतीजे हैं। ऐसे में उन्होंने 8 साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। पर उन्हें असली पहचान उनके गाए गाने बोल दो न जरा से मिली। बता दें कि अरमान मलिक और लाइफस्टाइल ब्लॉगर आशना श्रॉफ लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने वैसे कभी अपने रिश्ते को छिपाने की कोशिश भी नहीं की है।

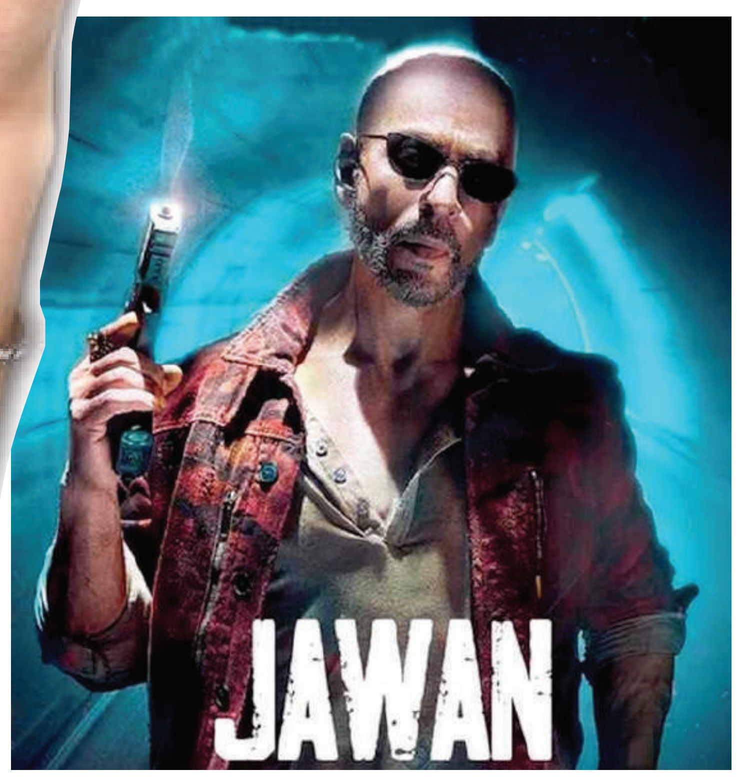

फैंस का इंतजार खत्म, शाहरुख खान की 'जवान' का धमाकेदार ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की रिलीज के कुछ दिन पहले मेकर्स ने फैंस को एक गिफ्ट देते हुए 'जवान' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फिल्म 'जवान' का ट्रेलर एक्शन, एडवेंचर और दिल दहला देने वाले रोमांच से भरपूर है। ट्रेलर दर्शकों को 'जवान' की विशाल दुनिया की एक और झलक देता है, जिससे इसकी रिलीज की उल्टी गिनती तेज हो जाती है, जो है अब बस अपनी रिलीज से सिर्फ एक हफ्ता दूर है। एक रोमांचक मोड़ में, आज नयनतारा का सोशल मीडिया पर डेब्यू भी है। उनके फैंस के लिए यह दोहरी सौगात है क्योंकि उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर 'जवान' का ट्रेलर जारी किया है, जिससे उनके फॉलोअर्स खुशी से झूम उठे हैं।

बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा

बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। यह प्राइम वीडियो का आने वाले क्राइम ड्रामा है। इस सीरीज़ का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं। इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। यह फिक्शनल क्राइम सीरीज एक पिता और बेटे की एक मनोरंजक कहानी है, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ये सीरीज अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई की खोज करती है। आजादी के बाद के दिनों पर आधारित, यह कहानी एक युवा, दारा कादरी (तिवारी द्वारा अभिनीत) के जीवन और उत्थान को दर्शाती है, जो अपने पिता की कानून प्रवर्तन विरासत (मेनन द्वारा अभिनीत) और संगठित अपराध के केंद्र में अपनी यात्रा के बीच उलझा हुआ है। प्राइम वीडियो में इंडिया ओरिजिनल्स की हेड अपर्णा पुरोहित ने कहा, 'बंबई मेरी जान सपनों और महत्वाकांक्षाओं की एक जटिल और दिलचस्प कहानी है, जहां सत्ता के लिए कभी न मिटने वाली भूख किसी की पसंद को परिभाषित करती है। कहानी एक सिम्फनी की तरह है जो अपने मेन किरदारों की सोच और भावनाओं को गहराई से उजागर करती है, क्योंकि वे अपनी पसंद के परिणामों से जूझते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हम एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के साथ अपना पांचवां प्रोजेक्ट पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

मलाइका ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को किया खारिज

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप की अफवाहों को खारिज किया है। लंच डेट के लिए एक रेस्तरां में एक साथ देखे जाने के बाद मलाइका ने एक पोस्ट शेयर की, जिससे लगता है कि वह एक्टर अर्जुन कपूर के साथ ब्रेक-अप की अफवाहों को खारिज कर रही हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मलाइका ने अमेरिकी कॉमिक स्ट्रिप पीनट्स के कार्टून कैरेक्टर स्नूपी की एक फोटो शेयर की और उस पर लिखा था, उन लोगों के करीब रहें जो सनसाइन की तरह महसूस करते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों मलाइका और अर्जुन को एक साथ लंच डेट पर साथ देखा गया। दोनों को मुंबई के एक रेस्टोरेंट से बाहर घूमते हुए देखा गया। मलाइका ने वाइट आउटफिट पहनी हुईं थी, वहीं अर्जुन ने ब्लैक टी-शर्ट और जींस लुक कैरी किया हुआ था। खबरें थीं कि अर्जुन और मलाइका का ब्रेकअप हो गया हैं और अर्जुन अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्टर कुशा कपिला को डेट कर रहे हैं।

हालांकि, कुशा, जिनका हाल ही में जोरावर सिंह अहलूवालिया से ब्रेकअप हुआ है, ने ऐसी खबरों से इनकार किया। अर्जुन को डेट करने से पहले मलाइका की शादी बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के भाई और अभिनेता-निर्देशक अरबाज खान से हुई थी। 1998 में शादी करने के बाद, उन्होंने मार्च 2016 में अलग होने की घोषणा की और मई 2017 में आधिकारिक तौर पर तलाक हो गया।

सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान

कलाकार सनी सिंह की अपकमिंग फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका टाइटल रिस्की रोमियो है। खास बात ये है कि एक कॉमेडी मसाला मूवी होने वाली है, जिसमें एक्ट्रेस कृति खरबंदा के साथ पहली बार सनी सिंह स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श की ओर से रिस्की रोमियो का मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है। सनी सिंह और कृति खरबंदा की इस अपकमिंग फिल्म के पोस्टर से ये साफ अनुमान लगाया जा सकता है कि ये एक न्यू ऐज जॉनर एपिक कॉमेडी फिल्म साबित हो सकती है। इस मूवी का डायरेक्शन अबीर सेन गुप्ता कर रहे हैं, ये वही अबीर हैं जो इंदु की जवानी में कियारा आडवाणी और मिसेज अंडरकवर में राधिका आप्टे जैसी मशहूर एक्ट्रेस को डायरेक्ट कर चुके हैं। ऐसे में अब अबीर सेन गुप्ता ने रिस्की रोमियो के जरिए एक फ्रेश पेयर सनी सिंह और कृति खरबंदा पर दांव खेला है। रिस्की रोमियो के इस मोशन पोस्टर ने फैंस की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है, जिसके चलते वे इस पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। सनी सिंह और कृति खरबंदा ने बतौर कलाकार इंडस्ट्री में अपनी खास छाप छोड़ी है। प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में सनी अपनी दमदार एक्टिंग की मिसाल पहले ही कायम कर चुके हैं। दूसरी ओर कृति खरबंदा राज रिबूट, पागलपंती, हाउसफुल 4 और शादी में जरूर आना जैसी फिल्मों से कृति अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। ऐसे में अब रिस्की रोमियो के जरिए इन दोनों कलाकारों की जोड़ी पहली बार एक साथ नजर आएगी, तो ये देखना काफी दिलचस्प रहेगा। बता दें कि फिल्म आदिपुरुष में शेष का किरदार अदा करने वाले कलाकार सनी सिंह किसी अलग पहचान के मोहताज नहीं हैं। इंडस्ट्री के उभरते हुए एक्टर्स में उनका नाम जरूर शामिल होता है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।